Established 1865

पायनियर

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

RNI N0. UPHIN/2010/36547 | वर्ष-16 | अंक-56 | लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-16, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

मेस्सी के कार्यक्रम में भगदड़ और तोड़फोड़

सुबह 11 बजे अपने 70 फीट ऊंची स्टैच्यू का वर्चुअल उद्घाटन किया, शाहरुख खान भी रहे मौजूद

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता। फुटबॉल के महान खिलाड़ी और 2022 फीफा वर्ल्ड कप विजेता लियोनेल मेसी को कोलकाता में अभूतपूर्व सम्मान मिला है। शहर के प्रवेश द्वार के पास स्थापित उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा ने न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इसे दुनिया की किसी भी फुटबॉलर की सबसे ऊंची प्रतिमा बताया जा रहा है। मेसी ने सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए अपने होटल से रिमोट कंट्रोल के जरिए वर्चुअल रूप से इस भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस विशाल प्रतिमा को प्रसिद्ध कारीगर मिंटू पाल ने करीब 40 दिनों में तैयार किया है। लोहे से बनी यह मूर्ति मेसी को 2022 वर्ल्ड कप ट्रॉफी थामे हुए दिखाती है।इसे लेक टाउन इलाके में बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास स्थापित किया गया है, जो शहर के प्रमुख चौराहों में से एक है। इस ऐतिहासिक मौके पर बॉलीवुड सुपरस्टार और खुद को मेसी का प्रशंसक बताने वाले शाहरुख खान की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और खास बना दिया। उनकी मौजूदगी ने खेल और सिनेमा के संगम को दशार्या, जिसे फैंस ने खूब सराहा। लेकिन वहीं शनिवार को बुरी याद में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेस्सी की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मेस्सी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रचारित किया गया था लेकिन यह पूरी तरह से अराजकता में बदल गया। मेस्सी तीन दिनों के भारत दौरे पर है जिसकी शुरूआती कोलकाता से हुई।

> बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद प्रशंसकों को नहीं मिली मेस्सी की झलक

ममता ने मांगी मांफी, जांच के दिए आदेश

मेस्सी के स्टेडियम से निकलने के कुछ घंटों बाद, ममता ने कुप्रबंधन पर गहरा सदमा व्यक्त करते हुए एक उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की। उन्होंने एक्स पर जारी एक पोस्ट में मेस्सी और स्टेडियम आये प्रशंसकों से माफी मांगी। मुख्यमंत्री ने कहा, आज साल्ट लेक स्टेडियम में जो कुप्रबंधन देखने को मिला, उससे मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। उन्होंने कहा कि विश्व कप विजेता स्टार की एक झलक पाने की उम्मीद में हजारों प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। जांच समिति की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशीष कुमार राय करेंगे। इस समिति में गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव भी होंगे।

मुख्य आयोजक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को आयोजित लियोनेल मेस्सी के फुटबॉल कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आयोजन स्थल पर मची व्यापक अफरा-तफरी के बाद यह कदम उठाया गया, जिसके चलते अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेस्सी को मैदान छोड़कर समय से पहले ही लौटना पड़ा। दत्ता को आयोजन के कथित तौर पर कुप्रबंधन के आरोप में कोलकाता हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया, जहां वह मेस्सी और उनके साथ शामिल अन्य को हैदराबाद जाते समय विदा करने गए थे। डीजीपी राजीव कुमार ने कहा, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या आयोजकों की ओर से कोई कुप्रबंधन हुआ था, जिसके कारण स्टेडियम में अफरा-तफरी मची।

स्टार फुटबॉलर से मिले राहुल

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी जीओएटी भारत दौरा 2025' की कोलकाता में खराब शुरूआत के बाद दूसरे चरण के लिए शनिवार की शाम 5 बजे हैदराबाद पहुंच गए। हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और बच्चों के साथ फुटबॉल खेला। मेसी दोपहर 2 बजे कोलकाता से निकले और शाम करीब 5 बजे हैदराबाद पहुंचे। साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों की ओर फुटबॉल फेंकी। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मेसी से मिले।

आज मुंबई दौरे के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था : मेस्सी के रविवार को मुंबई दौरे को देखते हुए शहर की पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं और अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के भीतर पानी की बोतलें, धातु की वस्तुएं और सिक्के ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

पांच साल में बस्तर बनेगा देश का नंबर-एक आदिवासी संभाग

एजेंसी। रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों वाले बस्तर संभाग को अगले पांच वर्षों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता-न तो हथियार उठाने वालों को और न ही सुरक्षाकर्मियों को, और केवल शांति ही विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। उन्होंने एक बार फिर इस बात पर बल दिया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। शाह ने जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक-2025 खेल के समापन समारोह को संबोधित करते हुए माओवादियों से अनुरोध किया कि वे हथियार डाल दें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म करने का फैसला किया है, यह लक्ष्य अब प्राप्ति के करीब है। शाह ने कहा, मैं इस मंच से जितनी दृढ़ता के साथ यह कहना चाहता हूं कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, इतनी ही विनम्रता से मैं अपील करना चाहता हूं कि अभी भी गुमराह होकर हमारे ही लोग हाथ में हथियार लेकर बैठे हैं।

> पांच किलोमीटर के दायरे में मिलेंगी सभी सुविधाएं

सार संक्षेप

सीजेआई सूर्यकांत ने समान न्यायिक नीति पर दिया जोर

जैसलमेर। एकीकृत न्यायिक नीति पर जोर देते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अदालतों के बीच मानकों और प्रक्रियाओं को एकरूप बनाने में मदद कर सकती है, जिससे नागरिकों को उनके स्थान की परवाह किए बिना एक सुगम और निर्बाध अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि संघीय ढांचे के कारण उच्च न्यायालयों की अपनी-अपनी प्रक्रियाएं और तकनीकी क्षमताएं रही हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी की मदद से इन क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़कर एक अधिक एकीकृत न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सकता है। जैसलमेर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा प्रस्तावित की और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के साथ भारत की न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान किया।

समय के साथ बदलाव के लिए प्रतिबद्ध सेना : सीडीएस

हैदराबाद। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध और संघर्ष में एक बड़ी क्रांति के प्रारंभ होने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें। सीडीएस ने यहां डुंडिगल के पास वायुसेना अकादमी में आयोजित 216 कोर्स के कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए यह बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि भारत की ताकत मजबूत संस्थानों, लोकतांत्रिक स्थिरता और सशस्त्र सेनाओं की अडिग पेशेवर क्षमता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा हो गया हो, लेकिन यह जारी है।

पूर्व मंत्री राजा भैया को नोटिस जारी

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी साली साध्वी सिंह को पत्नी भानवी कुमारी सिंह द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। अदालत ने साथ ही मानहानि के मामले में भानवी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सौरभ लावनिया की पीठ ने भानवी द्वारा दायर एक याचिका पर यह आदेश दिया। इसमें लखनऊ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी गई थी। अदालत ने राजा भैया और साध्वी सिंह को दो हफ्ते के अंदर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद नियत की।

तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में एनडीए की शानदार जीत

45 वर्षों के वामपंथी शासन का किया अंत

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत हासिल की। राजग ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर लगातार 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से 2026 के विधानसभा चुनाव में विशेष रूप से राज्य की राजधानी में भाजपा की संभावनाओं को काफी बल मिलेगा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, यूडीएफ को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है। भाजपा सदन में बहुमत हासिल करने से महज एक वार्ड दूर है। राजग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के साथ कड़ी टक्कर के बाद पलक्कड़ नगरपालिका को बरकरार रखा और कांग्रेस को त्रिप्पुनिथुरा नगरपालिका में शिकस्त दी।

> नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा ने जीती 50 सीटें

एनडीए की जीत केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भाजपा नीत राजग को मिले जनादेश को केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण बताया और शानदार नतीजों के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। वामपंथी दलों को तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बड़ा झटका लगा। वहां राजग ने भारी बढ़त हासिल कर ली है। चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केरल में पीढ़ियों से काम करने वाले कार्यकर्ताओं के कार्यों और संघर्षों को याद करने का दिन है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया।

यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे पंकज चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। किसी अन्य के पर्चा दाखिल नहीं करने की वजह से उनका इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन तय है।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने पार्टी कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पंकज चौधरी ही एकमात्र उम्मीदवार हैं जिन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। इससे उनका भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो गया है। चौधरी ने अपना नामांकन पत्र भाजपा राज्य चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े को सौंपा। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा उप्र सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे। इस बीच, चौधरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹आज लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचने पर, समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। मैं सभी कार्यकर्ताओं का उनके द्वारा दिखाए गए स्नेह और सम्मान के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

> सीएम योगी रहे प्रस्तावक, निर्विरोध चुना जाना तय

> केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने दाखिल किया नामांकन

भाजपा ने ओबीसी नेता पर इसलिए लगाया दांव

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में अध्यक्ष का चुनाव आगामी पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया जाएगा, तथा जाति और क्षेत्रीय समीकरणों पर मजबूत पकड़ रखने वाले को ही यह जिम्मेदारी दी जाएगी। पंकज चौधरी महाराजगंज संसदीय क्षेत्र से सात बार के सांसद हैं। वह कुर्मी जाति से हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भरोसेमंद माना जाता है। कुर्मी समुदाय (अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का पूरे उत्तर प्रदेश में ओबीसी समुदाय में काफी प्रभाव है और 2024 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनाव में इस समुदाय ने राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा की ओर अपना झुकाव दिखाया था।

आज पीयूष गोयल करेंगे घोषणा

भाजपा राज्य चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे ने शुक्रवार को को बताया था कि पार्टी के अगले प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा रविवार को केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। पंकज चौधरी महाराजगंज संसदीय क्षेत्र से सात बार के सांसद हैं। वह कुर्मी जाति (अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की एक जाति) से हैं और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भरोसेमंद माना जाता है। कुर्मी समुदाय का पूरे उत्तर प्रदेश में ओबीसी समुदाय में काफी प्रभाव है और 2024 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनाव में इस समुदाय ने राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी (समाजवादी पार्टी) की ओर अपना झुकाव दिखाया था। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने कुर्मी समुदाय के नेताओं को तीन बार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है, जिनमें पूर्व सांसद विनय कटियार, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शामिल हैं।

तीन सांसदों ने भारत पर लागू 50 प्रतिशत शुल्क समाप्त करने का पेश किया प्रस्ताव

अमेरिका में ही ट्रंप के टैरिफ का विरोध

एजेंसी। न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को खत्म के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एक प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के प्रति इस गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे यह महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी।

उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, टेक्सास के प्रतिनिधि मार्क वेसी और इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को बहाल करने में मदद मिले। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसमें भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद को लेकर उस पर लगाया 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल है। प्रस्ताव में उस राष्ट्रीय आपातकाल आदेश को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसे ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए लागू किया है।

रॉस ने कहा कि ट्रंप के फैसले के कारण भारत से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के प्रति ट्रंप की गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। उन्होंने कहा, अमेरिकी हितों या सुरक्षा को बढ़ावा देने के बजाय ये शुल्क आपूर्ति शृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं।

> सांसदों ने टैरिफ को अर्थव्यवस्था के लिए बताया खतरनाक

अमेरिकी कांग्रेस बनाम ट्रंप की लड़ाई

यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के उस बड़े अभियान का हिस्सा है जिसमें डेमोक्रेट्स (और कुछ रिपब्लिकन भी) राष्ट्रपति के आपातकालीन अधिकारों पर लगाम लगाना चाहते हैं। सांसदों का कहना है कि व्यापार नीति बनाने का अधिकार संविधान के अनुसार सिर्फ कांग्रेस के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। फिलहाल यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पेश हो चुका है। अगर यह पारित होता है तो सीनेट (अमेरिकी कांग्रेस का ऊपरी सदन) में भी इसी तरह के बिल पर वोटिंग होगी। विशेष बहुमत से इस प्रस्ताव पर राष्ट्रपति वीटो को भी ओवरराइड किया जा सकता है।

संघ प्रमुख ने हिंदू समाज से एकता का किया आह्वान

एजेंसी। श्री विजयपुरम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को हिंदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने की अपील की कि हर राष्ट्र का एक दायित्व होता है जिसे उसे निभाना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे प्राप्त करना होता है।

यहां नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है। उन्होंने कहा, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है...भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है। भागवत ने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा, यदि हिंदू जागृत हों, तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग प्रशस्त करेगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय, हमें समाधान खोजने चाहिए।

> सशक्त समाज और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक

अब अवैध नशे के सौदागरों की खैर नहीं

योगी सरकार एएनटीएफ को करेगी और मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के युवाओं को नशे के आगोश में धकेलने वाले अवैध नशे के सौदागरों की अब खैर नहीं। योगी सरकार अवैध नशे के सौदागरों पर बड़ा एक्शन लेने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स (एएनटीएफ) को और मबजूत करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में एएनटीएफ में पुलिस कर्मियों को प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया है। इसके अलावा विभाग में नियतन के हिसाब से फोर्स भी कम है। ऐसे में योगी सरकार ने एएनटीएफ को और मजबूत करने के लिए रेग्युलर पुलिस कर्मियों की तैनाती और नियतन के अनुसार फोर्स उपब्लध कराने का निर्णय लिया है। इससे जहां एएनटीएफ को मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आएगी।

एएनटीएफ यूनिट पर 18 और थानों पर 28 पदों पर तैनाती का है नियतन

एएनटीएफ आईजी अब्दुल हमीद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध नशे पर नकेल कसने और ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए वर्ष 2022 में एएनटीएफ का गठन किया था। इस दौरान 6 थाने और 8 यूनिट का गठन किया गया। इन थानों में 28 पुलिसकर्मियों की तैनाती का नियतन रखा गया। इसमें एक निरीक्षक, 4 उपनिरीक्षक, 3 कंप्यूटर ऑपरेटर, 3 मुख्य आरक्षी, 12 आरक्षी, 2 आरक्षी चालक और 3 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। इसी तरह यूनिट में 18 पुलिस अधिकारियों समेत कर्मचारियों की तैनाती का नियतन रखा गया। इसमें एक पुलिस उपाधीक्षक, 1 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक, 1 कंप्यूटर ऑपरेटर, 2 मुख्य आरक्षी, 8 आरक्षी, 2 आरक्षी चालक, 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में उच्च अधिकारियों के साथ एएनटीएफ की समीक्षा बैठक की थी।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि वर्तमान में एएनटीएफ में फोर्स को प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया है। वहीं मानक के अनुरूप फोर्स भी नहीं है। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उच्च अधिकारियों को एएनटीएफ में सभी पुलिसकर्मियों को रेग्युलर तैनाती के निर्देश दिये। साथ ही नियतन के अनुसार जल्द से जल्द फोर्स तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए विभाग का गठन किया गया। ऐसे में उन्हे ड्रग माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए फोर्स के साथ आधुनिक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं जाएं।

आईजी ने बताया कि एएनटीएफ में पुलिस अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की नियुक्ति का नियतन 386 है। इसमें राजपत्रित अधिकारी 15, मुख्यालय पर 59, 6 थानों पर 168, 8 यूनिट पर 144 पदों पर तैनाती का नियतन है।

वर्तमान में विभाग में 236 पदों पर तैनाती की गयी है जबकि 150 पद खाली हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद जल्द सभी खाली पदों पर तैनाती की जाएगी।

किसानों से हुई बाजरा खरीद, 421.39 करोड़ हुआ भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार का अन्नदाता किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर विशेष जोर है। योगी सरकार एक तरफ न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बिक्री के लिए 4645 क्रय केंद्र स्थापित कर सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है तो वहीं दूसरी ओर डीबीटी के माध्यम से किसानों को सीधे अकाउंट में पैसे भी भेज रही है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो 3.15 लाख से अधिक किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इसके एवज में किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान भी किया जा चुका है। यही नहीं, बाजरा बिक्री करने वाले 35 हजार से अधिक किसानों को 421.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में 'श्रीअन्न' की खरीद

पहली अक्टूबर से हो रही है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश व पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद हो रही है। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धान की बिक्री, किसानों को भुगतान, क्रय केंद्र की व्यवस्था आदि को लेकर निरंतर समीक्षा बैठक कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को समय से भुगतान करने का निर्देश दिया है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक 3.15 लाख किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इस एवज में यूपी के किसानों को 4541.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अब तक 4645 क्रय केंद्र भी स्थापित हो चुके हैं। वहीं 'श्रीअन्न' की बात करें तो बाजरा किसानों को 421.39 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है, पिछले वर्ष इस अवधि तक 187.98 करोड़ रुपये भुगतान हुआ था। सीएम योगी

पिछले सत्र से अधिक किसानों ने कराया पंजीकरण

योगी सरकार साल दर साल अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 13 दिसंबर तक 6.70 लाख किसानों ने धान बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 2025-26 में अब तक यह आंकड़ा 7.83 लाख से अधिक है। बाजरा बिक्री के लिए पिछले वर्ष इस अवधि तक 21630 किसानों का पंजीकरण हुआ था, जो इस वर्ष में 80 हजार से अधिक हो गया है। वहीं ज्वार व मक्का में भी पंजीकरण बढ़ गया। ज्वार बिक्री के लिए पिछले साल 12 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया था, इस साल 16 हजार से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है। बाजरा खरीद 33 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है।

31 तक होगी 'श्रीअन्न' की खरीद

'श्रीअन्न' की खरीद पहली अक्टूबर से शुरू हुई थी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। श्रीअन्न के अंतर्गत बाजरा 33, मक्का 25 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 31 जनवरी व पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 फरवरी तक धान खरीद होगी। धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 व (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। ज्वार का न्यूनतम समर्थन मूल्य (मालदांडी) 3749, ज्वार (हाईब्रिड) 3699 रुपये प्रति कुंतल, बाजरा का 2775 व मक्का का 2400 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

17 जनपदों में उड़द खरीद के लिए खोले जा रहे 50 सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किसानों को बड़ी राहत

- भुगतान 3 दिन के भीतर सीधे खाते में : रजिस्ट्रेशन शुरु, जल्द एमएसपी पर की जाएगी खरीद

उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रदेश के 17 जिलों में उड़द खरीद के लिए नेफेड के द्वारा 50 सेंटर खोले जा रहे हैं। यहां किसान अपना उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,800 प्रति क्विंटल पर बेच सकेंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है और खरीद जल्द ही आरंभ की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसान को उपज बेचने के तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित हो जाए।

नेफेड की ओर से चलाई जा रही 'आत्मनिर्भर दाल योजना' के तहत किसानों से 29 जनवरी 2026 तक सीधी खरीद की व्यवस्था की गई है। इससे न सिर्फ उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा, बल्कि बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त होगी। नेफेड के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया को तेज, सरल और किसान-केन्द्रित तरीके से चलाया जा रहा है। जिससे प्रदेश का हर किसान इस योजना का हकदार बने। उड़द उत्पादन वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए ललितपुर, झांसी, महोबा, जालौन, हमीरपुर, बदायूं, बरेली, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रामपुर, संभल, बुलंदशहर, मुरादाबाद, सोनभद्र, सीतापुर, शाहजहांपुर में खरीद की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसान-हितैषी नीति के तहत पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी बनाते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि किसान को उपज बेचने के तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित हो जाए। सरकार का उद्देश्य है कि किसान को उसकी उपज की सही कीमत बिना देर और बिना परेशानी के मिले।

पंजीकरण अनिवार्य

- योजना का लाभ केवल पूर्व-पंजीकृत किसानों को दिया जाएगा। किसानी-Samridhi ऐप या निकटतम नेफेड केंद्र पर पंजीकरण करा सकते हैं।
- किसान हेल्पलाइन : 1800-210-1222
- धान खरीद (2025-26)
- योगी आदित्यनाथ सरकार का किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर जोर
- धान किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान
- धान खरीद सत्र में पंजीकृत हुए 7.83 लाख से अधिक किसान
- 3.15 लाख से अधिक किसानों से हुई 19.14 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद
- धान बिक्री के लिए पूरे प्रदेश में स्थापित किए जा चुके हैं 4645 धान क्रय केंद्र

देश का संविधान सभी को बराबरी का हक देता है: अखिलेश

डिजिटल डिवाइड को लेकर सपा ने बड़े पैमाने पर काम किया

- हैदराबाद में विजन इंडिया एआई समिट में अखिलेश ने किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को हैदराबाद में विजन इंडिया एआई समिट को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाना है तो डेमोग्राफिक डिविडेंड में आने वाली चुनौतियों पर विचार करना पड़ेगा।

स्टार्टअप का इको सिस्टम तैयार करना पड़ेगा। देश में सबसे बड़ी चुनौती गरीबी है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार कैसे मिले इसके लिए कार्यक्रम और नीतियां बनानी पड़ेगी। भारत में अभी भी गांव की आबादी 70 फीसदी है। गांव के लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कैसे जुड़े, तकनीक का लाभ उन तक कैसे पहुंचे, यह बड़ी चुनौती है। एआई से पुलिसिंग में सुधार कर सकते है। अपराध की जांच में मदद हो सकती है। साइबर क्राइम को डिटेक्ट कर सकते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि देश का संविधान सभी को बराबरी का हक देता है। इस दिशा में सरकारों को काम करना पड़ेगा। आज डाटा सेंटर की बात होती है। इस पर विचार करने की जरूरत है कि डाटा सेंटर कैसे बने। डाटा सेंटर के लिए इस तरह की नीति बनाएं जिससे सबका साथ और सबका विकास एक साथ हो सके। समाज में पढ़ाई को लेकर बहुत भेदभाव है, वह कैसे दूर हो। इस बात पर विचार करना पड़ेगा कि स्वास्थ्य क्षेत्र, कृषि क्षेत्र और तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किस तरह से हो, इस विषय पर भी काम होना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि डिजिटल डिवाइड को लेकर सपा ने बड़े पैमाने पर काम किया। सपा की सरकार के दौरान यूपी में छात्र-छात्राओं को लाखों की संख्या में लैपटॉप बांटा गया था। हम यूपी में एचसीएल को लेकर आए। उन्हें आधारभूत ढांचा दिया पॉलिसी से जोड़ा। अखिलेश यादव ने इस अवसर पर आए विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट का स्वागत करते हुए कहा कि यहां से जो भी सुझाव आएंगे उन्हें हम भविष्य में अपने कार्यक्रमों में शामिल करेंगे और उसके अनुसार कार्य करेंगे। अगर हम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को एआई जोड़ने में सफल हो गए तो बड़ा बदलाव आएगा। श्री यादव ने कहा कि हैदराबाद में सबसे पहले 108 एंबुलेंस शुरू हुई थी। हमने प्रोफेसर वेंकट को साथ लेकर यूपी में 108 एम्बुलेंस योजना की शुरूआत की। यूपी बड़ा स्टेट है। बड़ी आबादी का राज्य है। हमने यूपी में सबसे अच्छा 108 एंबुलेंस का ढांचा तैयार किया। उसके साथ-साथ पुलिस रिस्पांस सिस्टम डायल-100 तैयार कराया। प्रो वेंकट यूपी के अधिकारियों को न्यूयॉर्क लेकर गये। न्यूयार्क पुलिस की कार्य प्रणाली को देखकर उसके अनुसार यूपी डॉयल-100 का ढांचा तैयार किया गया। डेटा और तकनीक के साथ पुलिस का इतना बड़ा रिस्पांस सिस्टम कहीं नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य में एआई का ऐसा सिस्टम बनाना पड़ेगा जिससे उसका अच्छा यूज हो। मिसयूज न हो। यह बड़ी चुनौती है। एआई कृषि क्षेत्र किसानों और खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान दे सकता है।

चार शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले की महेशगंज थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति के आरोप में चार शिक्षकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी वृजनंदन राय ने शनिवार को बताया कि थाना महेशगंज स्थित शांभवी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितामनपुर पटना की प्रबंधक कलावती पाण्डेय ने शुक्रवार को तहरीर दी कि विद्यालय के प्रधानाचार्य पद से 2021 में सेवानिवृत्त होने से पहले हरिश्चन्दर शुक्ला ने 2017 में प्रबंधक का फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित दस्तावेज के सहारे अपने बेटे शक्ति प्रकाश और अपनी परिचितों नंदनी देवी एवं खुशबू की सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति की थी। कलावती ने आरोप लगाया कि सेवानिवृत्ति के बाद शुक्ला ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपने बेटे को 2021 में विद्यालय का प्रधानाचार्य बना दिया। राय ने बताया कि पुलिस तहरीर के आधार पर पूर्व प्रधानाचार्य हरिश्चन्दर शुक्ला, शक्ति प्रकाश, नंदनी देवी एवं खुशबू के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047

आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इकोनोमिक ड्राइवर बनने की ओर

- उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से यहां 500 से अधिक स्टार्टअप लिख रहे सफलता की बड़ी कहानी
- आईआईटी कानपुर देश का इकलौता ऐसा इनक्यूबेटर सेंटर जो खुद एक मेंटर है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, देश के एक बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। इस दिशा में देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में शामिल आईआईटी कानपुर अपनी एक सशक्त भूमिका निभा रहा है। आईआईटी कानपुर अब केवल शिक्षा और रिसर्च तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह देश के आर्थिक भविष्य को दिशा देने वाला एक मजबूत स्टार्टअप हब बनकर उभर रहा है। यहां स्थित स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) में इस समय 521 स्टार्टअप अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के साथ देश-प्रदेश के इकनोमिक ड्राईवर के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना रहे हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश को नवाचार की नई राजधानी के रूप में स्थापित करने का काम कर रहे हैं।

आईआईटी कानपुर में औद्योगिक एवं प्रबंधन इंजीनियरिंग विभाग एवं डिज़ाइन प्रोग्राम और एसआईआईसी के इंचार्ज प्रोफेसर दीपू फिलिप का कहना है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार स्टार्टअप को लेकर बहुत कुछ कर रही है। आने वाले समय में यह प्रदेश स्टार्टअप का बड़ा केंद्र होगा।

आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इकोसिस्टम को उत्तर प्रदेश सरकार का सीधा और रणनीतिक सहयोग मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की स्टार्टअप फ्रेंडली नीतियों, आसान फंडिंग व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यहां इनोवेशन को तेज गति मिली है। सरकार और संस्थान की साझेदारी ने आईआईटी कानपुर को ऐसा प्लेटफॉर्म बना दिया है जहां आइडिया (विचार) सीधे इंडस्ट्री और बाजार से जुड़ रहा है।

खास बात यह है कि आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेंटर में मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन से जुड़े स्टार्टअप्स को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप यहां सेमीकंडक्टर, एआई, हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस प्रोडक्शन, ड्रोन, एग्री टेक, क्लीन एनर्जी, इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी) और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े आइडिया को बड़े बिजनेस का रूप दिया जा रहा है। कई स्टार्टअप आज हजारों करोड़ रुपये के बाजार को टारगेट कर रहे हैं और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आईआईटी कानपुर कैम्पस में स्थित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित स्टार्टअप द्वारा निर्मित ड्रोन का उपयोग ऑपरेशन सिन्दूर में किया गया था।

देश के किसी भी क्षेत्र के स्टार्टअप कर सकते है आवेदन

प्रोफेसर दीपू फिलिप बताते है कि आईआईटी कानपुर का इनक्यूबेटर किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। देश के किसी भी कोने से आने वाला स्टार्टअप यहां आवेदन कर सकता है। चयन पूरी तरह आइडिया की गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और बिजनेस संभावनाओं के आधार पर होता है। यही कारण है कि आईआईटी कानपुर का स्टार्टअप नेटवर्क आज राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान बना चुका है, लेकिन इसका सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिल रहा है।

खुद मेंटर की भूमिका निभाता है आईआईटी कानपुर

आईआईटी कानपुर आज देश का इकलौता ऐसा इनक्यूबेटर सेंटर है जो केवल स्टार्टअप को जगह और संसाधन ही नहीं देता, बल्कि खुद एक मेंटर की भूमिका निभाता है। प्रोफेसर दीपू फिलिप का कहना है कि यहां के स्टार्टअप को आगे बढाने के लिए एक फैकल्टी मेम्बर को मेंटर बनाया जाता है। स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, बिजनेस मॉडलिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केट एक्सेस और निवेशकों से जुड़ने तक का पूरा इकोसिस्टम उपलब्ध कराया जाता है। यही वजह है कि यहां के स्टार्टअप शुरुआती चरण में ही मजबूत आधार के साथ आगे बढ़ते हैं।

कोविड-19 के दौरान भी यहाँ के स्टार्टअप ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

सीएम योगी की नीतियों से महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगा अंकुश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मिशन शक्ति अभियान

योगी आदित्यनाथ सरकार ने महिला सुरक्षा को लेकर अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति के तहत त्वरित न्याय प्रणाली ने महिलाओं की सुरक्षा को नई ऊंचाई दी है। 2017 के बाद प्रदेश सरकार ने महिला सुरक्षा प्रतिक्रिया प्रणाली को लेकर कई अहम निर्णय लिए हैं। पुलिस द्वारा बेटियों और महिलाओं की शिकायतों का प्राथमिकताओं के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की एडीजी, पद्मजा चौहान का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर समय-समय पर अभियान चलाये जाते हैं। इसी का परिणाम है कि साढ़े आठ वर्षों में महिलाओं से सम्बंधित अपराधों में काफी कमी दर्ज की गई है। मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया जाता है । इस अभियान ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन प्रदान किया है। इस अभियान के प्रति महिलाओं को जागरूक कर एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से यह अभियान महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। इससे समावेशी एवं सशक्त समाज की स्थापना होगी। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही उन्हें कानूनी धाराओं और महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी जाती है, जिसमें शामिल है वीमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, अग्निशमन सेवा 101, आपातकालीन पुलिस सेवा 112 और 1076 शामिल है। यह अभियान 24 दिसंबर तक चलने वाला है।

मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत प्रदेश के कई जिलों में सक्रिय रूप से जागरूक अभियान चलाये जा रहे हैं। हेल्पलाइन सेवाओं, साइबर मॉनिटरिंग और डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों, ऑनलाइन उत्पीड़न और फर्जी प्रोफाइल के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीति के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक नया मॉडल स्थापित किया।

एक वर्षीय बच्ची को उठा ले गया भेड़िया

लखनऊ/बहराइच। बहराइच जिले की कैसरगंज तहसील अंतर्गत गोड़िहया नंबर चार गांव में एक भेड़िया घर में घुसकर मां के बगल में सो रही एक वर्षीय बच्ची को उठा लिया। ड्रोन कैमरे की मदद से वन विभाग की कई टीम व ग्रामीणों ने पूरी रात तलाश की, लेकिन कोहरे की वजह से अभी तक ना तो बच्ची का कुछ पता चला और ना ही भेड़िया नजर आया है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने बताया कि नदी किनारे स्थित गोड़िहया नंबर चार गांव में रामकुमार की पत्नी अपनी बच्ची आरवी (01) के साथ घर के बरामदे में सो रही थीं। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार व शनिवार की दरमियानी रात में भेड़िया बच्ची को उठाकर ले गया। डीएफओ ने बताया कि ड्रोन कैमरे लगाकर रात से तलाश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कोहरा अधिक होने के कारण ना तो बच्ची ना ही भेड़िए का कुछ पता लग सका है। सुबह कोहरा छंटने के बाद कुछ और टीम लगाकर तलाश में तेजी लाई गई है। डीएफओ ने कहा, "नदी के किनारे व गन्ने के खेतों में हमारी कई टीम तलाश में जुटी हैं। टीम में प्रशिक्षित शूटर्स भी हैं। शीघ्र ही बच्ची को बचा लिया जाएगा और आवश्यकता पड़ी तो भेड़िये को गोली मार दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस गांव में पहले कभी भेड़िया के आने की सूचना नहीं मिली थी। डीएफओ ने कहा कि गांव से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित मल्लहनपुरवा गांव में बीती सात दिसंबर को भेड़िया ने चार माह के बच्चे को उठा लिया था। उन्होंने बताया कि बच्चे के कपड़े व सिर के अवशेष गन्ने के एक खेत में पाए गए थे। डीएफओ के मुताबिक, आठ किलोमीटर दूर मल्लहनपुरवा में 29 नवंबर से सात दिसम्बर तक भेड़िए के तीन हमले हो चुके हैं।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूच्य हो कि मैंने अपने पुत्र का नाम OJAS SHARMA से बदलकर SHRIJAY NARAYAN SHARRMA रख लिया है। अतः अब से मेरे पुत्र का नाम SHRIJAY NARAYAN SHARRMA ही पढ़ा व समझा जाए।
संदीप शर्मा पुत्र देव दत्त शर्मा निवासी-म.नं.-5/333 डब्लू आई.टी.आई मार्ग, इंडस्ट्रियल एरिया, जिला-अलीगढ़

रोपवे स्टेशन का काम इस साल के अंत तक पूरा करने के निर्देश

वाराणसी। वाराणसी में रोपवे स्टेशन का निर्माण कार्य 31 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्णा बोरा ने शनिवार को यह जानकारी दी। बोरा ने बताया कि वाराणसी स्टेशन से गोदौलिया तक बनाए जाने वाले रोपवे की कुल लंबाई 3.8 किलोमीटर होगी। उन्होंने बताया कि रोपवे के लिए कुल पांच स्टेशन और 29 टावर बनाए गए हैं। इस रोपवे परियोजना की कुल लागत 815.58 करोड़ रुपये है, जिसमें 25 साल का परिचालन और रखरखाव शामिल है। बोरा ने कहा कि रोपवे स्टेशन का निर्माण कार्य 31 दिसंबर से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रोपवे परियोजना काशी के लिए ना केवल शहरी यातायात का एक अत्याधुनिक साधन होगी बल्कि पर्यटन, रोजगार एवं आर्थिक विकास का नया द्वार भी खोलेगी।

मनरेगा: रिकॉर्ड 48 लाख से अधिक परिवारों को मिला रोजगार

मनरेगा के जरिए मजबूत हुआ ग्रामीण रोजगार, योगी सरकार में बन रहे रिकॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रोजगार सृजन को लेकर सकारात्मक और ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 48 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इनमें 31 प्रतिशत से अधिक परिवार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं, जो सामाजिक समावेशन और समान अवसर की दिशा में योगी सरकार के प्रयासों और प्राथमिकता को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के तहत 97 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों को समय पर भुगतान किया जा चुका है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भरोसा बढ़ा है और श्रमिकों को उनकी मेहनत का पूरा और पारदर्शी लाभ मिल रहा है। योगी सरकार ने 6703 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की है, जिससे गांवों में आय के नए स्रोत तैयार हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में रोजगार सृजन का बेहतर माहौल बन रहा है। मनरेगा के जरिए गांवों में विकास कार्यों को गति मिल रही है और लाखों परिवार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यह मॉडल उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहा।

अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को मनरेगा में विशेष प्राथमिकता

योगी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को रोजगार के साथ सम्मान भी मिले। इसी सोच के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि पलायन पर भी प्रभावी रोक लगी है।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025

बीजेपी झंडा लगी फॉर्च्यूनर ने कोर्ट मुंशी को रौंद डाला, मौत

❖ सुबह चाय पीने निकले थे मुंशी, चालक फॉर्च्यूनर छोड़कर फरार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विभूतिखंड इलाके में घर से कुछ दूर सड़क पर चाय पीने निकले न्यायालय के मुंशी सुनील कुमार को फैजाबाद की तरफ से आ रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद फॉर्च्यूनर चालक वाहन को मुंशी के पेट पर गाड़ी चढ़ते हुए भागने की कोशिश की लेकिन लोगों के कुछ ही दूरी पर गाड़ी रोक ली। इसी बीच मौका पाकर चालक भाग निकाला। वहीं हादसे में मौके पर ही सुनील कुमार की मौत हो गयी। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं मौके से मिली गाड़ी में विधानसभा का पास और बीजेपी पार्टी का झंडा लगा हुआ था। पुलिस का कहना है कि मामले में छानबीन कर वाहन स्वामी के बारे में जानकारी की जा रही है। मूलरूप से सीतापुर के गंगापुरवा गांव के रहने वाले सुनील कुमार 32 हाईकोर्ट में मुंशी थे। जोकि विभूतिखंड इलाके में सुषमा अस्पताल के पास में ही पत्नी सरिता और दो बच्चे श्रवण व समर्थ के साथ किराये पर कमरा लेकर रहते थे। बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह करीब छह बजे वह सुषमा अस्पताल के पास सड़क के किनारे चाय पीने गये थे। तभी फैजाबाद की तरफ से तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे चाय पी रहे सुनील को टक्कर मार दी। जिससे वह कुछ दूर जा गिरी। इसी बीच चालक वाहन लेकर भागा और आगे गिरे सुनील पर गाड़ी चढ़ा दी। इसी बीच लोगों ने फॉर्च्यूनर को कुछ दूरी पर रोका कि तभी चालक मौके से भाग खड़ा हुआ। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस सुनील कुमार को पास के अस्पताल में ले गयी। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों को प्रकरण की जानकारी दी गयी। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मेटा के अलर्ट पर महज 15 मिनट में बीएससी छात्र की बचायी गई जान

❖ इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर निकला था आत्महत्या करने

❖ डीजीपी मुख्यालय से निर्देश मिलते ही हरकत में आई इटावा पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

20 वर्षीय बीएससी छात्र ने, इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई गई थी, जिसमें युवक ने अपनी फोटो के साथ रस्सी लगाकर लिखा गया था, माफ करना आप सब लोग। मैसेज पोस्ट होते ही कुछ ही पल में मेटा कंपनी ने पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई-मेल के जरिए अलर्ट भेजा। ई-मेल में मिले नंबर पर डीजीपी मुख्यालय से इटावा पुलिस को जानकारी दी गयी। जिसके कुछ ही पल में इटावा की जसवंतनगर पुलिस ने युवक को ढूढ़ निकाला। उसके हाथ में रस्सी थी और वह जंगल की ओर जाता देखा गया था। फिलहाल पुलिस ने उसे समझाया और फिर परिजनों को बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया। मेटा के अलर्ट पर महज 15 मिनट में इटावा के जसवंतनगर में बीएससी छात्र की जान बचायी जा सकी। जसवंतनगर थानाध्यक्ष कमल भाटी ने बताया कि वह अपने सहकर्मियों के साथ मात्र 15 मिनट के भीतर युवक के निवास स्थान पर पहुँच गए थे। परिजनों से जानकारी प्राप्त करने पर ज्ञात हुआ कि युवक घर से बाहर निकला हुआ है। तलाश के दौरान युवक को जंगल की ओर जाते हुए देखा गया, जिसके हाथ में रस्सी थी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस कर्मियों ने तुरंत उसे रोककर सुरक्षित किया और उससे बातचीत की। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि अपनी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो जाने के कारण वह अत्यधिक उदास एवं मानसिक अवसाद में था तथा भावावेश में आकर आत्महत्या के उद्देश्य से जंगल की ओर जा रहा था। वहीं स्थानीय पुलिस द्वारा समय रहते पहुँचकर न केवल युवक को आत्मघाती कदम उठाने से रोका गया।

अब तक बचायी 1720 लोगों की जान

यूपी पुलिस एवं मेटा कंपनी के मध्य 2022 से प्रचलित व्यवस्था के अंतर्गत यदि कोई भी व्यक्ति फेसबुक अथवा इंस्टाग्राम पर आत्महत्या किए जाने से सम्बंधित पोस्ट करता है तो ऐसी पोस्ट के सम्बंध में मेटा कम्पनी द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस को ई-मेल एवं फोन के माध्यम से अलर्ट भेजकर सूचित किया जाता है। वही एक जनवरी 2023 से 10 दिसंबर 2025 के मध्य आत्महत्या संबंधी पोस्ट पर प्राप्त अलर्ट का संज्ञान लेकर कुल 1720 व्यक्तियों के प्राणों की रक्षा उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध सिगरेट के व्यापार को खत्म करने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया

लखनऊ। भारत में अवैध सिगरेट का व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था और जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए फिलिप मॉरिस इंडिया ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड (पीएम इंडिया) ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई और नीतियों की मदद से अपनी कोशिशें तेज की हैं। संगठन ने खुफिया जानकारी की मदद से पता लगाया कि प्रतिबंधित सिगरेट का कारोबार कहाँ से चलता है तथा यह कितना फैला हुआ है। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के आँकड़ों के मुताबिक अवैध सिगरेट की खपत के मामले में भारत विश्व में चीन, ब्राजील और पाकिस्तान के बाद चौथे स्थान पर आता है। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटैलिजेंस के डेटा में सामने आया है कि इसमें से एक तिहाई जब्ती उत्तर-पूर्व के क्षेत्र से हुई है, जो अपनी खुली सीमाओं के कारण तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र है। फिलिप मॉरिस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, नवनील कर ने कहा, न तो सिगरेट का अवैध व्यापार नया है, और न ही इसे खत्म करने की हमारी प्रतिबद्धता। भारत में हम कानूनों को मजबूती से लागू करने, ग्राहकों की रक्षा करने और राष्ट्र के उद्देश्यों में सहयोग करने के लिए स्थानीय साझेदारियों के साथ अपनी वैश्विक विशेषज्ञता पेश करते हैं।

रूपए मांगने पर महिला दुकानदार को पीटा

लखनऊ। आशियाना क्षेत्र के शारदानगर योजना रुचिखंड-प्रथम में एक कॉस्मेटिक का दुकान चलाने वाली महिला दुकानदार को पड़ोस में ही रहने वाली महिला ग्राहक बन दुकान से सामान खरीदा और पैसे देने से इंकार कर दिया। जिस पर विवाद हो गया। महिला ग्राहक ने अपने लोगों को बुला दुकानदार की जमकर पिटाई कर दी। आशियाना के शारदानगर रुचिखंड-1 में रहने वाली शहरीन बानो पत्नी शाने आलम अपने मकान के सामने कॉस्टमेटिक की दुकान चलाती है। पीड़िता के अनुसार वह अपनी दुकान पर थी। इस बीच आशिया पत्नी रईश अहमद निवासी सालेहनगर उनकी दुकान पर आयी और एक लिपिस्टिक व एक फेश पाउडर खरीदा। जिसका पेमेंट 220 रुपए हुआ था। आरोप है कि मुस्कान ने आशिया को सामान देकर कीमत के 220 रुपए माँगा, इतने में आशिया ने पैसा देने से इंकार कर दिया और जोर-जोर से भद्दी-भद्दी गालियां देने लगी। जिसे सुन आशिया की लड़की, शालिया, नुरी, खुशी, फिजी, व मरियम की अम्मी नाजिमि बानो व सगीर अहमद सब दुकान पर आ गए और मिलकर लात-घूंसों व डंडों से पिटाई शुरू कर दी। जिससे उसके सिर व हाथ में गंभीर चोटे आ गई। पीड़िता की नामजद शिकायत पर आशियाना पुलिस मुकदमा दर्ज आरोपितों के खिलाफ कार्यवाही में जुटी है।

चाइल्ड पोर्नग्राफी वीडियो बिक्री मामले में मुकदमा दर्ज

लखनऊ। आलमबाग पुलिस ने तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो हैदराबाद की शिकायत पर चाइल्ड पोर्नग्राफी वीडियो बिक्री मामले में मुकदमा दर्ज किया है। आलमबाग कोतवाली कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक फूलचंद्र ने बताया कि साइबर अपराध पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के एसआई इंद्रपाल सिंह द्वारा जांच की गयी तो शिकायत में उल्लेखित व मोबाइल की कंपनी को पत्राचार किया गया तो उक्त मोबाइल के धारक हरिकेश मीना पुत्र चरनजीत मीना निवासी डीजल कालोनी आलमबाग लखनऊ अंकित पाया गया। जिन्हें पूछताछ के लिए थाना आलमबाग बुलाया गया, जहां उसने बताया कि वह अपने मोबाइल फोन पर संदिग्ध चैट और पैसे का लेन-देन कर रहा था। मोबाइल फोन की जांच में पाया गया कि उसमें चाइल्ड पोर्नग्राफी की वीडियो और फोटो हैं। प्रभारी साइबर क्राइम कार्यालय द्वारा अपने पत्र के माध्यम से जांच आख्या मूल पत्र तथा अन्य वर्क उपलब्ध कराया गया है। जिसके आधार पर मनराज मीना पुत्र हरिकेश मीना निवासी डीजल कालोनी आलमबाग के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई किया जा रहा है।

कबड्डी मुकाबलों से पहले यूपीकेएल का ग्रैंड ट्रॉफी टूर

लखनऊ। यूपी कबड्डी लीग सीजन-2 की शुरूआत से पहले 11 दिसंबर 2025 से ग्रैंड ट्रॉफी टूर शुरू हो गया है, जिसे प्रदेश के खेल प्रेमियों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। टूर के दौरान यूपीकेएल की ट्रॉफी को उन शहरों में घुमाया जा रहा है, जो यूपीकेएल की टीमों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यूपीकेएल के फाउंडर संभव जैन ने बताया कि वाराणसी और मिजार्पुर टूर पूरा करने के बाद शनिवार को ट्रॉफी प्रयागराज पहुंच रही है। उसके बाद ट्रॉफी लखनऊ, कानपुर, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, नोएडा और गाजियाबाद पहुंचेगी। जिस शहर में ट्रॉफी पहुंचेगी, साथ में उस शहर की टीम भी मौजूद रहेगी। इस दौरान टीम के खिलाड़ी फैंस के साथ बातचीत करेंगे और यूपीकेएल से जुड़े अनुभव बांटेंगे। संभव जैन ने बताया कि 24 दिसंबर से यूपीकेएल सीजन-2 के सभी मैच नोएडा में खेले जाएंगे। इस बार कुल 12 टीमें मैदान पर होंगी, जिनमें लखनऊ लायंस, यमुना योद्धा, नोएडा निंजा, गजब गाजियाबाद, काशी किंग्स, अवध रामदूत, ब्रिज स्टार्स, संगम चैलेंजर्स, गंगा किंग्स (मिजार्पुर), अलीगढ़ टाइगर्स, कानपुर वॉरियर्स और पूर्वांचल पैंथर्स शामिल हैं।

गुडम्बा में बाप-बेटे ज्वैलर्स ने लाखों की ज्वेलरी व नगदी हड़पी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ गहने मांगने पर दी थी जान से मारने की धमकी

गुडम्बा थाना क्षेत्र के मिश्रपुर डिपो इलाके में संचालित राहुल ज्वैलर्स पर शनिवार को बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। दुकान संचालक राहुल सोनी और उनके पिता गिरीश चन्द्र सोनी पर आरोप है कि उन्होंने सोने-चांदी के गहने रेहन रखने और नए आभूषण बनवाने के नाम पर क्षेत्र के 18 से अधिक लोगों से लाखों रुपये मूल्य के गहने और नकदी जमा कराई और दीपावली के बाद दुकान बंद कर फरार हो गए।

पीड़ितों ने गुडम्बा में लिखित तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है।

पीड़ितों के अनुसार आरोपी पिता-पुत्र ने मीठी बातों और भरोसा दिलाकर लोगों की वर्षों की जमा पूंजी गहनों और नगद के रूप में ले ली। प्रत्येक लेन-देन की रसीद और दुकान का बिल भी दिया गया, जिससे लोगों को ठगी का अंदेशा नहीं हुआ। बाद में जब लंबे समय तक न तो गहने लौटाए गए और न ही संपर्क संभव हुआ, तब लोगों को धोखाधड़ी का एहसास हुआ। तहरीर में सुधि उपाध्याय, खुशनूर, खुशी गौतम, वंदना गौतम, मंजू गौतम, गुलशन, ज्योती, सुनीता, संदीप, विनय यादव, निशान सिंह, रुकड्या, रेनू गौतम, तबस्सुम, सोफीना, शीला गुप्ता, शुभ्र और आकाश रावत सहित कई पीड़ितों के नाम दर्ज हैं, जिनका दावा है कि कुल मिलाकर करीब 30 लाख रुपये मूल्य का सोना-चांदी की ज्वेलरी और नगदी हड़प ली गई है। आरोप है कि जब पीड़ितों ने किसी तरह गिरीश चन्द्र सोनी से संपर्क किया तो उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ितों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, गिरफ्तारी और उनका सामान बरामद कर वापस दिलाने की मांग की है।

कोचिंग जा रही छात्रा से छेड़छाड़

लखनऊ। ठाकुरगंज में कोचिंग से लौट रही छात्रा से मनचलों ने रास्ता रोक कर छेड़छाड़ की। पीड़िता का कहना है कि उसे कई दिनों से परेशान किया जा रहा है। जिस पर उसने अपने परिजनों को बताया और फिर परिजन थाना पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है। मामला शुक्रवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे का है। ठाकुरगंज के रिंग रोड चौकी क्षेत्र में रहने वाली छात्रा का आरोप है कि वह कोचिंग पढ़ने जाती है तो रास्ते में कनक सिटी के रहने वाले अंकित यादव व शुभम अपने साथियों के साथ छेड़छाड़ करते है। विरोध करने पर अश लील कमेंट कर प्रताड़ित करते है। शुक्रवार को भी जब वह कोचिंग जा रही थी।

किराए को लेकर हुए विवाद में यात्री को सिर पर मारी रॉड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हुआ आटो चालक

आलमबाग कोतवाली इलाके में बीते तीन दिन पूर्व एक ऑटो चालक ने किराया कम कराने को लेकर कहासुनी पर आटो से लोहे की राड निकाल सवारी के सिर पर प्रहार कर चोटिल कर दिया। जिसके बाद वहां हंगामा खड़ा हो गया। इसी बीच दबंग जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पुलिस ने तहरीर मिलने पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से जनपद गोंडा के रहने वाले देवेन्द्र कुमार पुत्र गया प्रसाद के अनुसार वह बीते 10 दिसंबर की रात्रि करीब 11.30 बजे आलमबाग स्थित एक निजी होटल से बाहर निकल कर अपने छोटे भाई को छोडने जा रहे था। आरोप है कि उस दौरान होटल के बाहर खड़े आटो चालक ने किराये के उससे 50 रुपए मांगे। जिस पर उसने 30 रुपए किराया पड़ने की बात कही। जिस पर आक्रोशित हो आटो चालक उसके साथ गाली-गलौज करते हुए अपनी ऑटो से लोहे की राड निकाल उसके सिर पर वार कर लहूलुहान कर दिया। जिस पर वहां हंगामा शुरू हो गया। इसी बीच दबंग जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग खड़े हुए।

गाड़ी हटाने को लेकर विवाद, युवक पर हमला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गुडम्बा थाना क्षेत्र के आदिल नगर इलाके में शुक्रवार को गाड़ी हटाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित संदीप वर्मा ने थाना गुडम्बा में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार संदीप वर्मा पुत्र राधिका प्रसाद वर्मा, निवासी ग्राम आमा पोस्ट चैकलिया थाना पैकुलिया जनपद बस्ती, वर्तमान में मटियारी चिनहट में किराये पर रहते हैं। वह अपने मित्र के घर आदिल नगर आए थे, जहां उनके मित्र के मकान मालिक जटाशंकर और उनके पुत्र दीपक वर्मा ने गाड़ी हटाने की बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया, जिससे संदीप वर्मा के हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, वहीं उनका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया। पीड़ित ने पुलिस से मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बंद मकान से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

सरोजनीनगर। बिजनौर इलाके में बीती रात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये कीमत के गहने और हजारों की नगदी चोरी कर ली। जानकारी होने के बाद शनिवार को पीड़ित महिला ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस घटनास्थल की छानबीन करने के साथ पीड़िता की तहरीर पर सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगा रही है।बिजनौर के रहीमाबाद निवासी स्व. रमेश चंद की पत्नी जानकी के मुताबिक उसका बेटा अमित दिल्ली में रहकर नौकरी करता है। जानकी का कहना है कि शुक्रवार को वह घर में ताला बंद कर अपनी बीमार मां को देखने उन्नाव स्थित मायके गई थी। शनिवार सुबह पीड़िता के बगल में रहने वाली उसकी देवरानी अंजू ने जानकी के घर के ताले टूटे

माल में सेंध लगाकर दो मकानों में चोरी

❖ लाखों कीमती सोने-चांदी की ज्वेलरी व नगदी चोरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माल थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने दो अलग-अलग जगहों पर लाखों के सोने-चांदी के जेवर और नगदी लेकर फरार हो गये। घर मालिकों को सुबह चोरी होने पर जानकारी हुयी। तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

थाना क्षेत्र में चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जो पुलिस की कार्यशैलीऔर गश्त दोनों की पोलखोलता नजर आ रहा है। गुरुवार रात इलाके की अटारी पंचायत निवासी लल्लू यादव घर में खाना खाने के बाद सभी लोग बरामदे में सोने लगे थे। इस बीच अज्ञात चोरों ने घर के पीछे की पक्की दीवाल में सेंध लगाकर घर में प्रवेश किया और कमरे में रखे बक्सों में से पायल, बिछिया, कानों के बाला, टप, अंगूठी सहित लगभग एक लाख से अधिक के सोने चांदी के जेवर और 35 हजार की नगदी समेट कर फरार हो गये। वहीं चोरों ने पड़ोस के निवासी रामदुलारे के घर के पीछे की पक्की दीवाल में सेंध लगाने का प्रयास भी किया लेकिन किसी कारण वस असफल रहे। वहीं दूसरी ओर माल कस्बा निवासी विनोद के घर में अज्ञात चोर ने प्रवेश कर लगभग दो लाख के चांदी सोने के जेवर और 40 हजार की नकदी चोरी कर भाग निकले और गृह स्वामी को भनक तक नहीं लगी। सबेरे जागने पर चोरी होने की जानकारी मिली। विनोद के घर के बगल में किसी की बाउंड्री बनी पड़ी है। अज्ञात चोरों ने बाउंड्री पर चढ़ने के बाद पड़ोसी की छत पर पैर रख कर उसकी छत पर गये। उसके बाद विनोद की छत से जीने के रास्ते घर के अंदर पहुंचे और पड़ोस में रखे बक्से से लगभग एक किलो सोने चांदी के जेवर समेट कर भाग निकले। विनोद ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने थाने आकर प्रार्थनापत्र देने को कहा। विनोद ने थाने पर तहरीर देकर न्याय की मांग की है।

विवाद में फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

❖ तमंचा और कारतूस बरामद, स्कूटी भी सीज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गुडम्बा क्षेत्र में शुक्रवार की रात कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब आरोपियों ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध असलहे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पीड़ित की तहरीर पर शनिवार को मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

गुडम्बा इंस्पेक्टर ने बताया कि एक निजी अस्पताल के बाहर कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद के दौरान फायरिंग की आवाज सुनाई दी। बाहर निकलने पर अभियुक्तों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान उपनिरीक्षक जिलाजीत यादव पुलिस टीम के साथ आरोपियों की तलाश में जुटे थे। शनिवार को दोपहर लगभग 2:15 बजे कुकरेल जंगल की ओर से कंचना विहारी मार्ग पर आने वाले रास्ते से अभियुक्त मोनू सिंह पुत्र राजेश सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा बरामद हुआ। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी पुलिस ने बरामद कर ली है। प्रभारी निरीक्षक प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 की बढ़ोत्तरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान बवाल के बाद जमकर मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ असलहा लहराकर फैलाया दहशत, मचा हड़कंप

दुबग्गा क्षेत्र के मौरा नाले पर आयोजित बजरंग आस्था क्रिकेट टूनार्मेंट के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मैदान पर खेल के बीच दो टीमों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बरावन कला (चैम्पियन एलेवन) और सैथा क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दौरान हुई कहासुनी के बाद जमकर हाथापाई और मारपीट हुई। आरोप है कि हमलावर युवक असलहा लहराते हुए मौके से फरार हो गए। बरावन कलां निवासी शिवम साहू की शिकायत के अनुसार मैच के दौरान किसी बात को लेकर खिलाड़ियों में बहस शुरू हो गई। इसी बीच दर्शक के रूप में मौजूद मौरा गांव निवासी हिमांशू यादव शराब के नशे में बीच-बचाव करने लगा। शिवम द्वारा नशे की हालत में बात करने से मना करने पर उसके साथ मौजूद उमराव खेड़ा निवासी रोहित यादव ने फोन कर विशाल यादव सहित अन्य युवकों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि कुछ ही देर में पहुंचे युवकों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और देखते ही देखते हाथापाई पर उतर आए। इस दौरान कुछ लोगों ने शिवम के हाथ पकड़ लिए, जबकि रोहित और विशाल ने उसके पीठ पर क्रिकेट बल्ले से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए शिवम के छोटे भाई कार्तिक के साथ भी मारपीट की गई। हमलावर शिवम का क्रिकेट बल्ला लेकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित का आरोप है कि घटना के कुछ समय बाद चार बाइकों से सवार होकर करीब आठ युवक दोबारा मैदान में पहुंचे और दूर से देशी रिवॉल्वर लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। असलहा लहराते देख मैदान में मौजूद खिलाड़ी और दर्शक दहशत में आ गए और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रोहित यादव, विशाल यादव समेत अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

डेटिंग ऐप्स का गंदा खेलः ब्लैकमेलिंग, सेक्सटॉर्शन और हत्या का कॉकटेल

कहीं मौत का कारण न बन जाए डेटिंग एप पर दोस्ती

अमित त्रिवेदी। लखनऊ

डिजिटल दुनिया में डेटिंग ऐप्स अब सिर्फ रोमांस का माध्यम नहीं रहे, बल्कि यह एक खतरनाक अपराध का जरिया बन चुके हैं।

ब्लैकमेलिंग, सेक्सटॉर्शन और हत्या के कई सनसनीखेज मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में लोग इन ऐप्स के जाल में फंसकर लाखों रुपए गंवा रहे हैं और कुछ ने अपनी जान तक दे दी है। सिर्फ लखनऊ में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में डेटिंग ऐप्स के जरिए एक गुप्त और संगठित ब्लैकमेलिंग-ठगी-सेक्सटॉर्शन नेटवर्क सक्रिय है, जिसका व्यापार करोड़ों रुपए का है।

ब्लैकमेलिंग का भयावह स्वरूप

इन घटनाओं में अपराधी आमतौर पर सेक्सटॉर्शन का उपयोग करते हैं। पीड़ितों की प्रोफाइल और बातचीत को हथियार बनाकर उनका मानसिक और आर्थिक शोषण किया जाता है। कई मामलों में डर और सामाजिक प्रतिष्ठा के खतरे के कारण पीड़ित चुप रहते हैं, जिससे अपराध और बढ़ता है। ग्राइंडर, पोलो और कई छोटे डेटिंग ऐप्स का उपयोग ऐसे गिरोह करते हैं। ऑनलाइन चैटिंग शुरू होते ही युवक-युवतियां ऐसे जाल में फंस जाते हैं जहाँ सेक्सटॉर्शन, ब्लैकमेलिंग और हत्या तक के खतरे शामिल हैं। समाज और कानून के लिए चुनौती बनें हुये है यह ऐप... यह साफ है कि डेटिंग ऐप्स पर कड़ी निगरानी, डिजिटल जागरूकता और सख्त कानून की आवश्यकता है। युवा सुरक्षा और डिजिटल शोषण रोकने के लिए राज्य और केंद्र को तुरंत कदम उठाने होंगे।

110 से ज्यादा डेटिंग ऐप प्ले स्टोर पर

आजकल के ज्यादातर युवा खासकर कोविड-19 के बाद से इन डेटिंग ऐप पर लोग अपने पार्टनर ढूंढते हुए नजर आते हैं। यह ऐसे पार्टनर होते हैं जो एक दूसरे को कभी देखा भी नहीं होता है।

ज्यादा तर लोग अपनी अपनी पर्सनल जानकारियां एक दूसरे को शेयर करते हैं, बाद में यही धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग, ठगी और हत्या तक की घटनाएं सामने आती है। एक रिसर्च के मुताबिक देश में करीब 110 से ज्यादा डेटिंग ऐप आपको प्ले स्टोर में मिल जाएंगे। यह डेटिंग ऐप लगातार क्राइम को बढ़ा रहे हैं, और युवा पीढ़ी इनके झांसे में आकर इनका शिकार हो रही है। समय-समय पर कई ऐसी घटनाएं हमारे आंखों के सामने आती है, जो इन डेटिंग ऐप पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने की बात आती है। इस ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर कई युवक और युवतियों ने अपनी जान तक दे दी है।

कैसे बनाते हैं ये जाल.....

प्ले स्टोर पर हजारों डेटिंग ऐप्स उपलब्ध हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छोटे-बड़े ऐप्स के आकर्षक विज्ञापन दिखते हैं। जैसेः₹आप अकेले हैं? 5 रुपये में अपनी मनचाही बातचीत कीजिए₹। इस आकर्षण में फंसकर युवा लाखों रुपए गंवा देते हैं। कई मामलों में इसका अंत ब्लैकमेलिंग और आत्महत्या तक पहुँच जाता है। लखनऊ में सामने आए दर्दनाक मामले...सदर रेलवे लाइन हत्या (13 जनवरी 2024): इंदिरा नगर के 20 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सामने आया था। जांच में यह सामने आया कि यह घटना गे-डेटिंग ऐप ग्राइंडर पर हुई दोस्ती और ब्लैकमेलिंग का परिणाम थी। इसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल भी शामिल था। गाजीपुर थाना क्षेत्र का एक मामला सामने आया था, जहां युवक को इंदिरा नगर क्षेत्र अंतर्गत बंधक बनाकर लूट की गई थी। गे-डेटिंग ऐप के जरिए दोस्ती कर लूट और ब्लैकमेलिंग की घटना सामने आई थी। हजरतगंज में भी एक मामला सामने आया था। जहां गे क्लब से जुड़े युवकों ने डेटिंग ऐप के जरिए दोस्ती कर, एक युवक को एक फ्लैट में बुलाया, अश्लील वीडियो बनाई और ब्लैकमेलिंग के जरिये परेशान कर रहे थे। ऐसे कई मामले हैं जो इनके जाल में फंसकर हत्या, ब्लैकमेलिंग तक पहुंचे हैं।

डेटिंग ऐप से जुड़े या किसी भी प्रकार के साइबर अपराध के मामले जैसे ही पुलिस के संज्ञान में आते हैं, उन्हें तत्काल दर्ज किया जाता है। डेटिंग ऐप, ऑनलाइन ठगी या किसी भी साइबर अपराध से संबंधित शिकायतें साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर भी दर्ज कराई जा सकती हैं।

कमलेश कुमार दीक्षित
डीसीपी क्राइम/महिला क्राइम

ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं शिकायत

पीजीआई थाना क्षेत्र के कल्ली पश्चिम स्थित डीसीपी दक्षिणी के कार्यालय पर नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के एक नए कॉल सेंटर का उद्घाटन हुआ है। यह कॉल सेंटर 24 घंटे प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की निगरानी में चल रहा है, इसमें आप ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। लगातार जागरूकता अभियान और कॉल सेंटर खोलने के बाद भी साइबर अपराधी और यह डेटिंग ऐप्स लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। वही कई सामाजिक कार्यकर्ताओं से बात करने पर उन्होंने बताया,की डेटिंग ऐप्स के इस काले व्यापार को रोकना केवल पुलिस का काम नहीं है, यह समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। नहीं तो, यह डेटिंग ऐप्स का जाल और अधिक लोगों की ज़िंदगियों को निगल जाएगा।

पुलिस सेवा केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है : आनंदीबेन पटेल

- राजभवन में 23 प्रशिक्षु आईपीएस और प्रशिक्षण निदेशालय के अफसर ने की भेंट
- राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षण काल के लिए दी शुभकामनाएँ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 23 प्रशिक्षु अधिकारी (यूपी कैडर) तथा पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय के पांच अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का एक व्यापक दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को सेवा में अनुशासन, संवेदनशीलता, ईमानदारी एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के प्रति विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अधिकारी अपनी तैनाती वाले जिलों में प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ। जिन अधिकारियों को साहित्य, कंप्यूटर, शिक्षा अथवा किसी अन्य क्षेत्र में विशेष दक्षता प्राप्त है, वे विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करें और अपने ज्ञान व अनुभव को समाज के हित में साझा करें। राजभवन के माध्यम से प्रदेशभर में एचपीवी वैक्सीन, टीबी मुक्त प्रदेश, नशा मुक्ति, महिला एवं बाल सुरक्षा, पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत संरक्षण, भिक्षावृत्ति से बच्चों को मुक्त कर शिक्षा से जोड़ने तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी तैनाती वाले जिलों में इन अभियानों से सक्रिय रूप से जुड़कर जनजागरूकता, संवाद एवं सहभागिता के माध्यम से इन्हें प्रभावी बनाएं। राज्यपाल ने अधिकारियों से जेलों, विद्यालयों एवं बाल गृहों का भ्रमण करने, वहां स्वच्छता, सुधार, पुनर्वास, शिक्षा एवं सहयोगात्मक गतिविधियों में योगदान देने को कहा। उन्होंने महिला सुरक्षा समितियों, पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों के लिए सहायता कार्यों तथा सामाजिक संवाद को सशक्त करने पर विशेष बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से ही सामाजिक परिवर्तन संभव है और अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों में नवाचार, संवाद एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सामाजिक अभियानों में राज्य विश्वविद्यालयों को भी जोड़े जाने की जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षा और प्रशासन के समन्वय से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके प्रशिक्षण काल के लिए शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने कार्य, आचरण एवं संवेदनशीलता से पुलिस सेवा की गरिमा को और अधिक सुदृढ़ करेंगे तथा राष्ट्र एवं समाज की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देंगे।

ग्रामीण स्वास्थ्य योजना हुआ शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रीजेंसी हॉस्पिटल, ने विधायक योगेश शुक्ला की उपस्थिति में ग्रामीण स्वास्थ्य योजना का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को मजबूत करना है। इस अवसर पर विधायक योगेश शुक्ला ने ग्रामीण स्वास्थ्य योजना कार्ड का अनावरण करके औपचारिक रूप से योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने ग्राम सरपंचों और सचिवों को शॉल भेंट करके सम्मानित किया और सामुदायिक कल्याण में उनके योगदान को सराहा। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में उनकी समर्पित सेवाओं के लिए रीजेंसी हॉस्पिटल द्वारा आशा कार्यकताओं को भी सम्मानित किया गया। रीजेंसी हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉक्टर, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. आकांक्षा, डॉ. रोहित और डॉ. अमर, इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए विधायक ने उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 मरीजों की जांच की गई और उन्हें चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण स्वास्थ्य योजना के तहत ग्रामीण आबादी को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए रीजेंसी हॉस्पिटल की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सचिवों ने साइकिल चलाकर सांकेतिक सत्याग्रह किया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन एवं ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रांतीय नेतृत्व व समन्वय समिति के निर्देश पर 10 दिसंबर 2025 से जनपद के सभी विकासखंडों में तैनात सचिवों ने साइकिल चलाकर सांकेतिक सत्याग्रह शुरू कर दिया है। सचिवों का यह विरोध मोटरसाइकिल के दौर में मात्र 100-200 रूपए साइकिल भत्ता दिए जाने के खिलाफ है।

सभी विकासखंडों के सचिव साइकिल से कार्यालय पहुंचे और यह संदेश दिया कि फील्ड में सरकारी योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए वे केवल साइकिल का ही उपयोग करेंगे। सचिवों का कहना है कि यह आंदोलन सरकारी योजनाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के साथ-साथ साइकिल भत्ते में बढ़ोतरी की मांग को लेकर है। ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष ललित कुमार गौतम ने कहा कि ग्राम पंचायत में कार्यरत आशा बहू और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शासन की ओर से सीयूजी नंबर उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि ग्राम पंचायत का नोडल अधिकारी होने के बावजूद सचिवों को आज तक न तो सीयूजी नंबर मिला और न ही सरकारी मोबाइल। इसके बावजूद उच्च अधिकारियों द्वारा पांच मिनट में विकासखंड कार्यालय और आधे घंटे में जिला मुख्यालय पहुंचने के निर्देश दिए जाते हैं। साथ ही अन्य विभागों के कार्य भी सचिवों पर थोपे जाते हैं, जिसका प्रांतीय नेतृत्व विरोध करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 15 दिसंबर को प्रदेश भर के सचिव अपने-अपने डिजिटल सिग्नेचर (डीएससी) एडीओ पंचायत को सौंप देंगे। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस घोषणा के बाद शासन ने संज्ञान लेते हुए निदेशक कार्यालय में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के पदाधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठक करने का निर्णय लिया है। साइकिल सत्याग्रह में नागेंद्र प्रताप कुशवाहा (जिला अध्यक्ष व प्रांतीय महामंत्री), ललित कुमार गौतम, सुरेंद्र सिंह, दीप कुमार, बाल किशोर, आशीष कुमार, दिव्य प्रताप, अनिल मौर्य, ओमवीर सिंह, अमित सिंह, दीपिका पांडेय, शशिपाल, राजेश सिंह, संजू सुप्रिया, संदीप अकरम, महेंद्र चेत्री, डीपी सिंह, शशांक शुक्ला, अनुज यादव, नरेंद्र श्रीवास्तव, अजय चौधरी, विनय कुमार, कायम सिंह, संजीत कुमार, अंकुर, सत्य प्रकाश, सुनील सिंह, अभिलाष कश्यप, सुधांशु सिंह, ललित कुमार, राकेश यादव, श्याम सुंदर, रामपाल निरंजन, नूर आलम सहित कई सचिव अपने-अपने निवास से साइकिल चलाकर विकासखंड कार्यालय और फील्ड कार्यस्थलों पर पहुंचकर विरोध दर्ज करा रहे हैं।

निजी प्लाटिंग कम्पनी ने खरीदी जमीन से ज्यादा की जमीन की रजिस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोहनलालगंज कोतवाली में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में सहायक पुलिस आयुक्त विकास कुमार पांडे ने प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी व नायाब तहसीलदार शव्या मिश्रा समेत राजस्वकर्मियो की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायते सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। पहली शिकायत रिषभ जैन निवासी ओम नगर आलमबाग ने करते हुये बताया उन्होने मोहनलालगंज के हरकंशगढी में स्थित अपनी जमीन गांटा संख्या-219 से 222 में 12000 वर्गफुट भूमि की अदला बदली की थी, जिसके बाद मेरे द्वारा प्लाट संख्या-42 में 2000वर्गफिट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट 23सितंबर को प्रदीप तिवारी को कर दिया। जिसके 18दिन बाद नेबरहुड्ज कोलोनाईजर्स द्वारा प्लाट सं-111का तितम्मा विलेख करके प्लाट सं-42 कर दिया गया। जबकि उक्त प्लाटिंग कम्पनी के पास गांटा सं-222 में कुल 19159वर्गफिट जमीन थी। जिसमें रोड व नाली भी निकाली गयी लेकिन उक्त कंपनी ने 24780वर्गफिट जमीन बेच दी। उक्त कंपनी खरीदी गयी जमीन से ज्यादा प्लाट बेचकर उसकी जमीन पर खरीददारों को कब्जा दे दिया। तितम्मा होने के बाद खरीददार ने उसकी जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया। जिसके बाद निर्माण रूकवाने के लिये जिलाधिकारी से लेकर तहसील व थाने तक चक्कर लगाये लेकिन निर्माण नही रूक सका। एसीपी विकास कुमार पांडे ने पीड़ित की शिकायत को गंभीरता से लेते हुये राजस्व व पुलिस टीम को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दियें।

कार्यालय ग्राम पंचायत खूंटी खुर्द विकास खण्ड पसगवां-खीरी।

पत्रांक-पंचम राज्य वित्त एवं पंद्रहवां वित्त आयोग निविदा/2025-2026 दिनांकः12/12/2025

कोटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खूंटी खुर्द विकास खण्ड पसगवां-खीरी कार्य योजना 2025-2026 में पंचम राज्य वित्त/ पंद्रहवां वित्त आयोग योजना अंतर्गत सामग्री आपूर्ति हेतु सीधा खड़ंजा, ईंट इत्यादि। टेंडर/निविदा हेतु सील बंद लिफाफे में दिनांक 15/12/ 2025 से 21/12/2025 सायं 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
दिनांक 21/12/2025 को सायं 04:00 बजे प्राप्त निविदा/कोटेशन खोली जाएगी। निविदा की दरें समस्त करों सहित कार्यस्थल पर पहुँचती हुई होनी चाहिये। निविदा/कोटेशन सूचना संबंधी निर्णय लेने का समस्त अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

कार्य का नाम-सामग्री

1- त्रिकोलिया गांव में प्राथमिक स्कूल से गंगा के मकान तक खड़ंजा निर्माण कार्य (अनुमानित लागत ₹184500/-लाख, लम्बाई- 100 मीटर)
सीधी खडंजा ईंट

आशाराम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खूंटी खुर्द
विकास खण्ड पसगवां-खीरी।

विवेक सिन्हा
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खूंटी खुर्द
विकास खण्ड पसगवां-खीरी।

स्कूल परिसर में लगे पेड़ों को प्रधान प्रतिनिधि और शिक्षक ने बेंचा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माल विकास खंड की शाहपुर गोडवा स्थित परिषदीय विद्यालय में लगे पॉपुलर के दर्जनभर से अधिक पेड़ों को प्रधान प्रतिनिधि और शिक्षकों ने मिलकर बेच दिया।

हजारों की कीमत के लगे कई दशक पुराने पेड़ों के काटे जाने के संबंध में जब खंड शिक्षा अधिकारी वंशीधर श्रीवास्तव से पूछा गया तो उन्होंने कहा बात हो गयी है और फोन काट दिया। बार -बार फोन मिलाने पर उठाना मुनासिब नहीं समझा फोन बंद कर दिया। जबकि गोडवा प्राथमिक विद्यालय में ढाई दशक पूर्व तत्कालीन ग्राम प्रधान और विकास खंड कार्यालय ने वृक्षारोपण अभियान के तहत लगवाया था। जिन्हें वर्तमान ग्राम प्रधान पूनम के बेटे राकेश और शिक्षक अबरार की नियुक्ति में बिना विकास खंड अधिकारी, वन विभाग द्वारा मूल्यांकन कराए ही चोरी चुपके से बेच दिया गया। जिसकी भनक तक नहीं लगने दी। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जब यह संवाद दाता गोडवा प्राथमिक विद्यालय पहुंचा तो दोपहर के ढाई बजे थे लेकिन विद्यालय में ताला लटक रहा था।

जब गांव के निवासी शिक्षामित्र के संबंध में जानकारी की गयी तो बताया गया कि शिक्षामित्र बी एलओ की ड्यूटी करता है। जो मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में घर घर जाकर कार्य कर रहा है और स्कूल नहीं आ रहा है।

टूरिस्ट वीजा पर आया नागरिक नदवा कॉलेज में रूका, एफआईआर दर्ज

- जांच के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल समेत कई लोगों पर मुकदमा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ के दारुल उलूम नदवातुल उलमा (नदवा कॉलेज) एक बार फिर जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया है। कॉलेज परिसर में नियमों की अनदेखी करते हुए एक विदेशी नागरिक को कई दिनों तक ठहराने के मामले में कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस और फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस की जांच में सामने आया है कि फिलीपींस का नागरिक मोहम्मद एरॉन सरिप गत 30 नवंबर को टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली से लखनऊ आया था और दो दिसंबर तक नदवा कॉलेज परिसर में रुका था। इस दौरान न तो उसकी मौजूदगी की सूचना पुलिस को दी गई और न ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया।

जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि टूरिस्ट वीजा पर भारत आए विदेशी नागरिक को धार्मिक प्रचार-प्रसार या इस तरह की गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति नहीं होती। इसके बावजूद विदेशी नागरिक को कॉलेज परिसर में ठहराया गया, जिसे वीजा शर्तों का उल्लंघन माना गया है। करीब सात दिनों तक चली जांच के बाद हसनगंज थाने में नदवा कॉलेज के प्रिंसिपल मौलाना अब्दुल अजीज नदवी, सब रजिस्टार डॉ हारून रसीद, वार्डन मोहम्मद कैसर नदवी महादुल अली हास्टल का वार्डन, मुख्य गेट नियुक्त सुरक्षाकर्मी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसीपी महानगर अंकित कुमार ने बताया कि जांच में स्पष्ट हुआ है कि बिना किसी सूचना के विदेशी नागरिक को रुकने की अनुमति दी गई, जो गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है। पुलिस का कहना है कि वीजा शर्तों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित विदेशी नागरिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ भविष्य में भारत आने पर प्रतिबंध तक का प्रावधान है। फिलहाल पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत खानपुर सुरौली विकास खण्ड हसनगंज उन्नाव।

पत्रांक मेमो / अल्पकालीन दिनांक : 12.12.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

राज्य वित/चौदहवों वित/पंद्रहवाँ वित्त/ केंद्रीय वित्त/ मनरेगा मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 के स्वीकृत कार्यों को कराने हेतु पंजीकृत फर्म/ सप्लायर से मोहर बन्द निविदा दिनोंक 23.09.2025 तक अपराहन 2:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में आपूर्तिकर्ताओ से आमन्त्रित की जानी है। प्राप्त निविदाए उसी दिन अपराह्न 3:00 बजे निर्माण कार्य समिति एवं उपस्थिति निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के सक्षम ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएंगी। निविदा एवं अन्य प्रपत्र दिनांक 14.12.2025 से दिनांक 28.12.2025 तक प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में निर्धारित मूल्य जमा करके प्राप्त किया जा सकते है। मोहर बंद निविदा मात्र बिक्री दिवसों एवं निर्धारित समय तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करा देना है। ग्राम पंचायत के कार्य समिति को यह अधिकार होगा कि बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को पूर्ण अथवा आंशिक रूप से स्वीकृति / निरस्त कर सकती है। शर्ते टेंडर बिक्री के समय प्राप्त करना होगा।

क. सं.	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	धरोहर धनराशि	कार्य अवधि	अनुमानित लागत लाख रूपये में
1.	आरसीसी रोड़ से प्यारे मास्टर के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	सीमेन्ट, मौरग, बालू, ईट गिट्टी, प्रथम ईट इण्टरलाकिंग ब्रिक	19400	30 दिन	9.70
2.	गिरजा शंकर के घर से नंदलाल के घर तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य	सीमेन्ट, मौरग, बालू, ईट गिट्टी, प्रथम ईट, इण्टरलाकिंग ब्रिक	2960	30 दिन	1.48

प्रधान
ग्राम पंचायत खानपुर सुरौली
वि०ख० हसनगंज जनपद उन्नाव

सचिव
ग्राम पंचायत खानपुर सुरौली
वि०ख० हसनगंज जनपद-उन्नाव

टेंडर हार्ट्स स्कूल जानकीपुरम एवं महानगर ब्रांच का वार्षिकोत्सव संगीत नाटक अकादमी में 'लाइट, कैमरा, बचपन' थीम पर सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टेंडर हार्ट्स स्कूल जानकीपुरम एवं महानगर ब्रांच, लखनऊ का वार्षिकोत्सव शनिवार को ''लाइट, कैमरा, बचपन'' थीम पर संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के भव्य प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा तथा सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को मंच प्रदान करना था। थीम आधारित सजावट और प्रकाश व्यवस्था ने पूरे वातावरण को मनमोहक बना दिया।

विद्यालय की निदेशिका श्रीमती रूपा खन्ना, श्रीमती रश्मिता खन्ना, निदेशक श्री हर्ष खन्ना, श्री ऋषि खन्ना, प्रधानाचार्या श्रीमती प्रिया नंदा उपस्थित रहीं। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह में उत्साह और भव्यता का संचार किया।वार्षिकोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्रों ने नृत्य तथा फिल्मी दृश्यावलियों के माध्यम से बचपन की मासूमियत, रंग और उमंग को मंच पर जीवंत कर दिया।

जनवरी में शुरू होगी उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए राज्य सरकार अगले महीने स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना की शुरुआत करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे। राज्य सरकार द्वारा शनिवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक प्रदेश में वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनवरी माह में उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना (यूपीसीएएमपी) की शुरुआत करेंगे। बयान के अनुसार इस परियोजना के शासी निकाय की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव करेंगे। जबकि प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव सदस्य के रूप में नामित होंगे। अधिकारियों के मुताबिक वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के उद्देश्य से प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार विश्व बैंक के सहयोग से यूपीसीएएमपी परियोजना का कार्यान्वयन कर रही है। इसी क्रम में हाल ही में यूपीसीएएमपी प्राधिकरण के शासी निकाय की दूसरी बैठक मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

होटल संचालक की मिलीभगत से शराब की हुई थी चोरी

- पुलिस ने घटना का खुलासा कर गैंग के आठ सदस्यों को पकड़ा
- शराब, नगदी और एक वाहन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृष्णानगर में पकरी पुल वीआईपी रोड़ पर स्थित कम्पोटिज अंग्रेजी शराब की दुकान का शटर तोड़कर 06-06 पेटियां अंग्रेजी शराब व नगदी चोरी करने वाले गैंग के आठ अभियुक्तों को पुलिस ने धर दबोचा है। जोकि होटल संचालक की मिलीभगत से शराब चोरी की घटना की गयी थी। पकड़े गए अभियुक्तों ने होटल के कर्मचारी भी पकड़े गए है।

कृष्णानगर के स्नेहनगर में रहने वाले राजीव कुमार श्रीवास्तव पुत्र चन्द्र मोहन श्रीवास्तव की पकरी पुल वीआईपी रोड़ पर स्थित कम्पोटिज अंग्रेजी शराब की दुकान है। जहां बेखौफ चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर 06-06 पेटियां अंग्रेजी शराब व नगदी चोरी कर ले गये थे। जिसके संबंध में गत दस दिसंबर को एफआईआर दर्ज करायी गयी थी। जिसके बाद घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित कर लगायी गयी थी। जिनके द्वारा लगभग 400 सीसीटीवी कैमरों, मैनुअल एवं टैक्निकल साक्ष्यो के आधार पर घटना का खुलासा कर लोकबंधु अस्पताल के पास से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने नाम आशीष यादव, शुभम तिवारी, ओमप्रकाश, अमर सिंह उर्फ समर, पिंटू, असरफ उर्फ मिथुन, शिवम कुमार वर्मा और विनय सिंह बताया। जिनके कब्जे से चोरी की दो पेटी अंग्रेजी शराब, 30,500 रूपए नगद एवं घटना में प्रयुक्त एक अदद महिन्द्रा आटो बरामद किया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों ने बताया कि उन लोगों ने मिलकर पकरी पुल वीआईपी रोड़ पर स्थित कम्पोटिज अंग्रेजी शराब की दुकान का शटर तोड़कर 06-06 पेटियां अंग्रेजी शराब व नगदी चोरी की थी। सभी लोग चोरी की शराब एसएस-होटल चारबाग में रखकर रात्रि के समय रेलवे व बस स्टेशन के पास चोरी छिपे मंहगे दामों पर बेचकर प्राप्त रुपयों को आपस में बांट लेते थे। जिनके पास से चोरी की शेष बची दो पेटी शराब व नगदी की बरामद हुई है।

सेल्सफोस व टीएएससी की एआई साझेदारी से स्टाफिंग सेक्टर में नई तेजी

दुनिया की नंबर-एक एआई सीआरएम कंपनी सेल्सफोर्स ने भारत और मिडिल.ईस्ट में रिक्रूटमेंटए स्टाफिंग और एचआर सॉल्यूशंस देने वाली मल्टीनेशनल फर्म टीएएससी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत टीएएससी अपने सेल्स और मार्केटिंग ऑपरेशंस को सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म पर एकीकृत कर रही हैए जिससे ऑटोनोमस एआई एजेंट्स के जरिए बिखरी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर राजस्व बढ़ाया जा सकेगा और ग्राहकों से मजबूत संबंध बनेंगे। यूएईए सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट व अफ्रीका में 500 से अधिक ग्राहकों और 8000 एसोसिएट्स के साथ टीएएससी ने एजेंटफोर्स सेल्सए एटीएस और ईआरपी के एकीकरण से एंड.टू.एंड सेल्स व ऑपरेशंस को मजबूत किया है।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) **Indian Bank** (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊः न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन)अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) की धारा 13(12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की सपठित नियम 3, 8 एवं 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऋणी को मांग सूचना पत्र से यहाँ विस्तृत रूप से नीचे दी गयी राशि 60 दिनों के भीतर लौटाने के लिए निर्गमित किया।
ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 एवं 9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय **इंडियन बैंक** के अधीन रहेगा।
उधारकर्ता / जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
यह सूचना इस अधिग्रहण के आयोजन के सम्बन्ध में कर्जदारों, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है। विवरण निम्नुसार हैः-

क्र. सं.	ऋणी / प्रोपराइटर / जमानतकर्ता / बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / कब्जा की तिथि / बकाया धनराशि
शाखाः हजरतगंज			
1.	1. **मेसर्स जी एस ऑटोमोबाइल्स (पार्टनरशिप फर्म)**, 1005, दुर्गापुरी, देवा रोड, बाराबंकी- 225001 2. **श्रीमती किरण जायसवाल पत्नी श्री गुप्तार नाथ जायसवाल (पार्टनर/ जमानतकर्ता)**, 1005, दुर्गा निवास, देवा रोड, आनंद भवन स्कूल के सामने, दुर्गा पुरी, नवाबगंज, बाराबंकी-225001 3. **श्रीमती वीना जायसवाल पत्नी श्री शरद कुमार जायसवाल (पार्टनर/ जमानतकर्ता)**, 1005, देवा रोड, दुर्गा पुरी, सिविल लाइंस, नवाबगंज, बाराबंकी-225001 4. **श्री गुप्तार नाथ जायसवाल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्रसाद जायसवाल (जमानतकर्ता / बंधककर्ता)**, सी / 1005, दुर्गापुरी, नवाबगंज, बाराबंकी-225001 5. **श्री शरद कुमार जायसवाल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्रसाद जायसवाल (जमानतकर्ता / बंधककर्ता)**, सी / 1005, दुर्गापुरी, नवाबगंज, बाराबंकी- 225001 6. **सुश्री साक्षी जायसवाल पुत्री श्री गुप्तार नाथ जायसवाल (जमानतकर्ता / बंधककर्ता)**, 1005, दुर्गा निवास, देवा रोड, आनंद भवन स्कूल के सामने, दुर्गा पुरी, नवाबगंज, बाराबंकी-225001	1. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड स्थित व्यावसायिक भूमि एवं भवन, मिन अराजी खसरा संख्या 445, ग्राम- बढेल, मोहल्ला- सिविल लाइंस, परगना एवं तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी, क्षेत्रफल 724.64 वर्ग मीटर, **मालिकः** श्री गुप्तार नाथ जायसवाल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्रसाद जायसवाल एवं श्री शरद कुमार जायसवाल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्रसाद जायसवाल CERSAI संपत्ति आईडी: 200016339119 **विलेख के अनुसार चौहद्दीः उत्तरः** लखनऊ-फैजाबाद रोड, **दक्षिणः** रफी मोहम्मद (विक्रेता) का प्लॉट, **पूर्वः** रफी मोहम्मद (विक्रेता) का प्लॉट, **पश्चिमः** रफी मोहम्मद (विक्रेता) का प्लॉट 2. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड स्थित आवासीय फ्लैट संख्या 201, द्वितीय मंजिल, ओमेक्स हाइट्स में कार्लटन टावर, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, सुपर एरिया 168.15 वर्ग मीटर एवं कवर्ड एरिया 139.03 वर्ग मीटर, **मालिकः** श्री शरद जायसवाल पुत्र श्री जी पी जायसवाल CERSAI संपत्ति आईडी: 200016026124 **विलेख के अनुसार चौहद्दीः उत्तरः** खुला आसमान, **दक्षिणः** गलियारा, **पूर्वः** खुला आसमान, **पश्चिमः** खुला आसमान 3. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड स्थित आवासीय फ्लैट संख्या 1001, पेट्रोनास टावर, 10वीं मंजिल, ओमेक्स हाइट्स, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, सुपर एरिया 168.15 वर्ग मीटर एवं कवर्ड एरिया 139.03 वर्ग मीटर, **मालिकः** श्री गुप्तार नाथ जायसवाल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्रसाद जायसवाल एवं सुश्री साक्षी जायसवाल पुत्री श्री गुप्तार नाथ जायसवाल CERSAI संपत्ति आईडी: 200011851596 **विलेख के अनुसार चौहद्दीः उत्तरः** खुला आसमान, **दक्षिणः** गलियारा, **पूर्वः** खुला आसमान, **पश्चिमः** खुला आसमान	08.10.2025 12.12.2025 रु. 3,66,47,145.33 दिनांक 08.10.2025 से सहमत दर पर ब्याज एवं उसपर लागत, अन्य शुल्क एवं अन्य खर्चे सहित

दिनांकः 14.12.2025 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुआ मंथन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत अनुपस्थित एवं शिफ्टेड तथा मृत्यु हुए मतदाताओं के संबंध में समीक्षा बैठक राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा गणना प्रपत्रों की वापसी, फीडिंग, मैपिंग और एएसडी श्रेणी में मार्क मतदाताओं की विधानसभावार जानकारी साझा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR-2026) का कार्य जनपद में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। जिसके तहत बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्र वितरित किए गए और 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य भी निरंतर किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग ने समय-सीमा बढ़ाते हुए नई तिथियां घोषित की हैं। मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 31 दिसम्बर 2025 दावे,आपत्तियों की अवधि 31 दिसम्बर 2025 से 30 जनवरी 2026, नोटिस, सुनवाई एवं निस्तारण 21 दिसम्बर 2025 से 21 फरवरी 2026 है। अन्तिम मतदाता सूची प्रकाशन 28 फरवरी 2026। जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि यदि कोई मतदाता गलती से चिन्हित हो गया हो, तो उसकी सूची साक्ष्यों सहित संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएं ताकि सही संशोधन किया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक बूथ क्षेत्र में घर-घर जाकर दोबारा विस्तृत सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि लगभग दो तिहाई मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है। एएसडी से संबंधित सूची सभी बूथों पर दस कॉपी उपलब्ध करा दी गई हैं, आप सभी वो सूची प्राप्त कर लें और अपने लोगों को लगाकर उस सूची का परीक्षण करा लें। अगर त्रुटिवश किसी पात्र मतदाता का नाम ए एस डी श्रेणी में मार्क हो गया है उसे ई आर ओ,ए ई आर ओ को सूचित कर रोल बैक कराएं।जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सबसे कम मैपिंग वाले बूथों के बारे में अवगत कराया और सभी दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग करने का अनुरोध किया।

डीएम-एसपी की अध्यक्षता में समाधान दिवस सम्पन्न

❖ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश

पायनियर संवाददाता। बलरामपुर

जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन व पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार की अध्यक्षता में थाना लालिया में थाना समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान डीएम एवं एसपी द्वारा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना गया एवं कतिपय शिकायतों का मौके पर ही समझौता कराया गया। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत-प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। डीएम ने कहा कि भूमि विवाद एवं लॉ एंड ऑर्डर के संवेदनशील मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर त्वरित कारवाही की जाए।

बच्चों ने अपनी कला के प्रदर्शन से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सनबीम स्कूल सारनाथ द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव ''उम्मीद झ 2025'' का आयोजन बेहद उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों, जिनमें कुछ तमिल शिक्षक भी शामिल थे के स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात अर्चित, राशी, आरव, रुद्र कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'यूनिवर्सल बीट्स' में रेयांश, ईशान, कार्तिक, अद्विका, सिद्धार्थ, सिद्धि आदि ने सात अंतराष्ट्रीय नृत्य शैलियों की सांस्कृतिक यात्रा की मोहक प्रस्तुति की। 'निसर्ग-द नेचर विदिन' में काश्वी, दक्षिता, आकाश, जागृति, अनन्य आदि ने मनुष्य और प्रकृति की एकात्मकता का नृत्य रूपांकन करके दर्शकों को मुग्ध कर दिया।स्कूल

प्रताप, भाविका आदि द्वारा विद्यालय के ऑर्केस्ट्रा 'सप्त सुर - ध्वनि' का शानदार प्रदर्शन किया गया।तेजस्वी प्रभाकर, निमिशा, अन्वी, पीहू, स्तुति, आर्यन, आयुष्मान आदि ने 'फ्लूट एवं बैगपाइप बैंड' की ऊर्जावान प्रस्तुति की। 'द विक्ट्री मार्च के अंतर्गत छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या तनुजा सिंह द्वारा विद्यालय की वार्षिक प्रगति एवं उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। सात्विक, श्रेयश, दिव्यांश, ग्रेशिका, आस्था, ऋषिकेश, आदित्य आदि ने उदघाटन नृत्य 'स्पिरिट ऑफ क्रिएशन' में तांडव के विभिन्न रूपों के माध्यम से सृजन और सामूहिक ऊर्जा को अभिव्यक्त किया।इसके बाद सनबीम शिक्षण समूह के बोर्ड सदस्यों द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक उदघाटन किया गया । तत्पश्चात सनबीम शिक्षण समूह की डायरेक्टर अमृता बर्मन के स्वागत संबोधन के उपरांत छात्रों द्वारा रंगारंग की नई वेबसाइट का अभिनव लोकार्पण किया गया तथा सनबीम सारनाथ की नई पहल 'वर्णिका' का परिचय दिया गया। ऑनरेरी डायरेक्ट हर्ष मधोक एवं असिस्टेंट डायरेक्टर प्रतिमा गुप्ता ने दर्शकों को संबोधित किया । समारोह के अंतिम चरण में सनबीम शिक्षण समूह के चेयरपर्सन डॉक्टर दीपक मधोक एवं वाइस चेयरपर्सन भारती मधोक ने सभी छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। अभिभावकों को उनके बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सनबीम स्कूल सारनाथ ने ''उम्मीद झ 2025'' के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट किया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि कला, अभिव्यक्ति, नवाचार और राष्ट्रीय गर्व को एक ही मंच पर विकसित करने का माध्यम है।

डॉक्टर मौर्य राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा विभूषण अवार्ड से नवाजे गए

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विभागाध्यक्ष एवं बीएचयू आई बैंक के चेयरमैन प्रोफेसर आरपी मौर्य को दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया कगुरुग्राम के पांच सितारा होटल 'हॉलिडे इन' में आयोजित पुरस्कार समारोह में पहला पुरस्कार ₹राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा विभूषण सम्मान₹ (जो की मिनिस्ट्री आफ कॉरपोरेट अफेयर्स द्वारा पंजीकृत नेशनल अवार्ड टाइटल है) पूर्व मंत्री जीवेश कुमार ने प्रदान किया क यह पुरस्कार डॉक्टर मौर्य को उनके द्वारा नेत्र कैंसर, चोट एवं आकुलोप्लास्टि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। दूसरा पुरस्कार 'इंडियन डॉक्टर्स प्राइड अवार्ड -2025' को, चिकित्सक माता पिता के पुत्र बॉलीवुड स्टार चंकी पांडे के हाथों से प्रदान किया गया क यह पुरस्कार डॉक्टर आर .पी मौर्य द्वारा पूर्वांचल में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के उन्मूलन हेतु नेत्रदान व नेत्र प्रत्यारोपण जैसे नेक कार्य के लिए दिया गया।

छात्राओं को दी गई सुरक्षा व हेल्पलाइन की जानकारी

पायनियर संवाददाता। उतरौला (बलरामपुर)

कोतवाली उतरौला के प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को ए.एम.जी. पब्लिक स्कूल, अक्सी बड़हरा कोट में छात्रा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा शासन द्वारा उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर मिशन शक्ति प्रभारी शालिनी सिंह, हेड कांस्टेबल अखिलेश कुमार, हेड कांस्टेबल मेवा लाल, महिला आरक्षी गीतू सिंह, आरक्षी अरुणेश पटेल, कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, कांस्टेबल अनुभव सिंह तथा कांस्टेबल शिवाकांत द्वारा छात्राओं को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

पुलिस टीम ने छात्राओं को 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा तथा 102 गर्भवती स्वास्थ्य सेवा के उपयोग और महत्व के बारे में बताया। छात्राओं को समझाया गया कि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में वे इन नंबरों पर तुरंत संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना और विधवा पेंशन योजना की भी जानकारी दी गई, ताकि छात्राएं अपने परिवार और समाज में इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचा सकें। पुलिस टीम ने छात्राओं को कानून के नियमों का पालन करने, सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने तथा आत्मरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। साथ ही थाना कोतवाली उतरौला में गठित मिशन शक्ति केंद्र और साइबर सेल के कार्यों के बारे में बताया गया, जिससे छात्राएं आवश्यकता पड़ने पर सीधे संपर्क कर सकें। जागरूकता कार्यक्रम में गुड टच-बैड टच विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। छात्राओं को बताया गया कि किस प्रकार वे सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान कर सकती हैं तथा किसी भी असहज स्थिति में तुरंत अपने अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को सूचना देनी चाहिए।

प्राथमिक विद्यालय देवलहा में छात्राओं को किया गया जागरूक

पायनियर संवाददाता। उतरौला

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय तथा क्षेत्राधिकारी राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना गैंडास बुजुर्ग के थाना अध्यक्ष राजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में *मिशन शक्ति अभियान* के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा प्राथमिक विद्यालय देवलहा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक रविंद्र कुमार एवं उनकी टीम के कांस्टेबल सतेंद्र कुमार तथा सुप्रिया सिंह द्वारा विद्यालय में उपस्थित सभी बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं को महिला अपराध, महिला हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न जैसी सामाजिक समस्याओं के बारे में समझाया गया तथा उनसे बचाव के उपाय बताए गए। इस अवसर पर छात्राओं को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक किया गया। टीम द्वारा बताया गया कि डळढ शेयरिंग, लकी ड्रा फ्रॉड कॉल, स्मार्ट एडिटिंग वीडियो कॉल, बैंकिंग फ्रॉड, पेंशन धोखाधड़ी जैसे अपराधों से किस प्रकार सतर्क रहकर स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है। पुलिस टीम ने स्पष्ट किया कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या संदेश पर प्रतिक्रिया देने से पहले सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विभिन्न आपातकालीन एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 102/108 (एम्बुलेंस सेवा), 181 (महिला सहायता), 1930/155260 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) तथा 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) शामिल हैं। इसके साथ ही मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में भी विस्तार से बताया गया तथा छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता, बाल विवाह की रोकथाम तथा दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला।

भागवत कथा का श्रवण करने से मन बुद्धि व आत्मा का शुद्धिकरण होता है

पायनियर संवाददाता। ललिया

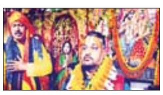

स्थानीय थाना क्षेत्र के जोधीपुरवा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में चल रहा है। कथा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-पूजन और भजन-कीर्तन से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिरस में डूबा हुआ है। सुप्रसिद्ध कथा व्यास डॉ. कौशलेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण मानव जीवन को धर्म, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि भागवत कथा का श्रवण करने से मन, बुद्धि और आत्मा का शुद्धिकरण होता है तथा जीवन में सदाचार और संयम का भाव जागृत होता है। कथा व्यास ने कहा कि कलियुग में भगवान का नाम-स्मरण ही सबसे बड़ा साधन है, जिससे भवसागर से पार पाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने से व्यक्ति का कल्याण निश्चित होता है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र और लीलाओं का सरल व सारगर्भित वर्णन किया गया जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा महोत्सव के

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय किसान पाठशाला का आयोजन

पायनियर,सादुल्लानगर/बलरामपुर। विकास खण्ड रेहराबाजार की ग्राम सभा नया नगर में दो दिवसीय किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। पाठशाला के दौरान किसानों को सरसों की फसल में बिरलीकरण, चना की फसल में खुटाई, गन्ना कटाई के बाद लेट प्रजाति गेहूं की बोवाई, उन्नत बीज का चयन, खाद एवं सिंचाई के सही समय सहित अन्य महत्वपूर्ण कृषि तकनीकी जानकारियां दी गईं। किसान पाठशाला में एडीओ कृषि रणधीर सिंह एवं प्राविधिक सहायक रमेश कुमार शर्मा ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकास खण्ड की 10 न्याय पंचायतों में किसान पाठशाला के सफल संचालन के लिए 10 कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर किसान कौशल यादव, राजेश कुमार, रामराज, अशर्फीलाल, शमीम अहमद सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पायनियर,रेहराबाजार/बलरामपुर। ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत विभागीय ओएसआर (Own Source Revenue) पोर्टल/एप्लिकेशन एवं ओएसआर संग्रहण विषय पर विकास खंड के ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन विकास खंड सभागार में प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण में विकास खंड की 81 ग्राम पंचायतों के 81 प्रधान, 81 पंचायत सहायक तथा 14 ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत अधिकारी शामिल हुए। दूसरे दिन वीडीओ बिमला चौधरी एवं एडीओ पंचायत इरफान उल्ला खां की उपस्थिति में प्रशिक्षकों द्वारा ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षक बृजभूषण यादव, दर्शन भारती एवं राजेन्द्र तिवारी ने ओएसआर पोर्टल/एप्लिकेशन के माध्यम से कर संग्रह, अभिलेख संधारण तथा ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रक्रिया को समझाते हुए ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओएसआर के प्रभावी संग्रह से पंचायतें विकास कार्यों को स्वतंत्र रूप से गति दे सकती हैं।

पत्रकार एसोसिएशन ने विधायक को ज्ञापन सौंपा

पायनियर, तुलसीपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों का प्रदेश का सबसे बड़ा संगठन है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की शाखा 18 मंडल तथा 75 जनपदों में कार्यरत है जिनकी समस्याओं को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तुलसीपुर अध्यक्ष जय सिंह तथा जिला अध्यक्ष शीतल प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में विधायक कैलाश नाथ शुक्ला को ज्ञापन सौपा। इस अवसर पर पत्रकार संतोष कुमार दुबे ,अमरेश प्रसाद सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

जागरुकता चौपाल आयोजित

पायनियर संवाददाता। श्रीदत्तगंज

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत बजाज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्रीदत्तगंज ब्लॉक के ग्राम बायभीट में ऊर्जा संरक्षण को लेकर एक जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को बिजली बचाने के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई। इससे पूर्व ग्राम बायभीट स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विष्णु मोहन श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बजाज एनर्जी के इकाई प्रमुख समीर सावंत ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों से आ''ान किया कि भविष्य में संभावित ऊर्जा संकट से बचने के लिए अभी से ऊर्जा संरक्षण और बिजली संचय को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज पूरी दुनिया इस विषय पर गंभीरता से चिंतन कर रही है।

जमीन के अभाव में अटका उतरौला मंडी स्थल का निर्माण

पायनियर संवाददाता। उतरौला (बलरामपुर)

किसानों को नहीं मिल पा रहा उपज का उचित मूल्य

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी समिति उतरौला के लिए मंडी स्थल निर्माण की योजना वर्षों से अधर में लटकी हुई है। उतरौला तहसील मुख्यालय पर मंडी स्थल स्थापित करने के लिए आवश्यक लगभग 30 बीघा जमीन अब तक उपलब्ध न हो पाने के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना साकार नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप किसान आज भी मंडी की मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और अपनी उपज निजी व्यापारियों के हाथ बेचने को मजबूर हैं।

उतरौला तहसील मुख्यालय जनपद का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। इसके अंतर्गत विकास खंड श्रीदत्तगंज, उतरौला, रेहरा बाजार और गैडास बुजुर्ग आते हैं। साथ ही गोण्डा जनपद का गौरा चौकी बाजार क्षेत्र भी इसी मंडी क्षेत्र में शामिल है। इस प्रकार उतरौला मंडी क्षेत्र एक अत्यंत विस्तृत भू-भाग को समेटे हुए है। इसी को देखते हुए शासन ने करीब एक दशक पूर्व उतरौला में मंडी स्थल निर्माण के लिए डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की थी। धनराशि स्वीकृत होने के बाद विभागीय अधिकारियों ने मंडी स्थल के लिए उपयुक्त 30 बीघा भूमि की तलाश शुरू की। इस क्रम में अधिकारियों द्वारा तीन अलग-अलग स्थलों का चयन कर संबंधित अभिलेखों सहित प्रस्ताव प्रदेश मुख्यालय स्थित कृषि उत्पादन मंडी परिषद को भेजा गया। हालांकि, प्रदेश मुख्यालय द्वारा प्रस्तावों पर कुछ आपत्तियां जताई गईं, जिसके बाद सभी प्रस्ताव वापस कर दिए गए। प्रस्ताव निरस्त होने के चलते शासन द्वारा स्वीकृत डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि भी वापस ले ली गई। मंडी स्थल निर्माण की योजना ठप होने का सीधा असर मंडी समिति के संचालन पर भी पड़ा। वर्ष 2020 में शासन ने उतरौला नगर में स्थित मंडी समिति कार्यालय को बंद कर उसे जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया। इससे मंडी क्षेत्र के 45 लाइसेंसधारी गल्ला व्यापारियों को मंडी टैक्स जमा करने और अन्य कार्यों के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता था। कार्यालय बंद होने से मंडी समिति की आय में भी गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों और किसानों की असुविधा को देखते हुए विभाग ने दिसंबर 2021 में उतरौला नगर में एक किराए के कमरे में पुनः मंडी समिति का कार्यालय खोला, लेकिन यहां केवल एक मंडी निरीक्षक और एक चौकीदार की ही तैनाती की गई। सीमित स्टाफ होने के कारण मंडी समिति के शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। एकमात्र मंडी निरीक्षक को उतरौला तहसील क्षेत्र के साथ-साथ गोण्डा जिले के कुछ हिस्सों का भी निरीक्षण करना पड़ता है। इसके अलावा 45 गल्ला व्यापारियों के अभिलेखों की जांच और मंडी टैक्स की वसूली का कार्य भी उन्हीं पर निर्भर है।

मंडी समिति के पास स्थायी मंडी स्थल न होने के कारण किसानों को न तो तौल, न ही भंडारण और न ही बिक्री से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं मिल पा रही हैं।

उर्वरक विक्रेताओं के यहां हुई छापेमारी

❖ गेहूं की फसल में खरपतवार हो, तो किसान खरपतवार नाशी का भी प्रयोग करें

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिले में बीज, खाद की पर्याप्त उपलब्धता

किसानों को गुणवत्ता युक्त उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराए जाने हेतु शनिवार को जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह द्वारा जनपद के उर्वरक विक्रेताओं के यहां सघन छापेमारी की गई। इस अवसर पर सारनाथ एग्रो, जसवाल एंड कंपनी पैगंबरपुर, शंकर प्रसाद एंड कंपनी,गोपाल ट्रेडिंग कंपनी, जय माता दी सप्लायर, पैगंबरपुर के प्रतिष्ठान से गुणवत्ता परीक्षण हेतु कुल 06 नमूने भी ग्रहित किए गए। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी

द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद के सभी उर्वरक विक्रेता अपने दुकान पर स्पष्ट रूप से रेट बोर्ड लगाए जिसमें उर्वरकों का निर्धारित मूल्य तथा सरकार दिए द्वारा दिए जाने वाले सब्सिडी का विवरण होना चाहिए तथा किसानों को उनकी खतौनी के अनुसार पोस मशीन में अंगूठा लगाते हुए निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराए यदि किसी भी उर्वरक विक्रेता,समिति के द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर बिक्री या अवैध रूप से पोस से खारिज करने का प्रयास किया जाता है उसके विरुद्ध उर्वरक गुण नियंत्रक के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी।उन्होंने अवगत कराया कि जनपद में इस समय पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उर्वरक उपलब्ध है किसी भी क्षेत्र में किसी उर्वरक की कोई कमी नहीं है किसान भाइयों से अपील है कि गेहूं की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20 से 21 दिन बाद अवश्य करें पहली सिंचाई का बहुत अधिक महत्व होता है यदि सिंचाई विलंब से करेंगे तो गेहूं की फसल में टिलरिंग कम हो पाती है, जिससे आगे चलकर उत्पादन काफी प्रभावित होता है साथ ही साथ जिन किसान भाइयों के द्वारा सिंचाई कर ली गई है वह समय से यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें तथा यदि गेहूं की फसल में खरपतवार हो, तो खरपतवार नाशी का भी प्रयोग करें।

बेतरतीब वाहन पार्किंग व ऑटो-रिक्शा की कतार से जाम

पायनियर संवाददाता। उतरौला (बलरामपुर)

उतरौला कस्बा इन दिनों ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। एक समय था जब यहां की सड़कों पर आवाजाही सरल और सहज थी, लेकिन बीते कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ते वाहनों की संख्या, सड़क पर अवैध कब्जा, और असंगठित यातायात व्यवस्था ने स्थिति को बेहद चिंताजनक बना दिया है। आज हालात यह हैं कि कस्बे के मुख्य बाजार से लेकर मोहल्लों को जोड़ने वाले रास्तों तक जाम की समस्या दिनभर बनी रहती है, जिससे आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

वैसे तो जाम की समस्या लगभग हर समय बनी रहती है लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होती है। यह वह समय है जब स्कूल, कॉलेज और दफ्तर आने जाने वाले लोग बड़ी संख्या में सड़क पर होते हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे से मुख्य बाजार की ओर जाने वाला मार्ग, जो कस्बे की प्रमुख जीवनरेखा है, इस समय लगभग ठहर सा जाता है।

टाइनी टाट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल,मोहम्मद एम वाई उस्मानी इंटर कॉलेज, एच आर ए इंटर कॉलेज,राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इमानुएल चर्च स्कूल, एमजी एक्टिविटी स्कूल, स्कॉलर्स अकैडमी, भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज और अन्य प्रमुख स्कूलों के छात्र-छात्राएं जाम में फंसकर देर से स्कूल पहुंचते हैं जिससे उनकी पढ़ाई तो बाधित होती ही है साथ ही शिक्षकों का डाट भी खाना पड़ता है, और लौटते समय भी घर पहुंचने में उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। एक छात्रा के अभिभावक ने बताया, हम सुबह समय से बच्चों को स्कूल भेजते हैं, लेकिन जाम के कारण वे लेट पहुंचते हैं। इससे उनका पढ़ाई का समय बर्बाद होता है और कई बार उन्हें शिक्षक की नाराजगी भी झेलनी पड़ती है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों का कहना है कि इस जाम का मुख्य कारण सड़क के दोनों किनारों पर पटरियों पर अवैध कब्जा है। कई दुकानदार अपने सामान को पटरियों पर फैलाकर रखते हैं, जिससे सड़क का काफी हिस्सा घिर जाता है। इनके यहां खरीदारी करने आने वाले ग्राहक अपनी गाड़ियां सड़क पर खड़ी कर देते हैं, जिससे यातायात और बाधित होता है। कुछ सूत्रों का दावा है कि यह अस्थाई दुकानें केवल अपनी मर्जी से नहीं लगतीं, बल्कि कुछ प्रभावशाली लोग इनसे मोटी रकम वसूल कर पटरियों पर कब्जा करने की अनुमति देते हैं।

नमो घाट पर ड्रम ताओ का धमाकेदार परफॉर्मेंस, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

वाराणसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और जापान के प्रसिद्ध परफॉर्मिंग ग्रुप ड्रम ताओ ने नमो घाट पर दमदार ताइको ड्रमिंग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारत के 14 शहरों के दौरे के तहत हुए इस कार्यक्रम में 6,000 से अधिक लोगों ने ऊर्जा, ताल और शानदार विजुअल परफॉर्मेंस का आनंद लिया। भारत-जापान सांस्कृतिक रिश्तों को समर्पित इस प्रस्तुति में ड्रम ताओ की सटीक तालमेल और जोशीली स्टेज मौजूदगी ने खूब तालियां बटोरीं। वाराणसी के बाद ग्रुप 13 दिसंबर को मुंबई में प्रस्तुति देगा। टोयोटा का यह सहयोग कला और संस्कृति के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के साथ ह्यमोबिलिटी फॉर आल की सोच को भी सशक्त करता है।

सदर तहसील सभागार में बीएलओ-बीएलए की बैठक

❖ मतदाता सूची की गहन जांच के निर्देश

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत सदर तहसील सभागार में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम सदर दीपक गुप्ता ने की। इस अवसर पर नायब तहसीलदार आकांक्षा पासवान सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में एसडीएम सदर दीपक गुप्ता ने बीएलओ और बीएलए को निर्देशित किया कि मतदाता सूची का गहन एवं निष्पक्ष सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जांच की जाए कि कितने मतदाता अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं, कितने मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है तथा कितने मतदाताओं के नाम दो अलग-अलग स्थानों पर दर्ज हैं। ऐसे सभी मामलों की स्थलीय जांच कर समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान बीएलओ और बीएलए को संबंधित मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिरहित बनाना ही अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इसी क्रम में निर्वाचन कार्यालय द्वारा बीएलए विवरण संकलन की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिए निर्धारित प्रपत्र जारी किए गए हैं। प्रत्येक मतदेय स्थल पर नियुक्त बीएलए की पूरी जानकारी भरकर जमा करना अनिवार्य होगा।निर्वाचन विभाग के अनुसार प्रपत्र में बीएलए के हस्ताक्षर, नाम/पदनाम, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का नाम तथा संबंधित मतदेय स्थल की संख्या और नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना आवश्यक है। एक ही मतदेय स्थल पर अधिकृत एजेंटों की सूची अलग-अलग क्रमांक में भरी जाएगी, ताकि सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

प्रपत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों—जैसे नाम जोड़ना, संशोधन, विलोपन एवं अन्य दावे-आपत्तियों—के लिए अधिकृत एजेंटों की सूची समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अभियान में बीएलओ और बीएलए की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची को अद्यतन करने की जिम्मेदारी उन्हीं पर है और उनके सहयोग से ही निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकता है।

महन्त बाबा अवैधनाथ मिनी स्टेडियम में गूँजी तालियाँ

❖ जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों को दिया जीत-हार से ऊपर उठने का संदेश

पायनियर संवाददाता। महराजगंज

ग्राम पंचायत बरवा कला स्थित परम पूज्य महन्त बाबा अवैधनाथ मीनी स्टेडियम में विधायक खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुआ। स्टेडियम में सुबह से ही ग्रामीणों और खिलाड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी। विभिन्न विद्यालयों और युवा मंडलों से आए प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिलाधिकारी ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व विकास और अनुशासन का आधार है। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश दिया कि जीत-हार से ऊपर उठकर खेल भावना को प्राथमिकता दें।जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यदि उन्हें उचित मंच और अवसर मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को नशामुक्त और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करती हैं।प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, खो-खो और फुटबॉल जैसे खेलों का आयोजन किया गया है। उद्घाटन दिवस पर कबड्डी और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों और शिक्षकों ने भी भाग लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि खेलों से ग्रामीण युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक सद्भावना को भी मजबूती मिलती है। जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को भी सुना। कई खिलाड़ियों ने खेल सामग्री और प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी की ओर ध्यान दिलाया। इस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि प्रशासन खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक में खेल मैदानों का विकास किया जाएगा ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

केदारनाथ सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

❖ समाज के उत्थान के संघर्ष को किया गया याद, एयरपोर्ट व सड़क नामकरण की उठी मांग

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

पूर्व विधायक स्वर्गीय केदारनाथ सिंह सैंथवार की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जीडीए टॉवर के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग शामिल हुए।

श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता ई. आर. आर. सिंह ने की, जबकि संचालन डॉ. कृष्णानंद सिंह उर्फ किसान सिंह सैंथवार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पिपराइच विधायक महेंद्र पाल सिंह उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने स्व. केदारनाथ सिंह के जीवन, उनके संघर्ष और समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विधायक महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि स्व. केदारनाथ सिंह आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और संघर्ष आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं। इस अवसर पर सैंथवार मल्ल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगा सिंह सैंथवार ने मांग की कि गोरखपुर में बनने वाले नए एयरपोर्ट का नाम स्व. केदारनाथ सिंह सैंथवार के नाम पर रखा जाए। वहीं पूर्व जिला पंचायत सदस्य एस.पी. सिंह ने गोरखपुर की किसी प्रमुख सड़क का नाम उनके नाम पर रखने की मांग रखी। कार्यक्रम में किसान सिंह सैंथवार ने प्रतिमा स्थल के विस्तार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मूर्ति स्थापना के लिए उपलब्ध भूमि कम है, जिसे बढ़ाकर 5000 वर्ग फीट किया जाना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक रामानंद बौद्ध, पूर्व विधायक जीएन सिंह, पूर्व मंत्री व विधायक डॉ. मोहसिन खान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय मल्ल पूर्व बिछड़ा आयोग सदस्य संजय पहलवान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने स्व. केदारनाथ सिंह को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

खड़ंजा निर्माण में मानकविहीन ईंटों का प्रयोग, जताया विरोध

पायनियर संवाददाता। परतावल/ महराजगंज

❖ सिंचाई विभाग द्वारा बनाया जा रहा 4 किमी सड़क का निर्माण

निचलौल नारायणी शाखा नहर की पटरी पर धनहा नायक से बनकटिया होते हुए मंसूरगंज तक सिंचाई विभाग द्वारा खड़ंजा निर्माण कराया जा रहा है। चार किलोमीटर लंबा और 3.75 मीटर चौड़ा यह मार्ग क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य मानकों के विपरीत किया जा रहा है। नियमानुसार प्रथम श्रेणी की ईंटों का प्रयोग होना चाहिए, जबकि मौके पर दोयम दर्जे की ईंटें लगाई जा रही हैं। कई स्थानों पर ईंटें कमजोर और टूटी हुई पाई गईं,जिससे सड़क की मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि घटिया सामग्री से बना खड़ंजा कुछ ही समय में उखड़ सकता है और सड़क की उपयोगिता समाप्त हो जाएगी। इंद्रासन शर्मा, अशोक, रामजी, अखिलेश, बिट्टू, शैलेश सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से मानकविहीन निर्माण कराकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि यह मार्ग दर्जनों गांवों के लोगों के लिए जीवनरेखा है, ऐसे में इसकी गुणवत्ता से समझौता करना सीधे तौर पर जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है।ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे जिलाधिकारी सहित उच्चाधिकारियों से शिकायत करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मजबूती और टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ईंटों का प्रयोग आवश्यक है। इस संबंध में सिंचाई विभाग के अवर अभियंता अजय शर्मा ने बताया कि निर्माण में प्रथम श्रेणी की ईंट का प्रयोग निर्धारित है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की लागत की जानकारी उन्हें नहीं है। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर जो ईंटें लगाई जा रही हैं, वे मानक के अनुरूप नहीं हैं।ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन रहा स्कॉलर हाउस का दबदबा

पायनियर संवाददाता। सिसवा बाजार, महाराजगंज

नगर स्थित स्टर्लिंग पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को स्कॉलर हाउस, सेवियर हाउस, सेक्रेट हाउस व सेंट हाउस की टीमो के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। जिसमे स्कॉलर हाउस के बच्चों का रहा दबदबा।

प्रतियोगिता मे दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, रस्साकस्सी, डिस्कस थ्रो, बॉलीबाल, कबड्डी, खो-खो, रिले रेस व चेस में कांटे की टक्कर हुई। खेल में स्कॉलर हाउस सबसे ज्यादे मेडल जीतकर पहले स्थान व सेवियर हाउस दूसरे स्थान पर रह। कोच ऋषभ चौधरी व पूजा यादव ने बताया कि दूसरे दिन कांटे की टक्कर में लंबी कूद सीनियर बालक दौड़ में अदनान अंसारी प्रथम, अमन कुशवाहा द्वितीय व सहयोग यादव तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर बालक वर्ग लंबी कूद में शोएब अख्तर प्रथम, वासिके द्वितीय एवं सुमित तृतीय स्थान पर रहे व सीनियर बालिका वर्ग में पलक पांडेय ने प्रथम, यामिनी द्वितीय व नेहा ने तृतीय स्थान हांसिल किया। वहीं कबड्डी में सेंट हाउस एवं बॉलीबाल में सेक्रेट हाउस ने बाजी मारी। निदेशक चंद्रशेखर पाल ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।इस दौरान प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह,अध्यापक संजय सिंह, प्रदीप सिंह,आलोक त्रिपाठी, शिव शंकर शर्मा, दुर्गेश प्रजापति, जावेद अली, अफजल खान, शिवशंकर, भारती चौहान, भुवनेश्वरी तिवारी, प्रीति यादव, राशि सिंह, नीतू चौधरी, उमेश यादव, विनोद सिंह, रमेश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवगांव का निरीक्षण किया

पायनियर, (लालगंज)आजमगढ़ । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवगाँव का शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ननकू राम बर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सब कुछ तो ठीक मिला, वहीं गार्ड की कमी के बारे में अधीक्षक द्वारा बताया गया, जिस पर मुख्यचिकित्सा अधिकारी ने उच्चाधिकारी से वार्ता कर जल्द गार्ड की व्यवस्था उपलब्ध कराने की बात कही गई । मुख्य चिकित्साधिकारी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर थोड़ी देर के लिए अफरा तफरी का माहौल बना रहा । मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने वार्ड की साफ, सफाई, दवा, स्टाफ की गहनता चेकिंग किया गया, लेकिन सब कुछ अच्छा मिला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ननकू राम वर्मा ने बताया कि खुम्हा देवरी गांव निवासिनी अंजू राम पत्नी साहबराज इलाज के लिए आई थी, जिसमें खून की काफी कमी देखी गई, जिसे चिकित्सालय में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया गया ।इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेंद्र प्रसाद, डा अलका शर्मा, डा गरिमा चौधरी, डा फडिस कुमार, बिशाल राय, अभिनव सिंह, फार्मासिस्ट रमाशंकर आरती तिवारी भावना अभिषेक नंदकिशोर दीपक कश्यप, सुधाकर तथा सुनील कुमार आदि लोग उपस्थित रहे ।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत 40 जोड़ों का हुआ पुनर्मिलन

पायनियर संवाददाता। आजमगढ़

शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायपालिका व पुलिस विभाग के समन्वय से मिशन शक्ति 5.0 के तहत 40 दम्पत्ति जोडों का हुआ पुनर्मिलन हुआ । न्यायिक प्रक्रिया को मानवीय संवेदना से जोड़ते हुए मिशन शक्ति 5.0 के तहत आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से 40 जोड़ों ने आपसी सहमति से अपने वैवाहिक विवादों का समाधान कर पुनः साथ जीवन प्रारंभ करने का निर्णय लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डा0 अनिल कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह के समन्वय से तथा क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी की उपस्थिती में 40 दम्पत्ति जोडों को फुल-माला व उपहार देकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विदा किया गया, इस सकारात्मक पहल से परिवारों में पुनः खुशियाँ लौट आईं ।इस संपूर्ण प्रक्रिया में प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय एहसानउल्ला खान, अपर प्रधान पारिवारीक न्यायाधीश श्रीमति संदिपा यादव, अपर प्रधान पारिवारीक न्यायाधीश प्रेम शंकर, अपर जनपद न्यायाधीश नोडल अधिकारी लोक अदालत संतोष यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंकित वर्मा, अपर प्रधान न्यायाधीश श्रवण कुमार गुप्ता, अपर प्रधान न्यायाधीश विनय कुमार तिवारी, क्षेत्राधाकारी नगर आजमगढ़ शुभम तोदी, प्रधान न्यायाधीश के परामर्शदाता कुलदीप कुमार सिंह व पुलिस प्रशासन का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा। मा0 न्यायालय व पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों की काउंसलिंग कर, विश्वास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में समझौता कराने हेतु निरंतर प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 40 बिखरते परिवार पुनः एकजुट हो गये। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विवादों का त्वरित एवं शांतिपूर्ण समाधान न केवल न्यायालयों पर लंबित मामलों को कम करने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि इससे संबंधित पक्षों को मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक राहत भी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में न्यायिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन एवं अधिवक्तागण व संबंधित विभागों के समन्वय ने यह सिद्ध किया कि संवेदनशीलता, संवाद और सहयोग से पारिवारिक विवादों का स्थायी समाधान संभव हुआ ।

एएसपी थाना समाधान दिवस में सुनी फरियाद

पायनियर, बृजमनगंज, महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को थाना परिसर में जनता के लिए लगने वाला थाना समाधान में पहुंच एएसपी सिद्धार्थ ने फरियादियों की फरियाद सुनी। इस दौरान उन्हें एक पारिवारिक मामले को

सुन कर उसका निस्तारण किया। साथ ही एएसपी ने थाना के अभिलेखों को गहनता से जांच पड़ताल किया। थाना समाधान दिवस में पुलिस व राजस्व से संबंधित कुल चार मामले आए थे। जिसमें 3 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। साथ ही अन्य मामलों को संबंधित को समाधान व निस्तारण के लिए अग्रसारित किया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, एसएसआई तारकेश्वर वर्मा, पंकज कुमार, राजस्व निरीक्षक महेन्द्र शर्मा, राम प्रकाश चौरसिया,सहित कई फरियादी मौजूद रहे।

फिर देर रात मुठभेड़, आरोपी के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

पायनियर, आजमगढ़। जनपद की थाना मेंहनगर पुलिस के साथ, देर रात चोरी करने वाले के साथ मुठभेड़ हुई है, जिसमें एक आरोपी राजेश कुमार पुत्र स्वर्गीय शिवपूजन निवासी सरायसादी थाना सिधारी जनपद आजमगढ़ के पैर में गोली लगी है, गोली लगने के बाद पुलिस ने राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया, और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है, बता दें कि दिनांक 8/9झ12झ2025 की रात्रि को ग्राम रहिला तितलियापार निवासी गौतम कुमार की ऊख दुकान का शटर काटकर मशीन, स्पीकर, मिक्सर आदि महंगा उपकरण चोरी कर लिया गया था। इस संबंध में थाना मेहनगर पर मु0अ0सं0 528/25, धारा 331(4)/305 इठर पंजीकृत हुआ था। पुलिस की जांच में राजेश कुमार पुत्र स्व. शिवपूजन, निवासी सरायसादी थाना सिधारी, संदीप कुमार पुत्र दयाराम, निवासी तितलियापार रहिला व आदित्य कुमार पुत्र उदयभान, निवासी तितलियापार रहिला, इन तीनों ने मिलकर योजना बनाकर दुकान से डी.जे. की मशीनें, स्पीकर, एम्प्लीफायर आदि चोरी कर मंगई नदी किनारे झाड़ी में छिपा दिए थे। दिनांक 12.12.2025 को रुळड संजय सिंह को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी राजेश कुमार चोरी के सामान के साथ किसान जूनियर हाईस्कूल, अहिआई के पास अपने साथी का इंतज़ार कर रहा है ताकि सामान बेच सके। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर आत्मसमर्पण हेतु कहा गया, जिस पर आरोपी राजेश कुमार ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई कार्रवाई में गोली आरोपी के पैर में लगी और उसे पकड़ लिया गया, इसके बाद घायल आरोपी को पुलिस टीम द्वारा तत्काल उळ्ठउ मेहनगर भेजकर उपचार कराया गया।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

आजमगढ़। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में मेरा युवा भारत आजमगढ़ द्वारा आजमगढ़ स्थित सुखदेव पहलवान स्टेडियम में दिनांक 11 एवं 12 दिसंबर को जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी संजीव सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का सफल संचालन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी बृजेश यादव, अनिल यादव एवं दीपक प्रजापति द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 6 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कबड्डी (बालक एवं बालिका वर्ग), लंबी कूद (बालक एवं बालिका वर्ग) तथा 200 मीटर व 400 मीटर दौड़ के फाइनल मुकाबले शामिल रहे।

तीन दिवसीय मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

❖ विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने विजेताओं को किए सम्मानित

पायनियर संवाददाता। गोरखपुर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चरगावाँ में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। यह प्रतियोगिता 10 से 12 दिसंबर तक चली, जिसमें गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज और कुशीनगर जिलों के आईटीआई संस्थानों के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक पिपराइच महेन्द्र पाल सिंह रहे। उन्होंने गोरखपुर मंडल के संयुक्त निदेशक एस. एन. राम तथा नोडल प्रधानाचार्य गोरखपुर संतोष कुमार श्रीवास्तव के साथ विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में कबड्डी झ पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में गोरखपुर की टीम विजेता रही। रस्साकसी झ पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में गोरखपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन (महिला डबल्स) झ गोरखपुर की सोनम और श्रेया विजेता बनीं। बैडमिंटन (पुरुष डबल्स) झ देवरिया की टीम ने बाजी मारी। बैडमिंटन (महिला एकल) झ गोरखपुर की सोनम और श्रेया ने फाइनल जीता। दौड़ झ गोरखपुर के आयुष मौर्य और कनक गुप्ता प्रथम स्थान पर रहे। खो-खो झ गोरखपुर की पुरुष एवं महिला टीम विजेता रही। लांग जंप, हाई जंप, शॉटपुट झ पुरुष एवं महिला वर्ग में गोरखपुर ने अव्वल स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों का तेजी से संवर्धन हो रहा है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित किया।गोरखपुर मंडल के संयुक्त निदेशक एस. एन. राम ने प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का संदेश दिया। वहीं नोडल प्रधानाचार्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने खेलों के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

उत्साह से भरा माहौल

कार्यक्रम में विभिन्न आईटीआई संस्थानों के प्रधानाचार्य कार्यदेशक और अनुदेशक उपस्थित रहे।

आतिफ के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुँचे विधायक

पायनियर संवाददाता। माहुल (आजमगढ़)

अहरौला कस्बे के मुस्लिम बस्ती में कमालुद्दीन अहमद के घर दिन के 11:00 बजे क्षेत्रीय विधायक डॉ संग्राम यादव अपने लोगों के साथ उनके घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। बीते 7 दिसंबर सुबह कमालुद्दीन का पुत्र आतिफ 22 वर्ष आजमगढ़ से बाइक से अपने दो दोस्तों के साथ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से घर आ रहा था कि रास्ते में अहरौला थाना अंतर्गत पूरब पट्टी गांव के पास एक्सप्रेस वे के 212 पॉइंट पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई जिसमें डिवाइडर से टकराकर मौके पर ही आतिफ की मौत हो गई थी और उसके दो दोस्त ऋषभ और प्रियांशु गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिसकी सूचना पर आज दिन शनिवार को विधायक संग्राम यादव परिवार का हाल जानने और शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे बहुत ही सुरक्षित सफर का रास्ता है लेकिन अगर कहीं से भी सावधानी हटी तो निश्चित तौर से दुर्घटना होना तय है इसी तरह खड़ी वैगन आर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक ब्रेजा गाड़ी ने टक्कर मार दी इसमें एक ही सिपाही के परिवार के पत्नी और चार बच्चे मौत के काल के गाल में समा गए। इसी तरह कई घटनाएं पूर्वांचल एक्सप्रेस पर हो चुकी हैं जिसका कहीं ना कहीं ज्यादा गति या फिर नियमों की लापरवाही सामने आती है आतिफ एक होनहार और परिवार के भरण पोषण के लिए लगातार काम में लगा रहता था जातिवाद के उसके अंदर भेदभावना नहीं थी और सभी धर्म लोगों के साथ मिलजुल कर उनकी हर कार्यों में हाथ बटाता था हमारी जब सरकार थी तब हम लोगों ने एक सरकारी सहायता के लिए आसान प्रक्रिया का प्रारूप तैयार किया था और एक हफ्ते के अंदर ही मृतक के परिवार को सरकारी अनुदान दे दिया जाता था हम लोगों ने करोड़ों रुपए ऐसे मृतक परिवारों को देने का काम किया लेकिन वर्तमान सरकार उसी प्रक्रिया को जटिल प्रक्रिया में तब्दील कर अनुदान देने से पीड़ित परिवारों से बच रही है जिससे आज मृतक परिवार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाते लगाते थक जा रहे हैं और उनको सरकारी सहायता नहीं प्राप्त हो रही है मेरे तरफ से जो भी संभव होगा इस परिवार को मदद दिलाने के लिए हर प्रयास करूंगा और उच्च अधिकारियों से भी संपर्क करके इन्हें आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास करूंगा।

मंडलायुक्त ने नए कलाकारों की सूची बनाने के दिए निर्देश

- माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ नई पीढ़ी में प्रचलित भक्ति संगीत सुनने का अवसर प्रदान की योजना

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को दार्शनिक एवं शास्त्रीय संगीत के साथ साथ नई पीढ़ी में प्रचलित भक्ति संगीत सुनने का अवसर प्रदान करने के दृष्टिगत आज मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आई ट्रिपल सी सभागार में सभी संबंधित विभागों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें लखनऊ से संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया। हर वर्ष माघ मेले में एनसीजेडसीसी द्वारा लगभग दस दिनों का चलो मन गंगा यमुना तीर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

जिसमें पारंपरिक भक्ति संगीत एवं नाट्य कलाकारों को देश के विभिन्न स्थानों से बुलाकर उनसे मंच पर प्रस्तुति कराई जाती है। इस वर्ष प्रचलित नए भक्ति संगीत कलाकारों के कार्यक्रम कराने की भी योजना है। जिसके अंतर्गत आजकल के युवाओं में प्रचलित नए नामों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य हेतु नए कलाकारों की एक सूची तैयार करने का निर्देश मण्डलायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। युवाओं में प्रचलित यह नए भक्ति संगीत कलाकार आधुनिक वाद्य तंत्रों का प्रयोग करते हुए भारतीय संगीत और लोक धुनों को प्रस्तुत करते हैं।

मुख्य स्नान पर्वों के आसपास जिन दिनों पर यातायात डायवर्जन प्लान लागू रहेगा उन दिनों को छोड़कर पूरे मेला अवधि में लगभग 30 दिनों तक यह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एनसीजेडसीसी के साथ इस वर्ष पर्यटन एवं संस्कृति विभाग भी दस दस दिनों का रोस्टर बनाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। बैठक में एनसीजेडसीसी के निदेशक सुदेश शर्मा, सहायक निदेशक, संस्कृति विभाग रेनू रंग भारती, उप मेलाधिकारी विवेक शुक्ला, अभिनव पाठक तथा क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह उपस्थित रहे।

कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने किया निरीक्षण: मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बैठक के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उचित मंच का स्थान तय करने हेतु परेड ग्राउंड स्थित सेक्टर एक एवं अरैल स्थित सेक्टर सात के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण भी किया।

एक बाल अपचारी सहित चार आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

जिला पुलिस प्रमुख के दिशा निर्देशन में एसपी सिटी के नेतृत्व व क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा के पर्यवेक्षण में क्राइम ब्रांच मछली शहर पुलिस ने जान से मारने की नीयत से भारी करने वाले एक बाल अपचारी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवध असला कार्टून सहित चोरी की तीन बाइक बरामद की है।

एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने आज पुलिस लाइन के मनोरंजन कक्ष में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि वादी अभय जायसवाल उर्फ सुरज पुत्र संजय कुमार जायसवाल (नगर पंचायत अध्यक्ष) निवासी-मो० सादिकगंज थाना मछलीशहर जिला जौनपुर द्वारा तहरीर दिया गया कि दिनांक 23.02.25 समय सुबह 5.30 बजे प्रार्थी के उपर जान से मारने के नियत से जानलेवा हमला किया गया, जिसमे तीन फायरिंग की गई मौके पर प्रार्थी घर के अन्दर मौजूद था जिससे तीनो गोली प्रार्थी के गेट में लगी। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर जौनपुर विनीत राय के नेतृत्व में एस0ओ0जी0 गामा टीम प्रभारी उ0नि0 तरुण श्रीवास्तव मय टीम के सहयोग से उ0नि0 होरिल यादव प्र0चौकी कस्बा मछलीशहर मय हमराह उ0नि0 ओमप्रकाश यादवके द्वारा मुखबिर की सूचना गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 01 देशी पिस्टल 32 बोर व 01 जिन्दा कारतुस 32 बोर व 03 मो0सा0 बरामद किया गया।

स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन विभाग जन कल्याण के लिए स्टाम्प पर दे रहा छूट

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

स्टाम्प व निबन्धन विभाग उ0प्र0 सरकार द्वारा आमजन को कई प्रकार के विलेखों में स्टाम्प एवं निबंधन शुल्क में छूट दी जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए राजेश कुमार सहायक महानिरीक्षक निबन्धन एवं सहायक आयुक्त स्टाम्प जौनपुर ने बताया कि सगे रक्त सम्बन्धियों के मध्य अचल सम्पत्ति के दान पत्र विलेख पर अब पांच हजार का अधिकतम स्टाम्प शुल्क निर्धारित किया गया है। यह छूट कृषि एवं आवासीय सम्पत्तियों के दान विलेख पर है व्यवसायिक एवं औद्योगिक सम्पत्त्यिों पर नही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को एक करोड़ मूल्य तक स्टाम्प की दरों में एक प्रतिशत की छूट एवं भूतपूर्व सैनिको को 20 लाख तक, सामान्य दिव्यांगों के लिए पॉच लाख तक, गंभीर रूप से दिव्यांगों के लिए बीस लाख तक के स्टाम्प में पूरा छूट एवं शेष मूल्य के लिए स्टाम्प की दर मात्र तीन प्रतिशत है। पैत्रिक सम्पत्ति के बंटवारे बाबत उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि तीन पीढ़ियों के मध्य पुश्तैनी एक सम्पत्तियों के विभाजन विलेखों पर अधिकतम स्टाम्प एवं निबन्धन शुल्क 5 हजार निर्धारित किया गया है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने किया प्रदर्शन

- एडीएम की टिप्पणी से हुआ विवाद

पायनियर संवाददाता। अम्बेडकरनगर

अतिरिक्त उप जिलामजिस्ट्रेट राजेश सिंह की कथित अशोभनीय, अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी से आक्रोशित रामनगर व जहांगीरगंज विकासखंड की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आलापुर तहसील परिसर में जमकर प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने तहसील गेट पर ताला लगाकर बसखारी जहांगीरगंज मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और नोडल अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की। बताया गया कि आलापुर के एसआईआर प्रक्रिया के नोडल अधिकारी बनाए गए अतिरिक्त उप जिलामजिस्ट्रेट राजेश सिंह, वसुधा सिंह सभागार में समीक्षा बैठक ले रहे थे।

बैठक में रामनगर विकासखंड की महिला आंगनबाड़ी संघ की ब्लॉक अध्यक्ष शशिकला मिश्रा द्वारा सवाल का मनमाफिक जवाब न मिलने पर नोडल अधिकारी ने उन्हें बैठक से बाहर जाने का निर्देश दिया। आरोप है कि इसके बाद नोडल अधिकारी ने महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिस पर शशिकला मिश्रा ने आपत्ति जताई। धरना प्रदर्शन की सूचना पर उप डीएम आलापुर सुभाष सिंह ''धामी'', तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव और जहांगीरगंज थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नोडल अधिकारी से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग पर अड़ी रहीं।

लोक अदालत में 298 मामलों का हुआ निस्तारण

प्रयागराज। उच्च न्यायालय इलाहाबाद में दूसरे शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिसमें पीठ की ओर से मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित अपील एफएएफओ के कुल 298 वादों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता के दिशा निर्देश के अनुपालन में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में लोक अदालत का अयोजन हुआ। जबकि अध्यक्षता उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति महेश चन्द्र त्रिपाठी ने की।

उमंग, ऊर्जा और लय का अनोखा संगम है डांस मास्टर्स

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

पतजंलि नर्सरी स्कूल के सभागार में शुक्रवार को आयोजित डांस मास्टर्स ने रंग, ताल और उत्साह का ऐसा अद्भुत समागम प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों के मन को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा केजी से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने नृत्य के माध्यम से आनंद, संस्कृति और एकता का सुंदर संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरुआत नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत केसरी के लाल से हुई। जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और पवित्रता से भर दिया। इसके बाद कक्षा एक और दो के छात्रों ने डायनामाइट के पॉप डांस से मंच पर जोश और ऊर्जा का संचार किया। कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों ने भारतीय लोक नृत्यों की विविधता को अत्यंत मनोहारी और प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत करते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया।कार्यक्रम की आकर्षक प्रस्तुतियों में डेंजर बॉलीवुड बीटस फॉर अ रीजन और बिजुरिया पंजाबी पॉप ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। सबसे दिल को छू लेने वाली प्रस्तुति रही उड़ा गुलाल माई तेरी चुनरिया लहराइ जिसने पूरे सभागार में रंग और भावनाओं की अनूठी छटा बिखेर दी। इसके अतिरिक्त जुंबा ता सजदा छेड़खानियां आवन जावन हाउस फुटवर्क और स्वीटी तेरा ड्रामा जैसी प्रस्तुतियों ने बच्चों की ऊर्जा, उत्साह, मस्ती और आधुनिकता का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का भव्य समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा अपने गुरु एवं कोरियोग्राफर मनीष कुमार के साथ प्रस्तुत स्पेशल ग्रैंड फिनाले से हुआ, जिसे दर्शकों ने खुलकर सराहा। सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सीसीटीएनएस रैंकिंग में अम्बेडकरनगर अव्वल

अम्बेडकर नगर। अम्बेडकरनगर जिले ने सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) रैंकिंग, अक्टूबर-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है। जिले को इस उपलब्धि के लिए शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा ने पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर को सम्मानित किया। साथ ही अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) हरेंद्र कुमार एवं जनपदीय कोऑर्डिनेटर राजन कुमार मौर्य को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। बताया गया कि यह सफलता जनपद पुलिस द्वारा सीसीटीएनएस के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध एवं शुद्ध डेटा प्रविष्टि तथा तकनीकी दक्षता का परिणाम है।

कोर्ट ने पुत्र की नियुक्ति से इंकार करने का आदेश किया रद्द

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

- आश्रित की नियुक्ति में परिवार की आर्थिक स्थिति के बजाए तकनीकी आधार देखना उचित नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सफाई कर्मी पिता की सेवा काल में मौत और मजबूर सफाई कर्मी मां का इस्तीफा, परिवार की आर्थिक हालत खराब स्थिति पर विचार किए बगैर मृतक आश्रित कोटे में पुत्र की नियुक्ति करने से इंकार आदेश को मनमाना करार देते हुए रद कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि तकनीकी कारण के बजाए नियमावली के उद्देश्य के अनुसार परिवार की आर्थिक हालत पर विचार कर निर्णय लेना चाहिए। कोर्ट ने अधिशासी अधिकारी को याची की आश्रित कोटे में नियुक्ति पर विचार कर तीन हफ्ते में आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान ने दीपक कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा आश्रित की नियुक्ति पर विचार करते समय परिवार की आर्थिक स्थिति का आकलन करके ही आदेश देना चाहिए न कि तकनीकी खामी बताकर मनमाने तौर पर नियुक्ति से इंकार कर दिया जाए। नगर पालिका परिषद फर्रुखाबाद द्वारा आश्रित कोटे में याची की नियुक्ति से यह कहते हुए इंकार कर दिया गया था कि याची की मां भी सरकारी सेवक थी।

माघमेला ओम नमः शिवाय का विशाल भण्डारा शुरू

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

माघ मेला, अर्द्धकुंभ, महाकुंभ में 49 वर्ष से सबसे विशाल अन्न क्षेत्र चलाने वाली प्रमुख संस्था ओम नमः शिवाय प्रयागराज की ओर से आज से मेला क्षेत्र के आधा दर्जन प्रमुख स्थानों पर विशाल भण्डारा दिन, रात शुरू हो गया है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और मेला क्षेत्र में काम करने विभागों के बड़ी संख्या में कर्मचारी भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यह भण्डारा माघ मेले के दौरान दिन, रात चलता रहेगा। जिसमें श्रद्धालु दिन, रात परिवार सहित प्रसाद लेते हैं। ओम नमः शिवाय का भण्डारा मेला क्षेत्र में लाल रोड, किला चौराहा, त्रिवेणी रोड, मेला प्रशासन कार्यालय के सामने, संगम अपर मार्ग और दारागंज रामदेशिक संस्कृत विधालय के सामने चलेगा। जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और मेला क्षेत्र में काम करने वाले हजारों कर्मचारी दिन, रात प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। ओम नमः शिवाय के शिविर व्यवस्थापक शिवम ने बताया कि विशाल भण्डारा आज से शुरू हो गया है। सबसे प्रमुख भण्डारा परेड की लाल रोड में शुरू हो गया है।

स्पोर्टस फिस्टा का धूमधाम से हुआ आयोजन

- विद्यालय बच्चों की बेहतर शिक्षा के साथ सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्धः के राशि

पायनियर संवाददाता। प्रयागराज

गंगा गुरूकुलम विद्यालय गद्दोपुर, फाफामऊ में शनिवार को कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक के बच्चों का स्पोर्ट्स फिस्टा 2025 का धूमधाम से आयोजन किया गया।

जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद का मिला जुला संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के विवेकानन्द प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के राशि बडालिया रहीं। महर्षि पतंजलि विद्यालय समूह के सदस्यों, सचिव डा कृष्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता, यशोवर्धन, रेखा बैद, विद्यालय की प्रधानाचार्या माधुरी श्रीवास्तव तथा समूह के अन्य सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, गंगा गुरूकुलम प्ले स्कूल की हेड मिस्ट्रेस विभा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम कक्षा एक एवं दो के विद्यार्थियों के सरस्वती गायन के साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या माधुरी श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा विद्यालय बच्चों की अत्युत्तम शिक्षा के साथ साथ उनका सर्वांगीण विकास करने के लिए कटिबद्ध है। कक्षा प्रेप, एक और दो के बच्चों ने विष्णु स्तुति पर भव्य नृत्य प्रस्तुत करके सबको प्रफुल्लित कर दिया।

दिनदहाड़े ढहाया गया मकान, एक गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दबंगों ने पुलिस चौकी के ठीक बगल एक मकान को ध्वस्त कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि यह घटना थाने से करीब चार किलोमीटर दूर टांडा रोड स्थित अरिया पुलिस चौकी के पास दिनदहाड़े हुई। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। नायब तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि मकान का ध्वस्तीकरण राजस्व टीम की मौजूदगी में नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई का अधिकार केवल राजस्व विभाग को है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हरकत में आई और मकान गिराने में लगी दो जेसीबी मशीनों को कब्जे में लेकर एक व्यक्ति विपिन सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

श्री गोविंद साहब मेले का एसपी ने किया निरीक्षण

अंबेडकर नगर। कटका थाना क्षेत्र अंतर्गत आयोजित श्री गोविंद साहब मेले का पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेले में लगे सीसीटीवी कैमरों, कंट्रोल रूम और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों व ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं मेलार्थी पहुंच रहे हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्क और संवेदनशील रहते हुए भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम से लाइव मॉनिटरिंग कर भीड़ की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए।

डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता। जौनपुर

डीएम डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बक्शा में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान डीएम के द्वारा निर्देशित किया गया कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करें। इस अवसर पर सीओ सिटी देवेश सिंह, उपजिलाधिकारी सदर संतवीर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बसपा के चुनावी तैयारियों पर हुआ मंथन

पायनियर संवाददाता। आलापुर, अम्बेडकरनगर

बहुजन समाज पार्टी द्वारा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर आयोजित बैठक में मिशन 2026 और 2027 को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावों की रणनीति पर विशेष जोर दिया गया।

इस दौरान यह जानकारी दी गई कि दिनांक 12 दिसंबर शुक्रवार को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बूथ लेवल अधिकारी एवं बूथ लेवल एजेंट की बैठक प्रत्येक बूथ पर आयोजित की जानी है। बैठक में एसआईआर के कार्यों को गति देने, बूथ स्तर पर मतदाता सूची से जुड़े कार्यों को गंभीरता से करने तथा आगामी जिला पंचायत सदस्य चुनाव की तैयारी कर रहे कार्यकर्ताओं को बूथ विजय अभियान बिजई से जोड़ने को लेकर अहम चर्चा हुई। विधानसभा संयोजक पिछड़ा वर्ग भाईचारा कमेटी जयप्रकाश मौर्य ने कहा कि मिशन 2026 और 2027 की सफलता के लिए अभी से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना आवश्यक है। सभी पदाधिकारियों एवं बीएलए से अपील की गई कि वे सुबह 11 बजे अपने-अपने बूथ पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और बैठक के उपरांत कार्यवृत्ति, फोटोग्राफ्स तथा कम से कम 30 सेकेंड का वीडियो निर्धारित ऐप पर समय से अपलोड करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

समाधान दिवस का हुआ आयोजन

पायनियर, भीटी, अंबेडकरनगर। महरुआ थाना परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी भीटी धर्मेंद्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा एवं थाना प्रभारी महरुआ यादवेंद्र सोनकर ने की। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को अधिकारियों ने गंभीरता से सुना और निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान कुल छह शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष पांच शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसी अवसर पर माननीय न्यायालय अंबेडकरनगर के आदेश के अनुपालन में थाना महरुआ परिसर में वर्ष 2019 से 2023 तक के पांच मुकदमों से संबंधित मुकदमती माल का निस्तारण किया गया। इस दौरान भारी मात्रा में पकड़ी गई अवैध शराब को नष्ट कराया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है।

अनूठे और विचारशील ढंग से किए गए सम्मानित

पायनियर, प्रयागराज। अपना नया कैम्पेन शुरू किया है। जिसमें उन्होंने केयर यानी देखभाल करने की भावना की खूबसूरती को अनूठे और विचारशील ढंग से सम्मानित किया है। टाटा टी प्रीमियम केयर ने इस अभियान की शुरुआत की है। कैम्पेन की सोच बहुत ही सरल है, देखभाल हमेशा खास होनी चाहिए। हम जिनसे प्यार करते हैं, उनके प्रति हमारी देखभाल हमेशा प्रीमियम होनी चाहिए। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट के प्रेसिडेंट पैक्ड बेवरेजेज इंडिया एंड साउथ एशिया पुनीत दास ने कहा आज कई परिवार अपनी न केवल बेहतरीन स्वाद, बल्कि सेहत के लिए विश्वसनीय लाभ चाहते हैं। टाटा टी प्रीमियम के सिग्नेचर स्ट्रॉन्ग असम ब्लेंड को स्वास्थ्य लाभों के लिए सोच समझकर चुने गए प्राकृतिक तत्वों जैसे अदरक, इलायची, तुलसी, मुलेठी और ब्राह्मी के साथ मिलाकर टाटा टी प्रीमियम केयर न केवल बेहतरीन स्वाद प्रदान करती है। किसी भी सामान्य चाय के बदले यह एक अधिक अर्थ पूर्ण, प्रीमियम विकल्प है, जो उस देख भाल को दर्शाता है जो सच में खास है। प्रीमियम केयर की सोच नए टीवीसी में खूबसूरती से दर्शाया है। यह कहानी बहुत ही सामान्य है लेकिन इसके पीछे सोच सभी के दिलों को छू लेती है। इसे चुनते हैं तो आप एक साधारण चाय ब्रेक को भी स्वास्थ्य और देखभाल से जुड़े एक अर्थपूर्ण कार्य में बदल सकते है।

लोन वसूली के नाम पर धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

पायनियर, टांडा (अंबेडकरनगर)। ग्रामीण क्षेत्रों में लोन वितरण करने वाली एक वित्तीय कंपनी के वसूली कर्मचारियों द्वारा धोखाधड़ी कर रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। थाना अलीगंज पुलिस ने अमानत में खयानत और धोखाधड़ी के आरोप में कंपनी के तीन वसूली कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, समस्ता फाइनेंस कंपनी ग्रामीण इलाकों में लोन बांटने का कार्य करती है। आरोप है कि कंपनी के वसूली कर्मचारी अंकित यादव, किशन सिंह और अंशुमान पांडे ने विभिन्न खातों से वसूली गई कुल 2 लाख 15 हजार 692 रुपये की रकम कंपनी में जमा न कर अपने पास रख ली। इस संबंध में कंपनी के प्रबंधक ने पुलिस अधीक्षक के माध्यम से मामले की जांच कराई, जिसके बाद थाना अलीगंज में तीनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना अलीगंज पुलिस द्वारा की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

रोजगार मेले में 36 संविदा चालक चयनित

पायनियर, अंबेडकर नगर। अकबरपुर रोडवेज डिपो में संविदा चालकों की भर्ती के लिए आयोजित रोजगार मेले में 36 चालक चयनित हुए हैं। इन चालकों के चयन से लंबे समय से चालकों की कमी से जूझ रहे अकबरपुर डिपो को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। डिपो में चालकों की कमी के कारण बसों के संचालन में लगातार दिक्कतें आ रही थीं। इसी समस्या को देखते हुए अकबरपुर डिपो में रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। जानकारी के अनुसार, कुल 118 संविदा चालकों के पदों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें पहले चरण में 36 चालक सफल हुए हैं। एआरएम हरिओम श्रीवास्तव ने बताया कि संविदा बस चालकों की भर्ती अब प्रत्येक बृहस्पतिवार को की जाएगी। इसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ निर्धारित की गई है, जबकि न्यूनतम आयु सीमा 23 वर्ष छह माह रखी गई है। अभ्यर्थियों के पास हैवी वाहन लाइसेंस के साथ कम से कम दो वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। चयनित संविदा चालकों को 2.06 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से पारिश्रमिक दिया जाएगा।

उन्नत चिकित्सा-सेवा हर मरीज तक पहुंचेः गुप्ता

पायनियर, जौनपुर। यह एक सप्ताह में एक बार दिया जाने वाला इंजेक्टेबल उपचार है, जिसे मोटापे और टाइप टू डायबिटीज़ मेलिटस देश की दो सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रबंधन के लिए बनाया गया है। लिली को भारत के औषधि नियंत्रक महानियंत्रक की मंजूरी मिलने के बाद, सिप्ला को भारत में युरपीक, यानी लिली के टिरज़ेपाटाइड के दूसरे ब्रांड को वितरित और प्रमोट करने के अधिकार प्राप्त हैं। अचिन गुप्ता ऑफिसर, सिप्ला लिमिटेड ने कहा युरपीक का लॉन्च मोटापे और टाइप टू डायबिटीज़ मेलिटस भारत की दो दीर्घकालिक और गंभीर बीमारियों के खिलाफ लड़ाई में परिवर्तनकारी क्षण का प्रतीक है। इस क्षेत्र में उसी स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रतिबद्धता के साथ प्रवेश कर रहा है, जिसने क्रोनिक बीमारियों और श्वसन देखभाल में हमारी नेतृत्वकारी स्थिति को परिभाषित किया है।

क्षेत्राधिकारी ने थाने का किया निरीक्षण

पायनियर, जौनपुर। जिला पुलिस प्रमुख डॉ० कौस्तुभ के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी केराकत, अजीत रजक द्वारा आज थाना जलालपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, कार्यालय, मैस एवं विभिन्न अभिलेखों का बिंदुवार निरीक्षण कर उनकी स्थिति का आकलन किया। क्षेत्राधिकारी ने साफ-सफाई, अभिलेखों के उचित संधारण, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, मालखाना व शस्त्रागार की सुरक्षा व्यवस्था तथा हवालात प्रबंधन के संबंध में संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने थाना परिसर में आगंतुकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु भी निर्देशित किया।

प्रभाष जोशी ने हिंदी पत्रकारिता के नए मानक स्थापित किए

जनसत्ता के प्रभाष जोशी पुस्तक की समीक्षा

मनोज कुमार मिश्र

जनसत्ता के संस्थापक संपादक और पत्रकारिता के शिखर पुरुष प्रभाष जोशी पांच नवंबर, 2009 को इस दुनिया से विदा हुए। तब से लेकर अभी तक देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनके बारे में सैकड़ों संस्मरण प्रकाशित हुए। उनके निधन के बाद उनकी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए बने प्रभाष परंपरा न्यास ने साले 2012 में उनके संस्मरणों के आधार पर एक पुस्तक प्रकाशित की थी। एक बार फिर न्यास के प्रबंध न्यासी, प्रभाष जोशी की परंपरा के श्रेष्ट पत्रकार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्म भूषण से सम्मानित रामबहादुर राय (राय साब) के मार्गदर्शन में उनके संस्मरणों पर ही आधारित - ''जनसत्ता के प्रभाष जोशी'' पुस्तक प्रकाशित करना तय किया गया। प्रयास यही किया गया है कि इस पुस्तक में जनसत्ता में जोशी जी के साथ काम करने वालों के संस्मरण शामिल किए जाएं। इसके अलावा कुछ संस्मरण उनके करीबी मित्रों और परिवार के सदस्यों के भी शामिल किए गए।

ज्यादातर संस्मरण अभी के लिखे हुए हैं। इस पुस्तक में जनसत्ता के चार वरिष्ट सहयोगियों - मंगलेश डबराल जी, श्रीश चन्द्र मिश्र जी, सुरेश कौशिक जी और आलोक तोमर जी के पहले के लिखे लेख शामिल किए गए हैं, क्योंकि वे अब हमारे बीच नहीं हैं। उसी तरह उनके आत्मीय जनों में जिनके लेख लिए गए हैं, उनमें प्रभाष परंपरा न्यास के संस्थापक अध्यक्ष डाक्टर नामवर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजकिशोर और लेखक रुपेश पांडेय भी अब जा चुके है।

इस पुस्तक में 49 लेख शामिल किए गए हैं। जिसमें 38 जनसत्ता के सहयोगियों के और 11 लेख जोशी जी के आत्मीय जनों के हैं। सभी संस्मरण लेखों में प्रभाष जोशी और जनसत्ता के बारे में विस्तार से लिखा गया है। राय साब ने अपने लेख में जनसत्ता के शुरुआती दिनों का ब्यौरा विस्तार से दिया है। वे लिखते हैं कि जनसत्ता की पूरी कल्पना प्रभाष जोशी जी की थी। वे एक ऐसे अखबार की कल्पना को अपने मन में जीवित रखे हुए थे जो हिंदी में हो। और सही मायने में राष्ट्रीय समाचार पत्र हो। यानी हर प्रांत के लोगों को लगे कि अखबार के सरोकार में वे और उनका समाज शामिल है। उसी कल्पना में यह भी था कि हिंदी में एक ऐसे अखबार की जरूरत है जो सत्ता या सियासत तक सीमित न हो, बल्कि वह अपने पाठकों की दिल की धड़कन बन जाए। पिछली सदी के छठे दशक से वे इसी सपने को संजोये हुए थे। उन्हें 1983 में वह अवसर मिला। इसके लिए उन्होंने पत्रकारीय तपस्या की। उन्होंने जनसत्ता निकाला।

राय साब आगे लिखते हैं कि जनसत्ता ने हिंदी पत्रकारिता में कई नए प्रयोग किए। प्रयोग सफल रहे। उनकी सराहना हुई। अखबार में प्रयोग करने की अगर छूट प्रभाष जी ने न दी होती और वहां खुला माहौल नहीं होता तो जनसत्ता को जो सफलता मिली वह संभव नहीं थी। जनसत्ता के शुरुआती दिनों से प्रभाष जी के वरिष्ठ सहयोगी रहे बनवारी जी ने लिखा कि प्रभाष जी में एक कुशल संपादक के सभी गुण थे। उनमें प्रतिभा थी, लगन थी, नेतृत्व क्षमता थी, राजनैतिक बुद्धि और सांस्कृतिक अभिरुचि थी, प्रवाहमयी भाषा थी और अपने सहयोगियों के प्रति आत्मीयता थी। लेकिन वे केवल जनसत्ता के संपादक नहीं थे। जनसत्ता उनकी कृति थी। उनकी सबसे विलक्षण बात उनका वह संकल्प था कि जनसत्ता को हिंदी जगत का एक उत्कृष्ट समाचार-पत्र बनाना है। जो लंबे समय तक पत्रकारिता का मानक रहा। अपने ध्येय के लिए उन्होंने हमेशा सबसे पहले अपने आप को कसौटी पर रखा। जनसत्ता की ख्याति में उनके नेतृत्व और उनके लेखन का बड़ा योगदान था।

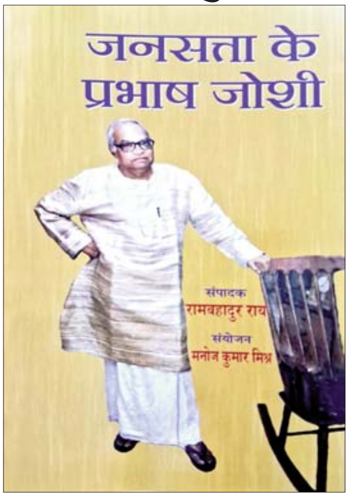

वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश जी अपने लेख में लिखते हुए पूछा हैं कि क्यों प्रभाष जी की स्मृति उभरती है? उनके आत्मीय स्नेह के कारण? उनके मौजूद मानवीय संवेदनशीलता-सरोकार के कारण? उनके प्रयोगधर्मी स्वभाव, मिजाज व संस्कार की वजह से देशज शब्दों-भावों से पत्रकारिता को नई धार देने वाले व्यक्ति के असमय चले जाने के कारण? हिंदी क्षेत्रों में, खासतौर से गंभीर मुद्दों पर नवजागरण के अग्रदूत के रूप में उनकी सक्रिय भूमिका में अचानक विराम लग जाने के कारण? ये सभी वजहें हैं। उनका व्यक्तित्व समृद्ध था। यायावर, दार्शनिक, संगीत प्रेमी, गांधीवादी, सर्वोदय के व्याख्याकार। अत्यंत सुंदर,प्रवाहमयी, देशज अभिव्यक्ति भाव व गद्य के धनी। विचारों के प्रवर्तक व व्याख्याकार भी। धुन के पक्के। महज क्रिकेट ही नहीं, खेलों के प्रेमी।

इस पुस्तक के संस्मरणों में अलग- अलग घटनाओं और जोशी जी के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं का ब्यौरा दिया गया है। जनसत्ता में लंबे समय तक काम करके सेवानिवृत हुए हरेकृष्ण यादव ने पुस्तक प्रकाशन का काम अपने हाथ में लिया। उन्हें राय साब ने बताया की स्वर्गीय प्रभाष जोशी इस तरह की पुस्तक प्रकाशित करना चाहते थे। यादव जी ने राय साब से पुस्तक प्रकाशन का दायित्व देने का अनुरोध किया। राय साब ने मुझे इस काम में सहयोग करने का निर्देश दियो। 2010 से हर साल न्यास प्रभाष जोशी जी की प्रतिष्ठा के अनुरूप अनेक आयोजन करता है। सबसे बड़ा आयोजन उनके जन्मदिन के मौके पर किया जाता है। उनका जन्मे 15 जुलाई, 1937 को हुआ था। इस साल उनके जन्मदिन यानी प्रभाष प्रसंग का आयोजन रविवार, 20 जुलाई 2025 को हुआ। उसी मौके परे ''जनसत्ता के प्रभाष जोशी'' पुस्तक का लोकार्पण किया गया थो। प्रभाष परंपरा न्यास से जुड़ने के दौरान राय साब के मार्गदर्शन में प्रभाष जी की पहले प्रकाशित हुई पुस्तकों में जो लेख नहीं आ पाए थे उन लेखों को दो पुस्तकों में झे 'ओटन लगे कपास' औरे 'घंटी तो बजनी है', संग्रहित करने का अवसर मिला।

इन लेखों से पहले सने 1960 में आचार्य विनोबा भावे के इंदौर प्रवास के दौरान नई दुनिया अखबार ने विनोबा दर्शन नाम से निःशुल्क परिशिष्ट 39 दिन तक लगातार प्रकाशित किया था। वह परिशिष्ट प्रभाष जी ने तैयार किया था। राय साब से मिली परिशिष्ट सामग्री मुझे झे 'विनोबा के साथ उनतालीस दिन' पुस्तक संपादित करने का भी अवसर मिला। इन सभी पुस्तकों को तैयार करते समय प्रभाष जी की दिग्गज पत्रकार की छवि, और निखर कर सामने आयी। वे मूल रूप से गांधीवादी थे। गांधी, विनोबा और जयप्रकाश नारायण जैसे नेता उनके आदर्श रहे। लेकिन वे लोकतंत्र के भारी समर्थक और ठेठ पत्रकार थे। सभी को पता है कि समाज के इन्हीं नेताओं के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रभाष जी ने विश्वविद्यालय की पढ़ाई छोड़ी और गांव में जाकर रहे, काम किया। विनोबा दर्शन पढ़ते हुए उनके विनोबा प्रेम और उनकी आसक्ति साफ दिखती है।

वहीं 11 वे 12 दिसंबरे 1995 को प्रभाष जी, 'अहिंसक क्रांति का विनोबा प्रयोग' औरे 'अहिंसा की तलाश में सत्याग्रह खो गया' लिखकर इमरजेंसी का विरोध न करने के लिए विनोबा जी की आलोचना भी करते हैं। मैं तो जुलाई 1986 से जनसत्ता से जुड़ा। इस पुस्तक में उन वरिष्ट जनों के संस्मरणों को प्राथमिकता से शामिल किया गया है जो 1983 में जनसत्ता के शुरुआती दिन से प्रभाष जोशी की टीम में थे। जनसत्ता का पहला अंके 17 नवंबरे, 1983 को प्रकाशित हुआ। मगर अनेक वरिष्ट साथी तो उससे पहले से काम कर रहे थे। प्रभाष जोशी के जाने के 16 साल बाद संस्मरणों पर आधारित पुस्तक को पढ़कर जनसत्ता, प्रभाष जोशी जी और उस संस्थान में बिताए दिन वापस सजीव होने लगते हैं। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक पठनीय बनी है। यह प्रभाष जोशी को जनसत्ता के साथियों की ओर से एक श्रद्धांजलि भी है। वास्तव में प्रभाष जी ने जनसत्ता और अपने लेखन से पत्रकारिता के नए मानक स्थापित किए।

बतरस

मेरा झोला बड़ा कारसाज है!

राजेश विक्रांत

चाहे जो हो जाए, हम तो झोल करके ही रहेंगे क्योंकि हर जगह मेरी सेटिंग है। इसलिए चुनाव प्रचार के बाद हमेशा मैं ध्यान की मुद्रा में चला जाता हूँ। सच तो ये है कि ध्यान व्यान कुछ नहीं होता , यह तो मेरी एक चुनावी मुद्रा होती है।

आपको याद होगा कि कई साल पहले मैंने कहा भी था कि मैं झोला उठाकर चला जाऊंगा। मैं चला भी जाता पर कजानी सेठ ने रोक लिया। फिर क्या हुआ कि मेरा झोला भरने लगा- टैरिफ, विशेष गहन पुनरीक्षण, वोटचोरी, हेट स्पीच, जहरीली हवाएं आदि इत्यादि। पर अभी भी मेरे झोले में बहुत सारी जगह है। जब तक देश के सभी नागरिकों के हाथ मैं कटोरा न पकड़ा दूं तब तक झोला नहीं उठाऊंगा। कहते हैं कि एक चुप हजार शब्दों के बराबर होता है और चुप रहकर ही मैं अपना सब काम कर लेता हूं। नागरिकों व मतदाताओं को जो सन्देश देना होता है, दे देता हूं। विपक्ष चाहे जितना चिल्लाए, कोई फर्क नहीं पड़ेगा। देश की बदहाली व कंगाली के झोल को मैंने आखिरकार अपने ध्यान के झोले से भर ही दिया है। लोकतंत्र, गरिमा, नैतिकता आदि फालतू के शब्द हैं। पता नहीं किसने इन शब्दों का आविष्कार किया था, वो अगर मुझे मिल जाए चार जूते खुद लगाऊं। ये किसी कारण से न कर पाया तो जेल में भिजवा ही सकता हूं। ईडी, सीबीआई, इन्कम टैक्स आखिर किस दिन काम आएंगे? मेरी सरकार झोल की सरकार है, झोले की सरकार है। एक्जिट पोल में झोल, इवीएम में झोल, नीयत में झोल, अर्थव्यवस्था में झोल, जीडीपी में झोल, क़ानून व्यवस्था में झोल, विकास में झोल सब मेरे ही बाई प्रोडक्ट हैं। यहां तक कि राहत की फुहार में भी झोल है और रहेगा।

जो शब्द मुझे प्रिय हैं वे हैं- धांधली, करप्शन, अनैतिकता, हैकिंग, बोलबचन, तानाशाही, हेराफेरी, धोखाधड़ी, फर्जीकल स्ट्राइक। जब मैं अपने परिवार को, प्रियजनों को, साथियों को धोखा दे सकता हूं तो आम आदमी की क्या बिसात है? मेरा विकसित भारत कजानी सेठ से जुड़ा है। कजानी सेठ खूब प्रगति कर रहे हैं। उनका रास्ता साफ करने के लिए इंडिगो ने काफी मेहनत की है। चांदी की कीमत 2 लाख हो गई है। रुपया डॉलर का गुलाम बन गया है। कजानी सेठ एशिया में नम्बर एक हो गए हैं। इसका मतलब यह है कि भारत धनवान हो रहा है। मेरे कहने पर इंडिगो गंभीर प्रभावित यात्री को 10 हजार रुपए का ट्रेवल वाउचर देगी। ट्रम्प दादागिरी कर रहे हैं। अदालतों में 5.50 करोड़ केस लंबित हैं। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। हेट क्राइम, साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट का खुशनुमा दौर चल रहा है। कृपया इसकी आलोचना न करें। क्योंकि मेरी सरकार झोल की सरकार है।

नेपाल भारत दोस्ती के रिश्ते में चीन की शरारत

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में नेपाल सरकारी करेंसी पर मुद्रित एक नक्शे ने भारत नेपाल संबंधों में तकरार पैदा की कोशिश की है। आप को पता है कि राजशाही के खात्मे के बाद नेपाल 2008 में गणतंत्र बना था और 2015 में नेपाल का संविधान लागू हुआ। इस दौरान चीन परस्त के। पी। शर्मा ओली 2 बार देश के प्रधानमंत्री बने। हालांकि वह एक बार भी अपना कार्यकाल पूर्ण नहीं कर पाए परंतु इस दौरान उन्होंने भारत विरोधी रवैया ही अपनाए रखा। नेपाल के सेंट्रल बैंक ने गुरुवार (27 सितंबर) को 100 रुपए का नया नोट जारी किया है। इस नोट को जारी करते ही भारत और नेपाल के बीच एक नया सीमा विवाद खड़ा हो गया। दरअसल इस नोट में नेपाल का बदला हुआ मैप छपा है। इस मैप में भारत और नेपाल के बीच विवादित कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा इलाके नेपाल की सीमा में दिखाए गए हैं। इस नोट पर छपे नक्शे को लेकर भारत ने इसे ऑर्टिफीशियल एनलार्जमेंट बताया है। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पिछले गवर्नर महा प्रसाद अधिकारी के सिग्नेचर हैं। वहीं इस नोट को जारी करने की तिथि बैंक ने 2081 बीएस लिखी है।

घरेलू मामलों में मनमाने निर्णय लेने के साथ-साथ चीन के उकसावे पर ओली ने भारत के 3 इलाकों लिपुलेख, कालापानी व लिपियाधुरा पर अपना दावा जताने के अलावा समय-समय पर भारत विरोधी बयान दिए और भारत विरोधी कदम उठाए जिनसे दोनों देशों के संबंधों में खटास आई।

आपको बता दें 13 जून, 2020 को ओली ने उत्तराखंड स्थित लिपुलेख, लिपियाधुरा और कालापानी के इलाकों को नेपाल के नक्शे में दिखाने को नेपाल की संसद से स्वीकृति दिलाई और आरोप लगाया कि भारत उनकी सरकार को अस्थिर करना चाहता है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

इस बीच 3 सितम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री के। पी। शर्मा ओली तथा उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के मनमाने फैसलों तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध युवाओं ने मोर्चा खोल दिया।

जेन जी के बैनर तले आंदोलनकारी युवा नेपाल की राजधानी काठमांडू के कई हिस्सों में के। पी। चोर देश छोड़ो और भ्रष्ट नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई करो, भूकम्प की जरूरत नहीं है नेपाल रोज भ्रष्टाचार से हिलता है जैसे नारे लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे थे।

आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अनेक मंत्रियों के आवास अग्नि भेंट कर दिए तथा आंदोलन के दौरान 20 लोगों की मौत की जवाबदेही की मांग को लेकर अपना प्रदर्शन जारी रखा। 9 सितम्बर को सुबह से ही तेजी से बदलते हालात के बीच दोपहर को एहतियातन राजधानी काठमांडू तथा आसपास के इलाकों में कर्फ्यू भी लगाया गया परन्तु स्थिति नियंत्रण में नहीं आई। इस आंदोलन के परिणामस्वरूप अंततः देश में तख्तापलट हुआ और 13 सितम्बर, 2025 को देश की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की (73) को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया। चूंकि 1971 में नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से ग्रैजुएशन करने के बाद सुशीला कार्की ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आगे की पढ़ाई पूरी की थी, इसलिए आशा थी कि भारत में पढ़ाई के बाद अब राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलने पर वह भारत के प्रति अपना सकारात्मक रवैया रखेंगी, परंतु ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। नेपाल के केंद्रीय बैंक (नेपाल राष्ट्र बैंक अर्थात एन। आर। बी।) ने 27 नवम्बर, 2025 को अपने देश का 100 रुपए का नया नोट जारी करके एक एक बार फिर अपना भारत विरोधी चेहरा उजागर कर दिया है। इस नोट पर नेपाल का संशोधित मानचित्र लगा हुआ है और इसमें भारत के स्वामित्व वाले काला पानी, लिपुलेख और लिपियाधुरा क्षेत्र नेपाल में दिखाकर फिर विवाद खड़ा कर दिया है। एनआरबी प्रवक्ता ने ये भी साफ किया कि नेपाली रुपयों में 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1, 000 रुपये जैसे अलग-अलग कीमत वाले बैंक नोटों में से सिर्फ़ 100 रुपये वाले नोट पर ही नेपाल का नक्शा है बाकी के नोटों पर नहीं है। वहीं भारत का दावा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा तीनों ही भारत के हैं नेपाल इसे गलत तरीके से प्रदर्शित कर रहा है। भारत ने साल 2020 में नेपाल की इस हरकत के लिए चेतावनी भी दी थी कि किसी भी सूरत में भारत नेपाल के इस कृत्रिम विस्तार को मंजूरी नहीं देगा।

नेपाल के नए 100 रुपये के बैंक नोट के बाईं ओर माउंट एवरेस्ट है, जबकि दाईं ओर नेपाल के राष्ट्रीय फूल रोडोडेंड्रोन का वॉटर मार्क है। बैंक नोट के बीच में बैकग्राउंड में नेपाल का हल्का हरा रंग का नक्शा छपा है। नक्शे के पास अशोक स्तंभ भी छपा है जिस पर भगवान बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी लिखा है। बैंक नोट के पीछे एक सींग वाले गैंडे की तस्वीर है। बैंक नोट में एक सिक्योरिटी थ्रेड और एक उभरा हुआ काला डॉट भी है, जिससे अंधे लोग इसे पहचान सकते हैं। नेपाल भारत के पांच राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा रेखाओं में 1850 किमी से ज़्यादा हिस्सा अपना होने का दावा करता है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने नेपाल सरकार के इस कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे कृत्रिम विस्तार तथा ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत बताया है और यह मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव ने स्थिति को जटिल बना दिया है और चीन के प्रभाव में ही नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकारें भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे रही हैं।

नेपाल का यह रवैया भारत के लिए तो चिंता का विषय है ही नेपाल के लिए भी हितकर नहीं है। जब भी वहां कोई प्राकृतिक संकट पैदा होता है तो सबसे पहले भारत ही उसकी सहायता के लिए आगे आता है। लिहाजा वहां जितनी जल्दी परिपक्व फैसले लेने वाली सरकार बने उतना ही दोनों देशों के संबंधों के लिए बेहतर होगा।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता बचपन

ललित गर्ग

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है। यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेउसा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेउसा का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं में कमी पाए जाने पर तुरंत सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने ओपीडी, लेबर रूम, एचआरपी रजिस्टर, गोल्डेन चेन कक्ष, टीकाकरण काउंटर, एनबीएसयू एवं केएमसी वार्ड का निरीक्षण किया। चिकित्सक, फार्मासिस्ट, नर्स और सफाई कर्मियों की ड्यूटी की जानकारी ली। गंदी बेडशीट, सफाई में कमी और रजिस्टर में त्रुटियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कर्मचारियों का ड्यूटी रजिस्टर तैयार करने और रजिस्टर में कमी मिलने पर नोटिस, चेतावनी और वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मरीजों से वार्ता कर उनकी स्थिति और भोजन की गुणवत्ता जानी। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी निरीक्षण में उपस्थित रहे।

डीएम ने उर्वरक वितरण व्यवस्था का किया निरीक्षण

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने बीपैक्स-थानगांव उर्वरक दुकान का औचक निरीक्षण कर किसानों से उनकी पासबुक और खाद शुल्क की जानकारी ली। 150 किसानों की पासबुक न होने पर जिला कृषि अधिकारी को अभियान चलाकर पासबुक बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद स्टॉक व शेष स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया और महीने के अंत में रजिस्टर अद्यतन करने के निर्देश दिए।

डीएम ने विकास खण्डों के कार्यक्रमों की समीक्षा की

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सभी खंड विकास अधिकारियों को कार्यक्रमों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आवास योजना, अन्नपूर्णा भवन, एमडीएम शेड और मनरेगा पार्क जैसे निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने एवं लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देने पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस पर डीएम-एसपी ने की जनसुनवाई, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

सीतापुर। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर. एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने थाना रेउसा में जनसुनवाई की। इस दौरान फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित, न्यायोचित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने राजस्व विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आपसी विवादों में शीघ्र कार्यवाही तथा संवेदनशील मामलों में नियमानुसार निरोधात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। महिला अपराधों, भूमि विवादों और अवैध कब्जों से जुड़े मामलों के प्राथमिकता से निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही थाना समाधान दिवस रजिस्टर में शिकायतों के निस्तारण का पूरा विवरण दर्ज करने और सभी अभिलेख अद्यतन रखने की हिदायत दी गई। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रेउसा केजीबीवी में छात्राओं की बीमारी का मामला

समिति ने की पड़ताल, रिपोर्ट सौंपी

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

रेउसा विकासखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में गुरुवार को छात्राओं के बीमार पड़ने की घटना ने जिला प्रशासन को पूरी तरह सतर्क कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. द्वारा गठित जांच समिति ने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी है। सीडीओ सीतापुर की अगुवाई में गठित इस जांच समिति ने विद्यालय परिसर के हर हिस्से का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह पाया गया कि विद्यालय परिसर कई भागों में विभाजित है, जिसमें पुराना और नवीन छात्रावास भवन शामिल हैं। वर्तमान में सभी छात्राएं नवीन छात्रावास भवन में निवास कर रही हैं। जांच के उपरांत समिति ने अपनी प्राथमिक रिपोर्ट में बताया कि बीमार छात्राओं में पाए गए लक्षणों और चिकित्सकीय परामर्श के आधार पर फूड प्वाइजनिंग की संभावना कम प्रतीत होती है। हालांकि समिति ने इस बात से इनकार नहीं किया कि अस्वच्छ अथवा प्रदूषित पानी के सेवन से छात्राओं की तबीयत बिगड़ी हो सकती है। समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि विद्यालय में उपयोग किया जा रहा पानी दूषित हो सकता है। पानी के नमूने को जल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जांच के लिए भेजा गया है, वहीं भोजन के नमूने और छात्राओं के स्टूल सैंपल भी प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इन सभी की जांच रिपोर्ट आने में कुछ दिन लग सकते हैं। रिपोर्ट आने तक विद्यालय में अतिरिक्त सतर्कता बरतने, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने और छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ छात्राओं में खांसी, गले में दर्द और घबराहट जैसे लक्षण दिखाई दिए हैं, जो एलर्जिक संक्रमण या परीक्षा से जुड़े मानसिक दबाव के कारण भी हो सकते हैं। प्रशासन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रहा है।

भावुक पल: देर रात अस्पताल पहुंचे डीएम, बच्चियों का हाल पूछा और रुके रहे

गुरुवार को जहां शुरुआत में आठ छात्राएं बीमार हुई थीं, वहीं शुक्रवार को जांच समिति के विद्यालय पहुंचने के दौरान ही पांच और छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जिससे कुल बीमार छात्राओं की संख्या 13 हो गई। देर रात जब जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. को इस बात की जानकारी मिली तो वे बिना देर किए जिला अस्पताल पहुंच गए। चिल्ड्रन वार्ड में भर्ती बच्चियों से मिलते समय डीएम भावुक नजर आए। उन्होंने एक-एक छात्रा से बात की, उनके सिर पर हाथ रखा, हालचाल पूछा और चिकित्सकों से उनके उपचार की पूरी जानकारी ली। डीएम ने चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी बच्ची के इलाज में कोई कमी न रह जाए। उन्होंने कहा कि जब तक सभी छात्राएं पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जातीं, तब तक प्रशासन चैन से नहीं बैठेगा। डीएम ने भरोसा दिलाया कि मामले की वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेउसा केजीबीवी की इस घटना के बाद अभिभावकों में चिंता का माहौल है, लेकिन जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और छात्राओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

संदना में उम्मीद काउंसिलिंग कॉर्नर का हुआ शुभारंभ

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोंदलामऊ के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संदना में शनिवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु 'उम्मीद काउंसलिंग कॉर्नर' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. धीरज मिश्रा ने फीता काटकर सुविधा का शुभारंभ किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि परिवार नियोजन पर जागरूकता बढ़ाकर दंपतियों को सही उम्र में शादी, 20 वर्ष के बाद पहला बच्चा, दो बच्चों में तीन साल का अंतर रखने तथा दो बच्चों के बाद स्थाई विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम हो सके। पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के कंसल्टेंट हेमेंद्र चैबे ने बताया कि उम्मीद परियोजना राज्य के सात जिलों में संचालित है और फ्रंटलाइन वर्कर्स की क्षमता वर्धन के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

इस अवसर पर डॉ. वैशाली गुप्ता, एएनएम नीलम और कविता, फार्मासिस्ट मनोज कुमार गुप्ता एवं लैब टेक्नीशियन सुरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

कमलापुर चीनी मिल में हादसा थर्ड फ्लोर से गिरा मजदूर-हड़कंप

- रीढ़ की हड्डी टूटी, प्रबंधन की संवेदनहीनता उजागर

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

एन.आर. इन्फाकॉन प्रा. लि. द्वारा शुगर फैक्ट्री का संचालन संभाले जाने के बाद कार्य तो तेजी से चल रहा है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे नजर आ रही है। फैक्ट्री के ई-ब्लॉक में कार्यरत आर.ए. कंपनी का मजदूर सुमित सिंह ड्यूटी के दौरान थर्ड फ्लोर से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मजदूर की रीढ़ की हड्डी टूट गई, जिसके बाद उसे तत्काल हिंद हॉस्पिटल, मऊ में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा फैक्ट्री में मजदूरों की जान के साथ हो रहे खुले खिलवाड़ को उजागर करता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि इतने गंभीर हादसे के बावजूद फैक्ट्री के सीजीएम सहित कोई भी वरिष्ठ अधिकारी घायल मजदूर का हाल जानने अस्पताल तक नहीं पहुंचा। इस अमानवीय रवैये से फैक्ट्री में कार्यरत मजदूरों और ठेकेदारों में भारी रोष है। मजदूरों का कहना है कि वर्तमान प्रबंधन न मजदूरों के प्रति संवेदनशील है और न ही किसानों व स्थानीय लोगों के प्रति। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर और आसपास के क्षेत्रों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मजदूर स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि यदि समय रहते सुरक्षा इंतजाम होते, तो यह हादसा टल सकता था।

बिना सुरक्षा उपकरण मजदूरी, श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन : कमलापुर चीनी मिल में कार्यरत अधिकांश मजदूर और वर्कर बिना किसी सुरक्षा उपकरण जैसे सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, सेफ्टी शूज और गार्ड रेलिंग के ऊंचाई पर काम करने को मजबूर हैं। मिल प्रशासन और ठेकेदारों द्वारा सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए, जो श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन है। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिला श्रम अधिकारी की मिल परिसर में विजिट सिर्फ जीएम के केबिन तक ही सीमित रहती है। मजदूरों के कार्यस्थलों, ऊंचे फ्लोर, मशीनों और सुरक्षा इंतजामों की कभी गंभीर जांच नहीं होती। यही कारण है कि ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं।

अब सवाल यह उठता है कि : क्या किसी बड़े हादसे या मजदूर की जान जाने के बाद ही प्रशासन जागेगा?

और कब तक मजदूर बिना सुरक्षा अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते रहेंगे?

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी

पायनियर, सीतापुर। जनपद सीतापुर में एक अधिवक्ता को मुकदमे की पैरवी करने पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित अधिवक्ता अर्चित श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना-पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अर्चित श्रीवास्तव, निवासी सुंदर नगर सेक्टर-ए, नैपालापुर, थाना कोतवाली देहात, सिविल कोर्ट सीतापुर में अधिवक्ता हैं। उनका आरोप है कि वह एक मुकदमे की पैरवी कर रहे थे, जिसे छोड़ने के लिए विपक्षी पक्ष लगातार दबाव बना रहा था। 12 दिसंबर 2025 की रात करीब 9:10 बजे अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ छोटू, अमन श्रीवास्तव उर्फ हर्षित तथा दो अज्ञात लोग उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मुकदमे की पैरवी न करने की धमकी दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

परचून की दुकान से 70 हजार की चोरी

पायनियर, इमलिया सुल्तानपुर/सीतापुर। क्षेत्र में शुक्रवार रात चोरों ने एक परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान का ताला तोड़कर करीब 12 हजार रुपये नकद और हजारों रुपये का कीमती सामान चुरा ले गए। दुकान मालिक देवकीनंदन के अनुसार कुल नुकसान लगभग 70 हजार रुपये का है। शनिवार सुबह पंखुड़ी पेट्रोल पंप, निजामपुर के एक कर्मचारी ने दुकान का मुख्य ताला टूटा और शटर आधा खुला देखा। अंदर जाकर जांच करने पर काउंटर में रखा नकद और अन्य सामान गायब मिला। देवकीनंदन ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार शाम रोज की तरह दुकान बंद कर सारा नकद काउंटर के लॉकर में रखा था, लेकिन चोर सीधे लॉकर तक पहुंच गए। चोरी हुए सामान में गुटखा, तेल के पीपे, तीन बोरी दाल और अन्य महंगी उपभोक्ता वस्तुएं शामिल हैं।

शीतलहर के चलते बदला स्कूलों का समय

पायनियर, सीतापुर। बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर विद्यालयों के समय में बदलाव किया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त एवं सहायता प्राप्त विद्यालय अब सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित किए जाएंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। बीएसए ने बताया कि अत्यधिक ठंड और घने कोहरे के कारण विशेषकर छोटे बच्चों को सुबह के समय विद्यालय आने-जाने में कठिनाई हो रही थी। बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सभी विद्यालयों को बदले हुए समय का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने कान के झाले नोचे

पायनियर, इमलिया सुल्तानपुर/सीतापुर। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के अंतर्गत चैकी काजी कमालपुर इलाके में दिनदहाड़े हुई झपटमारी की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। बंजरिया भट्टे के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के कानों से झाले नोच लिए और फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार काजी कमालपुर की ओर से आ रही सुनीता देवी पत्नी कौशल अपने बच्चे के साथ थाना मितौली, जनपद लखीमपुर खीरी स्थित अपने गांव मझगवां जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने चलती बाइक से झपट्टा मारकर महिला के कानों में पहने सोने के झाले नोच लिए। अचानक हुई वारदात से महिला सड़क पर गिरते-गिरते बची, जबकि बदमाश मौके से तेजी से फरार हो गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1.96 लाख से अधिक वादों का निस्तारण

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीतापुर के तत्वावधान में माननीय जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुलदीप सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 1,96,758 वादों का सफल निस्तारण किया गया। यह आंकड़ा पिछली लोक अदालतों की तुलना में 44.7 प्रतिशत अधिक रहा। लोक अदालत का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर न्यायाधीशों की उपस्थिति में समाज कल्याण एवं दिव्यांग विभाग के चिन्हित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व ट्राईसाइकिल वितरित की गईं। साथ ही जेल बंदियों द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्लास्टिक बोतल बैंक का उद्घाटन भी किया गया। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण द्वारा 74 मामलों में 3.69 करोड़ रुपये का एवार्ड दिया गया। बैंकों व वित्तीय संस्थानों के 1940 प्री-लिटिगेशन मामलों में 8.43 करोड़ रुपये की वसूली हुई। राजस्व, विकास, नगर निकाय और अन्य विभागों सहित विभिन्न न्यायालयों में हजारों मामलों का निस्तारण किया गया। कुल मिलाकर, इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से 13.52 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि से जुड़े मामलों का समाधान हुआ, जिससे न्याय की सुलभता और त्वरित समाधान का उद्देश्य साकार हुआ।

दहेज की मांग पर शादी से इनकार

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

महमूदाबाद कोतवाली इलाके में इवरीक्षा के सात माह बाद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर वर पक्ष द्वारा शादी से इनकार करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाराबंकी जनपद के बड्डूपुर क्षेत्र की एक युवती ने बताया कि उसकी शादी करीब सात माह पूर्व बाबाकुटी करीमगंज निवासी जोगेंद्र मौर्या पुत्र वीरेंद्र के साथ तय हुई थी। वरीक्षा कार्यक्रम में लड़की पक्ष ने नकदी सहित करीब 40 हजार रुपये का सामान उपहार में दिया था। आरोप है कि वरीक्षा के बाद जोगेंद्र लगातार बात करता रहा, लेकिन अब अतिरिक्त दहेज के लिए उसके परिजन शादी तोड़कर कहीं और रिश्ता तय कर रहे हैं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। कोतवाल अनिल सिंह ने बताया कि जोगेंद्र, उसकी मां संतोषी देवी समेत अन्य के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन

- ट्रेडिशन्स मीट टुमॉरो' थीम ने बांधा समां

पायनियर संवाददाता। सीतापुर

मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ किया गया। समारोह की प्रेरणादायी थीम ट्रेडिशन्स मीट टुमॉरो रही, जिसमें भारतीय परंपराओं और आधुनिक सोच का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि यतेन्द्र अवस्थी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना की मनोहारी प्रस्तुति से हुई। इसके बाद छात्रों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फ्यूजन डांस में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। वहीं, रामायण प्रसंग और मोबाइल एडिक्शन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने बच्चों की मासूमियत और वर्तमान समय की चुनौतियों को प्रभावी ढंग से मंच पर उतारा। शिवतांडव की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक उत्साह से भर दिया। इसके पश्चात चार युग सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुगकृका सजीव मंचन छात्रों ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। एकलव्य-द्रोणाचार्य प्रसंग के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा, समर्पण और त्याग का संदेश भी सशक्त रूप से दिया गया। इंडो-वेस्टर्न क्लासिकल डांस में भारतीय शास्त्रीय मुद्राओं और पश्चिमी लय का अनोखा मेल देखने को मिला। सिम्फनी बैंड की मधुर धुनों और छात्रों की गायन प्रस्तुति ने श्रोताओं का दिल जीत लिया। राजस्थानी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हुए कपल फोक डांस में घूमर और चकरी की रंगारंग छटा ने तालियों की गूंज से सभागार भर दिया। देशभक्ति से ओतप्रोत पैट्रियॉटिक डांस ने राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल किया और दर्शकों को भावुक कर दिया। दादा-दादी और उनके नन्हे-मुन्ने बच्चों की भावनात्मक डांस प्रस्तुति ने पारिवारिक मूल्यों और अपनत्व का संदेश दिया। वहीं, एरियल डांस और रैडियम डांस ने मंच पर रोमांचक और आकर्षक दृश्य प्रस्तुत कर सभी को चकित कर दिया। समारोह के अंत में विद्यालय की संस्थापिका मोनिका आनंद ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा, शिक्षकों की निष्ठा, अभिभावकों के सहयोग और अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति का परिणाम है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें संस्कृति, परंपरा व आधुनिक सोच के संतुलन से जोड़ते हैं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमामय वातावरण में हुआ।

20 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता। तंबौर /सीतापुर

थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई मामलों में वांछित 20 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ग्राम समोदीडीह निवासी रियाज पुत्र जलील के रूप में हुई है, जो लहरपुर कोतवाली में गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलापों से जुड़े मुकदमों में लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार को ग्राम समोदीडीह के पास घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। रियाज पर जनपद सीतापुर के थाना लहरपुर सहित गैरजनपद बाराबंकी में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिस कारण वह पुलिस की लगातार तलाश में था।

प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय भेजा जा रहा है। इस सफल गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और पुलिस की सक्रियता को एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तारी टीम में एसएचओ बृजेश कुमार राय के साथ हेड कांस्टेबल रहनुल असीम, कांस्टेबल मनीष राणा, कांस्टेबल रिंकू भाटी एवं कांस्टेबल ओमवीर शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अपराधिक गतिविधियों से दूर रहें बरवार समाज : अमित

❖ बरवार समाज के उत्थान एवं कल्याण हेतु आईजी ने स्थापित किया संवाद

❖ आत्मनिर्भर बनने के लिए किया जागरूक

पायनियर संवाददाता। गोंडा

शनिवार को पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन रेंज अमित पाठक द्वारा थाना मनकापुर क्षेत्र के दिलीपपुरवा भिटौरा गांव में बरवार समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिए आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि अपराध को किसी भी दशा में सही नही सिद्ध किया जा सकता है। मेहनत, ईमानदारी और अपनी क्षमताओं का विस्तार करके ही गरीबी और अशिक्षा से बाहर निकला जा सकता है। उन्होंने कहा कि मेहनत, शिक्षा और ईमानदारी ही हमे शिखर तक पहुँचाने का एकमात्र रास्ता है। बरवार समाज के लोगों को समाज के ऐसे लोगों का बिल्कुल भी समर्थन नही करना चाहिए, जो अपराधों और अन्य गलत कार्यों में संलिप्त रहते हैं। क्योंकि इसमें कभी भी भयमुक्त जीवन नही जिया जा सकता है। ऐसी गतिविधियों का नकारात्मक असर परिवार के छोटे-छोटे बच्चों पर पड़ता है। जिससे भविष्य में बच्चों की अपराधिक गतिविधियों से जुड़ने की सम्भावना बनी रहती है। उन्होंने बरवार समाज को जागरूक करते हुए कहा कि हमे अपने बच्चों को प्रत्येक दशा में स्कूल भेजना है। बच्चों की बेहतर शिक्षा देना ही हमारा पहला लक्ष्य होना चाहिए। आईजी ने नवयुवकों को जागरूक करते हुए कहा कि अपराध से बहुत दूर रहना है। कहा कि सफलता के अनेकों प्रयास करने पड़ सकते हैं, लेकिन हारने जैसी मानसिकता से सभी को बचना चाहिए। आईजी ने बरवार समाज के लोगों को मिशन शक्ति अभियान की उपयोगिता एवं सहायता नंबरों, महिलाओं, बच्चों, नवयुवकों एवं बुजुर्गों के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस महानिरीक्षक ने आश्वस्त किया कि बरवार समाज के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास एवं सहयोग किए जाएंगे। उन्होंने समाज के नवयुवकोंध्बालिकाओं को खेलों में प्रतिभाग करने हेतु क्रिकेट बैट, बॉल, स्टंप, फुटबाल आदि खेल सामग्री भी प्रदान किया।

मारपीट में दो घायल कई के खिलाफ रपट

कादीपुर- सुलतानपुर। दो पक्षों में हुई मारपीट में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर तीन नामजद एवं कुछ अज्ञात के विरुद्ध क्रॉस केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के मखदुमपुर के संदीप शर्मा शुक्रवार को दिन में तीन बजे सरैया बाजार से वापस आ रहे थे। आरोप है कि तभी विपक्षी अपने कुछ साथियों के साथ उन्हें अपने घर बुलाकर लाया। विपक्षियों ने धारदार हथियार एवं लाठी डंडे से मारा पीटा एवं उनकी बाइक तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे उसे गंभीर चोट आई। उधर राहुल निषाद का आरोप है कि की वह अपने घर पर बैठा था। तभी विपक्षी अपने कुछ साथियों के साथ बाइक से उनके घर गए। उन्हें गाड़ी पर बैठकर कुछ दूर ले जाकर कट्टा के बट एवं पंच से मारना शुरू कर दिए।

संक्षिप्त समाचार

सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का चिंतन ही हिंदू धर्म हैं : मुख्य वक्ता श्रीप्रकाश

पायनियर, अमेठी। शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर भादर खण्ड के कल्याणपुर मंडल में बीएसबी इंटरमीडिएट कॉलेज दसईपुर में हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी यात्रा के सौ वर्ष पूरा कर रहा है। संघ अपने इस शताब्दी वर्ष पर जगह जगह कार्यक्रम करते हुए समाज में अनेकों विकासात्मक परिवर्तन की बात करते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए भी प्रयत्नशील है। शनिवार को भादर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी ने कहा कि संघ 100 वर्षों से संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करके राष्ट्रहित में अनवरत कार्य कर रहा है। संघ शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में परिवर्तन करने का कार्य भी संघ कर रहा है। मुख्य अतिथि हरिओम महराज ने कहा कि हिंदू समाज धर्मांतरण से बचे और अपने सुपरिचित को भी धर्मांतरण होने से बचाएं। विशिष्ट अतिथि किरण सिंह, रेखा विश्वकर्मा, संतोष सिंह ने हिंदू धर्म के एकता के लिए प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रचारक पवन जी , जिला कार्यवाह इंद्रजीत जी, खण्ड कार्यवाह संतोष जी, सत्यदेव सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, के साथ सैकड़ो की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भारत माता की आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से 45 वर्षीय इलियास की मौत, फुरसतगंज पुलिस जांच में जुटी

पायनियर,अमेठी। अमेठी जिले के फुरसतगंज थाना क्षेत्र में लखनऊ-प्रतापगढ़ रेलखंड पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आने से मोहम्मद इलियास (45 वर्ष) पुत्र यार मोहम्मद खान, निवासी खालिसपुर, की मौत हो गई। यह दुर्घटना रेल पोल संख्या 981/33-981/32 के बीच हुई, जहाँ इलियास का शव ट्रैक के पास मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर फुरसतगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल हादसे के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है, वहीं पुलिस इस मामले को संदिग्ध मानकर विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

मेले में मां से बिछुड़ा बच्चा पुलिस ने मिलवाया

पायनियर, संग्रामपुर, अमेठी । शुक्रवार को शाम 4 बजे थाना संग्रामपुर क्षेत्र स्थित कालीमाई मेले में तीन वर्षीय मासूम अपनी मां से बिछड़ गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ऑपरेशन मुस्कान के तहत बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिलवाया। मेला प्रभारी उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह ने बताया कि परसौली, थाना अमेठी निवासी विनोद गुप्ता की पत्नी राधा गुप्ता अपने रिश्तेदारों के साथ तीन वर्षीय अनुरुद्ध गुप्ता को लेकर मेले में आई थीं। इसी दौरान भीड़भाड़ में बच्चा उनसे बिछड़ गया और रोते-बिलखते अपनी मां को खोज रहा था। गश्त कर रही पुलिस टीम ने बच्चे को संभाला और मेले की पुलिस चौकी पर ले जाकर सुरक्षित रखा। इसके बाद लाउडस्पीकर से घोषणा कराई गई और बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू की गई। करीब डेढ़ घंटे में बच्चे की मां पुलिस चौकी पहुंची और अपने खोए हुए मासूम को पाकर भावुक हो उठीं। उन्होंने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की। इस दौरान हेड कांस्टेबल राजबहादुर यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे।

यज्ञ एवं भंडारे का हुआ आयोजन

पायनियर, अमेठी। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सेहद बाबा आश्रम पर यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। रविवार को होने वाले वृहद भंडारे की तैयारियां जोरों पर है। टीकरमाफी के सेहद बाबा आश्रम पर चल रहे श्रीमद भागवत कथा के समापन के बाद राम चरित मानस के पाठ का शुभारंभ हुआ है। पाठ के समापन के उपरांत रुद्राभिषेक के साथ ही यज्ञ का आयोजन है। रविवार को भंडारे का आयोजन है। भंडारे में दूरदराज के साथ ही आसपास के श्रद्धालु भंडारे ने शामिल होंगे। सेहद बाबा धर्मार्थ ट्रस्ट के श्यामलाल, राम अवतार व ज्वाला प्रसाद प्रजापति ने बताया कि रविवार को आयोजित होने वाले भंडारे की तैयारियां पूरी हो गई हैं।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

पायनियर, मुसाफिरखाना, अमेठी । कोतवाली क्षेत्र के मुसाफिरखाना गौरीगंज मार्ग तिराहा निकट अचानक बाइक से सड़क पर गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस विधिक कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर पी एम हेतु जिला अस्पताल भेजवाया। शनिवार को कुर्मी का पुरवा शाहगंढ़ थाना मुंशीगंज निवासिनी रेनू देवी उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी सदन गुप्ता बाइक से अपने भाई राम सजीवन के साथ जा रही थी कि क्षेत्र के मुसाफिरखाना गौरीगंज मार्ग तिराहा निकट अचानक बाइक से गिर गयी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी आसपास के लोगों के सहयोग से उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने रेनू देवी को मृत घोषित कर दिया सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस विधिक कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

थाना समाधान दिवस आयोजित

पायनियर, करनैलगंज, गोंडा। कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय, राजस्व निरीक्षक राम बहादुर पांडेय व चैरी कानूनगो ईश्वर शरण तिवारी की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस के तहत जनसुनवाई की गई। इस दौरान कुल 9 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 8 राजस्व व 1 पुलिस से संबंधित थी। किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। जनसुनवाई में पीड़ित राजेंद्र प्रसाद अवस्थी ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2017 में गाटा संख्या 345 की भूमि का बैनामा कराया था। दाखिल-खारिज के बाद वह भूमि पर काबिज भी थे, लेकिन अब विपक्षी पूनम देवी उसी भूमि पर स्वामित्व जताते हुए दावा कर रही हैं कि उन्होंने यह भूमि वर्ष 2016 में ही बैनामा ले ली थी। पीड़ित का आरोप है कि विक्रेताओं ने जलसाजी कर एक ही भूमि का दो लोगों के नाम बैनामा कर दिया।

अमन यादव हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

चांदा थाना क्षेत्र के साढ़ापुर निवासी अमन यादव की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीती रात पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि छह दिसंबर को अमन यादव की हत्या के मामले में चांदा थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि कुछ आरोपी फरार चल रहे थे। शुक्रवार रात पुलिस को सूचना मिली कि इस हत्याकांड से जुड़े दो आरोपी मोटरसाइकिल से क्षेत्र से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं।सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी पवन यादव के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से पकड़ लिया, जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

सड़क हादसे में हुई मौत मामले में मुकदमा

कादीपुर- सुलतानपुर । बाइक की टक्कर से हुई मौत के मामले में पुलिस ने बाइक चालक के विरुद्ध नामजद केस दर्ज किया है। दोस्तपुर थाने के नागनाथपुर दुलहापुर निवासी संजय निषाद विगत 8 दिसंबर को बाइक से अपने ननिहाल अलीपुर जा रहे थे। वह जैसे ही खालिसपुर मुबारकपुर गांव के पास पहुंचे। तभी सामने से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल संजय निषाद की मौत हो गई । उनकी बाइक पर बैठे अमर सिंह प्रजापति को भी गंभीर चोटे आई। मृतक के पिता रामदेव की शुक्रवार को दी गई तहरीर पर पुलिस ने खालिसपुर मुबारकपुर गांव के बाइक चालक श्रवण के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर लिया है।

ए आई से बदल रही है दुनियाँ की तस्वीर : उमेश शाह

❖ एलबीएस कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार संपन्न

पायनियर संवाददाता। गोंडा

साइंस एंड टेक्नोलॉजी के युग में ए आई जैसी नई तकनीक ने क्रांति ला दी है। समुद्र की गहराई से अंतरिक्ष तक, इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, उद्यमिता, बिजनेस सभी क्षेत्रों में ए आई का प्रयोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल लिटरेसी की ओर उन्मुख होना होगा। उक्त बातें श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के ललिता शास्त्री सभागार में व्यापार एवं अर्थव्यवस्था के भविष्य को संवारता ए आई, उद्यमिता एवं सतत विकास विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रबंध तंत्र के सचिव उमेश शाह ने कही। उन्होंने आगे कहा कि ए आई से आज दुनियाँ की तस्वीर बदल रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य प्रो. बी.पी. सिंह ने किया। आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह ने समापन समारोह में आए सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर किया। उन्होंने भौतिक विज्ञान विषय में ए आई की दक्षता एवं उद्यमिता के भविष्य पर प्रकाश डाला। बीबीए विभागाध्यक्ष डॉ. शैलजा सिंह ने मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्मृति शिशिर ने किया। समापन समारोह से पहले तृतीय टेक्निकल सत्र में डॉ. अनूप सिंह, अध्यक्ष डामा न्यूजीलैंड ने कंप्यूटर विजन, मशीन लर्निंग, रोबोटिक, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, नवाचार विषय पर विस्तार से चर्चा किया।

नोडल अधिकारी ने करनपुर में आयोजित ग्राम चौपाल में सुनीं लोगों की समस्याएं

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

नोडल अधिकारी जनपद, प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उप्र शासन सुभाष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में विकास खण्ड बछरावां की ग्राम पंचायत करनपुर में विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु ग्राम चैपाल का आयोजन किया गया। चैपाल में नोडल अधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समस्या के समाधान के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने अब तक की गई कार्यवाहियों की भी समीक्षा की। उन्होंने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित कराया जाये कि सभी पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ मिलें कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित न रहे। चैपाल में ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छ पेयजल कार्यक्रम, राशन वितरण प्रणाली, पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उप्र स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन योजना-ग्रामीण, राज्य, केन्द्रीय वित्त योजना, मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित आदि योजनाओं पर चर्चा की गयी।

प्रधान और उसके पुत्र पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश

सुलतानपुर। लंभुआ थाना क्षेत्र के करनपुर ग्राम प्रधान प्रसून मालवीय और उसके पुत्र शाश्वत मालवीय के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। गांव के ओम प्रकाश पाण्डेय ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय के जरिए कोर्ट में याचिका दायर कर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि बीते 10 अगस्त को ग्राम प्रधान और उसके पुत्र ने ट्यूबवेल की पाइप तोड़ दी, कमरे में घुसकर धक्का देकर गिरा दिया और और गाली गलौज कर हत्या की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो कोर्ट में याचिका दाखिल हुई। साक्ष्यों और अधिवक्ता के तर्कों के आधार पर कोर्ट ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने का आदेश लंभुआ थानाध्यक्ष को दिया है।

मेडिकल कॉलेज में बुजुर्ग महिला की मौत से हंगामा

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

राजकीय मेडिकल कॉलेज से शनिवार को बड़ी और गंभीर खबर सामने आई है। इलाज के अभाव का आरोप लगाते हुए परिजनों ने मेडिकल कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा किया। शुक्रवार शाम भर्ती कराई गई एक बुजुर्ग महिला की शनिवार सुबह मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला पूरी रात दर्द से तड़पती रही, लेकिन न तो कोई डॉक्टर देखने आया और न ही समुचित उपचार उपलब्ध कराया गया।कादीपुर क्षेत्र के शोधनपुर निवासी बेबी ओझा ने बताया कि उनकी मां को शुक्रवार शाम करीब चार बजे लगातार उल्टियों की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि प्रारंभिक तौर पर मामूली उपचार के बाद महिला को चतुर्थ तल पर छोड़ दिया गया। इसके बाद पूरी रात परिजन डॉक्टरों को बुलाने की गुहार लगाते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक इलाज के लिए नहीं पहुंचा।परिजनों का कहना है कि महिला किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित नहीं थी और समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बचाई जा सकती थी। शनिवार सुबह इलाज के अभाव में बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने शव की सुपुर्दगी लेने से इनकार करते हुए चौथे तल पर हंगामा शुरू कर दिया।

विकास में बहुत पीछे है करनैलगंज : योगेश प्रताप सिंह

पायनियर संवाददाता। गोंडा

सपा के पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह का जन्मदिन शनिवार को उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया। कटहल बगिया पिपरी में आयोजित समारोह में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने केक काटकर हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया। इस मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री को मालाएं पहनाकर एवं बुके भेंट कर बधाई दी।

संबोधन में योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि वे आगामी चुनाव भी विकास के मुद्दे पर ही लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गोंडा की लाइफ लाइन कहे जाने वाले सरयू व घाघरा पुलों का निर्माण भी अधर में लटका है। इन पुलों पर आए दिन खराबी आने से अक्सर जिले का लखनऊ से संपर्क टूट जाता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में निर्मित पालीटेक्निक, आईटीआई और कृषि महाविद्यालय जैसे संस्थान आज बदहाल स्थिति में हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जनता को विकास के मुख्य मुद्दों से भटका रही है।

बीट हाउस बन तो गए, पुलिस की गैर मौजूदगी से निराशा

कूरेभार-सुलतानपुर। जनपद पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में बीट हाउस बनवाए गए थे। उद्देश्य था कि क्षेत्र में होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं पर पुलिस तुरंत पहुंचकर समाधान कर सके और पीड़ित व्यक्ति बीट हाउस आकर आसानी से अपनी शिकायत दर्ज करा सके। सुरक्षा की दृष्टि से इन बीट हाउसों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं, लेकिन पुलिसकर्मियों की नियमित मौजूदगी न होने से ये इमारतें मुंह चिढ़ाती नजर आ रही हैं। कूरेभार थाना क्षेत्र के मुजेश गांव में बना बीट हाउस इसका जीता-जागता उदाहरण है। स्थानीय ग्रामीण जग्गी प्रसाद, पुन्नीलाल और शीतला प्रसाद ने बताया कि यह बीट हाउस कभी खुलता ही नहीं। यहां ताला लटका रहता है और पुलिस का कोई कर्मचारी दिखाई नहीं देता।

प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ पहुंचाया जाए : प्रमुख सचिव

❖ सभी विभाग अपने वार्षिक लक्ष्य को समय से पूरा कराएं

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उप्र शासन, नोडल अधिकारी जनपद सुभाष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर उपलब्ध फ्लैगशिप योजनाओं, विकासकार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास की समीक्षा करते हुवे निर्देश दिए गए कि स्थायी पात्रता सूची तैयार करवाते समय यह सुनिश्चित कराया जाए कि सर्वे में किसी भी पात्र लाभार्थी का नाम छुटने न पाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि शतप्रतिशत पात्र किसानों को योजना का लाभ दिलाया जाएं। निराश्रित गोवंश की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि यह सुनिश्चित कराया जाए कि शत-प्रतिशत निराश्रित गोवंशो को संरक्षित कराया जाएं। सभी गौशालाओं में ठंड के मौसम को देखते हुवे हवा से बचाने हेतु शेड को चारों तरफ से कवर्ड कराया जाए। मृत गोवांशो का उचित प्रकार से निस्तारण कराया जाए। वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि शतप्रतिशत पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ दिलाया जाए। दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड प्राथमिकता से जारी कराए जाए। जिससे उनको सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुवे निर्देशित किया गया कि रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। खराब ट्रांसफॉर्मरों को नियति समय के अन्तर्गत रिप्लेस कराया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य की प्रगति संतोषजनक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्य की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त आपरेशन कायाकल्प, पीएम आवास शहरी, पीएम विश्वकर्मा योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रमुख सचिव ने समीक्षा करने के पश्चात संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीयवर्ष के तीन माह से बचे है। सभी संबंधित विभाग अपने वार्षिक लक्ष्य को समय से पूर्ण कराए, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित कराए।

पंखे के हुक से झूलती मिली विवाहिता

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

हांसापुर गांव में शनिवार की दोपहर विवाहिता पंखे के हुक से साड़ी के सहारे फांसी के फंदे से लटकती मिली। सूचना पर सीओ जयसिंहपुर आरके चतुर्वेदी, फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच के बाद पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

थाना क्षेत्र के हांसापुर गांव में रमेश कसौधन के बड़े बेटे विजय प्रकाश कसौधन व उनकी बहू जूही (23) गांव मे रहते हैं। इसी मकान में एक कमरा फुल्की बेचने वाले ग्वालियर के रहने वाले नीरज को किराए पर दिए हैं, वह परिवार सहित रहता है। रमेश व उनकी पत्नी विमला देवी पांडेयबाबा बाजार स्थित मकान में रहकर चाय की दुकान चलाते हैं। वहीं मृतका का पति विजय प्रकाश पांडेयबाबा में पान की दुकान चलाता है। घर पर जूही बिटिया के साथ अकेली थी। शनिवार दोपहर में किराएदार नीरज जब बिटिया रो रही थी तो उसकी निगाह पड़ी कमरे का दरवाजा खुला था विवाहिता फंदे से लटक रही थी। नीरज भागते हुए पांडेयबाबा बाजार में दुकान पर विजय प्रकाश उर्फ बबलू को सूचना दिया की तुम्हारी पत्नी फांसी के फंदे से लटकी हुई है, कमरे का दरवाजा खुला है बिटिया वहीं खड़ी होकर रो रही है। विजय करीब पांच सौ मीटर दौड़ते हुए घर पहुंचा तो सन्न रह गया। विजय का विवाह नवंबर माह के 2020 में गोंडा जनपद के इटियाथोक थानांतर्गत हुआ था। सूचना पर मायके से मृतका के पिता पवन कुमार कसौधन अपने बेटे व परिवारजनो के साथ मौके पर शाम को पहुंच गए।

अभी तक उन्होंने कोई शिकायत नहीं दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका अपने पीछे ढ़ाई वर्ष की बिटिया आकृति को छोड़ गई। मौके पर थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा व नायब तहसीलदार कादीपुर अनिल कुमार सिंह ने निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक ने बांटे कंबल

पायनियर संवाददाता। गोंडा

सर्दी के बढ़ते प्रकोप से जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से बलरामपुर फाउंडेशन की इकाई मैजापुर चीनी मिल के सौजन्य से थाना कटरा बाजार परिसर में शनिवार को असहायों में 1000 कम्बलों का वितरण पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के कर कमलों से कराया गया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने बलरामपुर फाउंडेशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सामाजिक जिम्मेदारी के तहत बलरामपुर फाउंडेशन की मैजापुर चीनी मिल प्रबंधन द्वारा लोकहित में किया गया ये कार्य सराहनीय है। चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक मुकेश झुनझुनवाला ने बताया कि पद्मश्री स्व. मीनाक्षी सरावगी के मानव जीवन उत्थान के सपने को साकार करते हुए बलरामपुर फाउंडेशन समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्य कर रहा है, जो भविष्य में भी जारी रहेंगे।

रोजी-रोटी में लगी आग बच्चों का निवाला दुश्वार

बछरावां, रायबरेली। पुवाल व्यवसाईयों के दो ठिकानो पर लगी आग लाखों का पुवाल जलकर हो गया खाक। थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलेंडा और थूलेडी में बीती रात पुवाल व्यवसाईयों के दो ठिकानो पर आग लग गई। जिसमें पु वाल नहीं पूरा व्यवसाय ही जलकर खाख हो गया है। व्यवसाय शुरू करने के लिए धर्मवीर, और मोहम्मद रफीक ने बताया की हम लोगों ने बैंक से कर्ज लिया खेत गिरवी किया, आभूषण गिरवी किया तब जाकर बच्चों का पेट पालने के लिए यह व्यवसाय शुरू किया था। लेकिन किसी ने आग लगा दिया। आग कैसे लगी यह तो जांच का विषय है। फिलहाल हमारा लोगों का व्यवसाय समाप्त हो गया। इसी व्यवसाय से मेरा परिवार चलता था बच्चे रोटी पाए थे लेकिन अब एक जून की रोटी भी मुश्किल पड़ जाएगी।

पूर्व प्रधानाचार्य शिक्षाविद् गिरजा शंकर त्रिवेदी का निधन

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

रायबरेली के सरेनी क्षेत्र के ग्राम पुरे त्रिवेदी निवासी समाजसेवी एवं पूर्व प्रधानाचार्य शिक्षा विद् गिरजा शंकर त्रिवेदी का निधन हो गया है। 96 वर्षीय स्व. त्रिवेदी अपने पीछे दो बेटों शैलेश त्रिवेदी एडवोकेट, पूर्व प्रवक्ता एवं पत्रकार डॉ अशोक त्रिवेदी व दो पुत्र वधुओं, पौत्र डा. अभिषेक त्रिवेदी, आशीष त्रिवेदी, अर्पित त्रिवेदी एवं पौत्र वधुओं समेत भरा पूरा परिवार छोड़कर इस असार संसार से विदा हो गए हैं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को सरेनी क्षेत्र के सिंधौरतारा गंगा तट पर किया गया। पूर्व प्रधानाचार्य गिरजा शंकर त्रिवेदी सरेनी क्षेत्र के सागर खेड़ा ग्राम सभा के 15 वर्षों तक निर्विरोध ग्राम प्रधान रहे। उनका जीवन दीन दुखियों की सेवा पीड़ितों की सहायता व सरेनी क्षेत्र के मुरारमऊ इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर रहते हुए उन्होंने कॉलेज में अनुशासन कायम करते हुए अच्छा शैक्षिक वातावरण बनाया था। जिसके परिणाम स्वरूप कॉलेज का परीक्षा परिणाम हमेशा सर्वोत्तम आता था। सरेनी क्षेत्र में उनकी ख्याति अनुशासनप्रिय व मूर्धन्य विद्वानों में की जाती रही।

ऑटो-ट्रक की टक्कर से तीन की मौत, पांच गंभीर

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। मकूर गांव के पास तेज रफ्तार ऑटो और ट्रक की आमने-सामने की भीषण टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर की तेज आवाज दूर-दराज तक सुनाई दी और कुछ ही पलों में खुशियों से भरी सुबह मातम में बदल गई।सूचना मिलते ही अजगैन और हसनगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को मलबे से बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज भेजा गया। क्षेत्राधिकारी हसनगंज अरविंद कुमार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी की और घायलों को शीघ्र उपचार दिलवाया।इस हादसे में ऑटो सवार 60 वर्षीय पुत्तीलाल लोधी, 45 वर्षीय रमाशंकर निवासी मद्दूखेड़ा अजगैन और एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों की असमय मौत से उनके परिवारों में कोहराम मच गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात चिकित्सक शैलेंद्र अस्थाना के अनुसार, ऑटो चालक मोहम्मद यासीन पुत्र जमील निवासी अजगैन, विमलेश पुत्र बनवारी लाल निवासी गजा खेड़ा सफीपुर और राजेश कुमार पुत्र रज्जू निवासी मौला बंकीपुर हसनगंज की हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं संजय कुमार पुत्र नवल कुमार निवासी ग्वालटोली कानपुर, जो हसनगंज में सफाई कर्मचारी हैं, तथा लाला पुत्र रामचरण निवासी मद्दूखेड़ा का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है और दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।यह दर्दनाक हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही की भयावह कीमत को सामने लाता है। चंद पलों की चूक ने तीन जिंदगियों को हमेशा के लिए छीन लिया और कई परिवारों को गहरे जख्म दे दिए। इलाके में हर आंख नम है और हर जुबां पर बस एक ही सवाल—क्या रफ्तार पर लगाम लगाकर ऐसे हादसों को रोका नहीं जा सकता?

पंचायत भवन बदहाली की गिरफ्त में

बाराबंकी। रामसनेही घाट विकास खंड अंतर्गत बनीकोडर क्षेत्र की ग्राम पंचायत महुलारा में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पंचायत भवन आज खुद बदहाली की कहानी बयां कर रहा है।

जिस भवन को सरकार ने ग्रामीणों के लिए बैठक, विकास योजनाओं की जानकारी और जनसंवाद का केंद्र बनाने का सपना देखा था, वह हकीकत में उपेक्षा और लापरवाही का शिकार नजर आ रहा है ।पंचायत भवन तक पहुंचने के लिए कोई समुचित मार्ग तक नहीं है, जिससे ग्रामीणों को यहां पहुंचने में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। नतीजा यह है कि ग्रामसभा की बैठकों में ग्रामीणों की भागीदारी लगभग न के बराबर रह गई है।

संपूर्ण समाधान दिवस पर एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्या

पायनियर संवाददाता। रामनगर बाराबंकी

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल की मौजूदगी में शनिवार को थाना रामनगर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस से संबंधित तीन तथा राजस्व विभाग से जुड़े चार, कुल सात शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से दो मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागीय कर्मचारियों को सौंपते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। एसपी ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और फरियादियों को समय पर न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

आरटीसी में नियुक्त प्रशिक्षकों की समीक्षा बैठक

श्रावस्ती। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम व क्षेत्राधिकारी लाइन आलोक कुमार सिंह की उपस्थिति में पुलिस लाइन आदेश कक्ष में आरटीसी से संबंधित आईटीआई, पीटीआई एवं आईटीसी प्रभारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आरटीसी में संचालित प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित, अनुशासित तथा परिणामोन्मुखी बनाना रहा।

इस दौरान समस्त आंतरिक एवं बाह्य प्रशिक्षकों से आउटडोर एवं इंडोर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई तथा अब तक कराए गए प्रशिक्षण की समग्र समीक्षा की गई।प्रशिक्षण निदेशालय से प्राप्त समस्त आदेशों एवं निर्देशों से अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों को अवगत कराते हुए उनका अक्षरशः एवं शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

समाजवादी पार्टी के ईमानदार सच्चे सिपाही का निधन, शोक

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता,पूर्व जिला पंचायत सदस्य, पूर्व प्रधान हाजीपुर सती प्रसाद यादव का शनिवार को एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया ।उनके निधन की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई ।बाराबंकी व अयोध्या जिले में समाजवादी पार्टी के विचारों को जन जन तक पहुंचा रहे थे। सपा नेता सती प्रसाद यादव जमीनी नेता और हर समाज से जुड़े हुए थे ।उनके निधन पर पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुसदी मियां ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि सती प्रसाद यादव जिन्होंने समाजवादी पार्टी परिवार के ईमानदार मजबूत सच्चे सिपाही थे ।उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ अपने जीवन का एक-एक पल समर्पित किया था ।उनके निधन से समाजवादी परिवार शोकाकुल है और सदा रहेगा ।कहा जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई मृत्यु है सती प्रसाद की कमी से क्षति हुई है जिसकी भरपाई होना नामुमकिन ।समाजवादी पार्टी उनके परिवार के साथ हमेशा मजबूती से साथ देने का आश्वासन दिया। यही नहीं पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुसदी मियां पूर्व जिला पंचायत सदस्य सती प्रसाद यादव के पैतृक गांव हाजीपुर पहुंचकर अंतिम संस्कार में शामिल हुए और सती प्रसाद यादव को आखिरी बार उन्होंने कंधा दिया ।उनके अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

निंदूरा बाराबंकी। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा आयोजन के अंतर्गत विकास खंड निंदूरा में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा 813 बच्चों का आवेदन कराया गया था। जिसके सापेक्ष पूरे विकासखंड के दो परीक्षा केन्द्रों - बाबू हरनाथ सिंह सिसोदिया इंटर कॉलेज तथा राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा पर आयोजित की गई । प्रथम परीक्षा केंद्र बाबू हरनाथ सिंह सिसोदिया इंटर कॉलेज में आवंटित 456 बच्चों में से 259 बच्चे उपस्थित रहे तथा द्वितीय परीक्षा केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा में 357 बच्चों में से 185 बच्चों द्वारा उपस्थिति दी गई। अतः कुल 813 बच्चों में से 444 बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। नोडल अधिकारी के रूप में खण्ड शिक्षा अधिकारी, निंदूरा सुषमा सेंगर ने पूरी मुस्तैदी के साथ परीक्षा संपन्न करायी।

आबकारी विभाग ने 17 स्थानों पर की ताबड़तोड़ छापेमारी

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत ज़िलाधिकारी के आदेश पर जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर के निर्देशन मे ग्राम इरशाद नगर, अकबरपुर, आल्हनमऊ थाना टिकैत नगर में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 रामसनेही घाट लक्ष्मीचंद्र पाल और पुलिस चौकी सुखी पुर थाना टिकैत नगर की संयुक्त टीम द्वारा 17 स्थानों पर दबिश दी गई।आबकारी अधिनियम के तहत 65 लीटर शराब बरामद कर तीन अभियोग पंजीकृत करते हुए दो अभियुक्तों को जेल भेजने की करवाई की गई और मौके पर 800 केजी लहन नष्ट करते गए २ भट्ठियों को नष्ट किया गया ।दबिश के दौरान उक्त ग्राम के ग्रामवासियों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया एवं आस पास अवैध शराब के निर्माण/ बिक्री/ परिवहन की गतिविधियों के संचालन होने के बारे में सूचना दिये जाने की भी अपील की गई।

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर हादसा, दो लोग गम्भीर रूप से घायल

पायनियर, बाराबंकी। बहराइच हाईवे पर मसौली थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना मसौली थाने के समीप हुई, जहां एक तेज रफ्तार हाफ डाले ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घायलों में से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सूरतगंज निवासी शेर मोहम्मद और रहिस अली अपने बेटे की शादी की तारीख तय कराने सूरतगंज से सादामऊ जा रहे थे। सादामऊ मोड़ के पास गांव की ओर मुड़ते समय, पीछे से आ रहे हाफ डाले ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित हाईवे पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को सड़क से हटाकर किनारे किया और एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौली पहुंचाया। वहां दोनों का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, एक घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस टक्कर के कारण एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। हाफ डाला टक्कर मारने के बाद आगे निकल गया, लेकिन मोटरसाइकिल सवार युवक सामने जा रही कार से टकरा गए। इससे कार का अगला बोनट और शीशा टूट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद हाफ डाला चालक मौके से फरार हो गया था। हालांकि, मसौली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही देर में हाफ डाले को पकड़ लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है ।उल्लेखनीय है कि मसौली चौराहे से लेकर डुबकी मोड़ तक का यह हाईवे पहले भी कई सड़क हादसों का गवाह रहा है, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

दबंगो ने दलित मां बेटी को पीटा ,केस दर्ज

पायनियर,हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के भेतमुआ गांव निवासी कमलेश कुमारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह पुश्तैनी घर मे बाउंड्रीवाल का निर्माण करवा रही थी तभी विपक्षी गंगा प्रसाद अनुज अंकुल आदि दीवार गिराने लगे ।आरोप है कि विपक्षियों ने पीड़ित कमलेश कुमारी की (पंचायत सहायक)बेटी ने मना किया तो उसे भी मारा पीटा ।कोतवाली प्रभारी अभिमन्यु मल्ल ने बताया केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

किसान महीनों से तौल के लिए चक्कर काटने को हुए मजबूर

पायनियर, रामनगर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के चंदनापुर स्थित बुढ़वल धान क्रय केंद्र पर अव्यवस्थाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्र पर बिचौलियों की बढ़ती सक्रियता से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। हालात यह हैं कि पंजीकरण और टोकन मिलने के बावजूद किसान महीनों से तौल के लिए चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनका धान नहीं खरीदा जा रहा, जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है ।रामनगर तहसील क्षेत्र में बिछलखा, रानीमऊ, लैन सहित करीब आधा दर्जन धान क्रय केंद्र संचालित हैं, लेकिन अधिकांश केंद्रों पर व्यवस्थाएं बेपटरी हैं। चंदनापुर स्थित बुढ़वल धान क्रय केंद्र की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए जाने के बावजूद यहां व्यवस्थाओं में कोई ठोस सुधार नहीं हो सका है ।किसानों का आरोप है कि रजिस्ट्रेशन कराने और टोकन मिलने के बाद जब वे धान लेकर केंद्र पर पहुंचते हैं तो उनके टोकन नंबर के अनुसार खरीद नहीं की जाती। इसके उलट बिचौलिए केंद्र पर हावी रहते हैं और उन्हीं के माध्यम से धान की तौल कराई जा रही है। परिणामस्वरूप कई किसान हफ्तों से धान लेकर केंद्र परिसर में डेरा डाले हुए हैं, लेकिन उनकी बारी नहीं आ पा रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत हुआ आयोजित

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

भिनगा - राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश के अनुपालन में तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश श्रावस्ती राकेश धर दुबे की अध्यक्षता में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश के न्यायालय तथा उनके अधीनस्थ सभी न्यायालयों व जिलाधिकारी के न्यायालय तथा उनके अधीनस्थ सभी न्यायालयों व कार्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रातः 10 बजकर 30 मिनट पर जनपद न्यायाधश राकेश धर दुबे द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण कर एवं ज्योति प्रज्ज्वलन कर सभी न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा समस्त बैंकों के प्रबन्धकों एवं एल0डी0एम0 तथा अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया।

इसी क्रम में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश धर दुबे द्वारा दीवानी न्यायालय श्रावस्ती परिसर में विभिन्न बैंकों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के स्टॉल का निरीक्षण किया गया तथा बैंक के संबंधित कर्मचारीगणों को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराने हेतु निर्देशित भी किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित आनन्द कुमार-।, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, अमित कुमार प्रजापति, अपर जनपद न्यायाधीश, अवनीश गौतम, अपर सत्र न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0 एक्ट)/नोडल अधिकारी रा0लो0अ0 श्रावस्ती, निर्दोष कुमार, अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो)/प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रावस्ती, विनीत कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रावस्ती, गौरव द्विवेदी, सिविल जज (प्र0ख0)/जे0एम0 श्रावस्ती, अरबिंद कुमार मधेशिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रावस्ती, दिलीप कुमार साहनी सिविल जज (प्र0ख0)/एफटीसी/जे0एम0 श्रावस्ती, सुरेश चन्द्र तिवारी, अभियोजन अधिकारी व जुगल किशोर एल0डी0एम श्रावस्ती, समस्त न्यायिक कर्मचारीगण व समस्त बैंक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रदूषण की शिकायत पर मुर्गी फार्म बंद करने की कार्रवाई

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

आसीवन थाना क्षेत्र के रहीमाबाद में संचालित एक मुर्गी फार्म को शनिवार को बंद कर दिया गया ।प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश पर उपजिलाधिकारी सफीपुर शिवेंद्र वर्मा ने आसीवन थानाध्यक्ष के साथ मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की जांच में मुर्गी फार्म से होने वाली गंदगी की शिकायते सही पाई गई थी।

ग्राम प्रधान संतोष सहित राजू सत्ती प्रसाद रामबिलास विमल कुमार मुन्नीलाल गुरूप्रसाद विजय और अभिषेक समेत कई ग्रामीणों ने 8 सितंबर 2025 को जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत की की थी। उन्होंने बताया था कि उन्नाव निवासी अत्तन अली उर्फ अता उल रहमान द्वारा स्थापित इस मुर्गी फार्म की गंदगी के कारण गांव में मक्खियों का प्रकोप बढ़ गया ।ग्रामीणों ने दुर्गंध और विषैली हवा से बीमारियों और महामारी फैलने की भी शिकायत की थी। ग्रामीणों ने पहले सफीपुर और फिर बांगरमऊ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी से शिकायत थी ।इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी महावीर सिंह और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शशि विंदर सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की निरीक्षण के दौरान मुर्गी फार्म में गंदगी पाई गई और संचालक अनुमति पत्र भी नही दिखा सका जांच रिपोर्ट के आधार पर मुर्गी फार्म बंद करने के निर्देश दिए गए थे ।शनिवार दोपहर करीब दो बजे उपजिलाधिकारी शिवेंद्र कुमार वर्मा आसीवन थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मुर्गी फार्म का संचालन पूरी तरह से बंद करा दिया।

मिट्टी निकाल रहे युवक की मौत

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर में मिर्गी का दौरा पड़ने से हुआ हादसा, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शाहजहांपुर के जैतीपुर कस्बे में बहगुल नदी किनारे मिट्टी निकालते समय एक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक को मिर्गी के दौरे आते थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना शुक्रवार की है, जिसका पता शनिवार सुबह चला।

जानकारी के अनुसार, जैतीपुर ग्राम पंचायत के मजरा धीमरपुरा निवासी 55 वर्षीय जयराम शुक्रवार को काम की तलाश में जैतीपुर आया था। वह एक महिला के लिए नदी किनारे गड्ढे से मिट्टी निकालने गया था। मिट्टी निकालते समय उसे मिर्गी का दौरा पड़ गया और वह पानी में गिर गया। आसपास कोई मौजूद न होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस मामले की जांच में जुटी। जयराम अपने बुजुर्ग पिता गोकरन के साथ रहता था और मजदूरी करके अपना तथा पिता का पेट पालता था। घर में सिर्फ दोनों बाप-बेटे ही थे। शनिवार सुबह जब ग्रामीण नदी किनारे गए, तो उन्होंने जयराम को पानी में पड़ा देखा। तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। बेटे का शव देखकर बुजुर्ग पिता गोकरन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उन्होंने बताया कि बेटे के घर आने की आस में उन्होंने पूरी रात दरवाजा खुला रखा था। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी गौरव त्यागी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम में उप निरीक्षक इतेश तोमर, सूरज पाल पचौरी, रामू आर्य, कांस्टेबल तरुण सिरोही और राहुल यादव शामिल थे। पुलिस ने आवश्यक जानकारी जुटाकर जांच पड़ताल की और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, कई वाहन सीज

उन्नाव। खनन विभाग ने अवैध खनन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत खनन विभाग ने दो जेसीबी, दो ट्रैक्टर, और एक डंपर को सीज कर दिया। इसके अलावा, अवैध खनन परिवहन में लगे वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। विभाग ने तीन मौरंग लदे डंपर और एक गिट्टी लदा डंपर का चालान किया।

खनन निरीक्षक प्रांजल सिंह के नेतृत्व में यह अभियान जिले के औरास और बांगरमऊ थाना क्षेत्रों में चलाया गया। यह कार्रवाई उन क्षेत्रों में अवैध खनन की गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से की गई, जहां इन दिनों खनिज संसाधनों की अवैध निकासी तेजी से बढ़ रही थी।

देवेंद्र मौर्य की करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क

ठगी के आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने की कुर्की कार्रवाई

पायनियर संवाददाता। उन्नाव

क्रिप्टो एक्सचेंज एप के जरिये लोगों से रकम दोगुणा करने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले ट्रेनाक्स कंपनी के निदेशक देवेंद्र मौर्य के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है।

सीतापुर जिले की पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उनकी करीब तीन करोड़ रुपये कीमत की 1.63 हेक्टेयर जमीन कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई हसनगंज क्षेत्र के पिछवाड़ा गांव स्थित उनकी संपत्ति पर की गई, जहां अब खरीद-बिक्री पर रोक का बोर्ड भी लगा दिया गया है। सीतापुर जिले के निवासी विराट राठौर की तहरीर पर पुलिस ने बमबाईटेक्स/बीमैक्स क्रिप्टो एक्सचेंज एप के माध्यम से ठगी करने वाले जय प्रकाश मौर्य, उसकी पत्नी अनुष्का, नीतिका, दयाशंकर और देवेंद्र मौर्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उन्नाव, सीतापुर, हरदोई समेत कई जिलों के भोले-भाले लोगों को इस एप के माध्यम से अधिक रकम कमाने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने लोगों से रुपये लेकर फरार हो गए और अनैतिक तरीके से उन्नाव में करीब तीन करोड़ रुपये की संपत्ति खरीदी। इसके अलावा, उन्होंने अन्य जिलों में भी संपत्ति बनाई है। उन्नाव में आयी सीतापुर थाना पुलिस ने शुक्रवार को हसनगंज के पिछवाड़ा गांव में पहुंचकर ट्रेनाक्स कंपनी के निदेशक देवेंद्र मौर्य की जमीन कुर्क करने की कार्रवाई की। पुलिस ने इस संपत्ति पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया और यहां की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी। इस मामले की जानकारी हसनगंज कोतवाली पुलिस को रात तक नहीं मिली। हसनगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं मिली है, और सीतापुर पुलिस ने भी उनसे इस मामले में संपर्क नहीं किया।

चुनावी रंजिश में मारपीट पांच पर रिपोर्ट

उन्नाव।औरास थाना क्षेत्र के मवई गांव में चुनावी रंजिश को लेकर एक परिवार पर हमला किया गया। प्रधान प्रतिनिधि सहित पांच लोगों पर मारपीट का आरोप है, जिसमें विपिन और उसके परिजनों को चोटें आई हैं।विपिन पुत्र प्रेम ने बीती रात्रि पुलिस को लिखित शिकायत दी। उसने आरोप लगाया कि गांव के प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार पुत्र गंगाप्रसाद और अन्य लोगों ने उसे, उसके पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को पीटा।शिकायत के अनुसार, यह मारपीट चुनावी रंजिश के चलते हुई। घटना के बाद देर रात तक गांव में हंगामा चलता रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की।

शाहजहांपुर के पहाड़पुर में फिर दिखा बाघ

- किसानों के बीच फैली दहशत, मदद की दरकार

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में खुटार क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में लगातार बाघ की चहलकदमी देखी जा रही है। इससे खेतों में काम करने वाले किसान और ग्रामीण दहशत में हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग सूचना के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। बीती रात बाघ पहाड़पुर गांव के समीप पहुंचा, जहां ग्रामीणों ने शोर मचाकर उसे भगा दिया। सुबह फेरू लाल के खेत में बाघ के पदचिह्न देखे गए। इससे किसान राम लड़ेते, शिवम, मुकेश तिवारी, मुरली, शोभित कुमार, सोमदेव, हीरालाल, गोवर्धन, हरविंदर सिंह, रामकुमार और रामलाल सहित अन्य किसानों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ आए दिन गांव के किनारे से निराश्रित गोवंशीय पशुओं को अपना निवाला बना रहा है। बाघ के लगातार देखे जाने से किसान खेतों में खड़ी गन्ने की छिलाई करने से भी डर रहे हैं, और ग्रामीण सुबह-शाम अपने घरों से निकलने से भी कतरा रहे हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी, लेकिन इसके बावजूद कोई भी वनकर्मी पहाड़पुर गांव नहीं पहुंचा। ग्रामीणों का आरोप है कि एक सप्ताह के भीतर बाघ तीन निराश्रित गोवंशीय पशुओं को अपना शिकार बना चुका है। वन विभाग की निष्क्रियता को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में वन दरोगा रोहित पांडे ने बताया कि अभी तक किसी ने बाघ होने की सूचना नहीं दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वनकर्मियों को मौके पर भेजकर जांच कराई जा रही है।

शाहजहांपुर में कुकर्म के दोषी को 10 साल की सजा

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर की एक अदालत ने नाबालिग से कुकर्म के दोषी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर 10,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह घटना वर्ष 2020 में हुई थी। मामला थाना कलान क्षेत्र का है। 19 जनवरी 2020 को शाम 8 बजे एक 16 वर्षीय नाबालिग अपने खेत की रखवाली करने गया था। वहां पहले से मौजूद आरोपी ने उसे तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी और एक झोपड़ी के अंदर ले जाकर उसके साथ कुकर्म किया। पीड़ित के चिल्लाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़ित के भाई ने इस संबंध में थाना कलान में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना पूरी होने के बाद विवेचक ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद मामले का ट्रायल शुरू हुआ, जिसमें अभियोजन पक्ष ने वादी, पीड़ित और अन्य साक्षियों के बयान दर्ज कराए। पॉक्सो कोर्ट संख्या 43 के न्यायाधीश शिवकुमार तृतीय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। शासकीय अधिवक्ता दीप कुमार गुप्ता के तर्कों से सहमत होते हुए, न्यायाधीश ने अभियुक्त को दोषी ठहराया। उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 377, 506 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत 10 साल के सश्रम कारावास और 10,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

शाहजहांपुर में बच्चे के अपहरण के प्रयास का आरोप

अज्ञात महिला को पकड़कर पुलिस को सौंपा

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

शाहजहांपुर में देर रात एक आठ साल के बच्चे के अपहरण के प्रयास के आरोप में स्थानीय लोगों ने एक अज्ञात महिला को पकड़ लिया। लोगों ने महिला को पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यह घटना जलालाबाद थाना क्षेत्र के जमदग्निनगर मोहल्ले में रात करीब दस बजे हुई। श्यामा चरण राठौर का आठ वर्षीय बेटा अनिकेत राठौर अपने मकान के बाहर खड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान एक महिला वहां आई और उसने बच्चे का अपहरण करने का प्रयास किया ।बच्चे ने खुद को बचाने के लिए पास के एक बिजली के खंभे को कसकर पकड़ लिया और जोर से चिल्लाने लगा। बच्चे की चीख सुनकर परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को घेर लिया और उससे पूछताछ शुरू की। हालांकि, महिला ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला से पूछताछ की, लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे पाई। पुलिस उसे थाने ले गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को महिला मानसिक रूप से कमजोर प्रतीत हुई। उसकी पहचान सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई है और पुलिस उसके परिवार से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने इस महिला को पहले कभी क्षेत्र में नहीं देखा था। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बच्चे को ले जाने या अपहरण जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। महिला को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया है। उसके परिवार से संपर्क करने के प्रयास जारी हैं।

बंद पड़े आयुष्मान आरोग्य मंदिर का डीएम ने लिया गहन जायजा

पायनियर संवाददाता घाटमपुर

❖ लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के दिये निर्देश

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह स्वामी विवेकानंद विद्यालय, लोधर (मंधना) में आयोजित विद्यालयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी दृष्टि आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-केंद्र), लोधर, विकास खण्ड कल्याणपुर पर पड़ी, जो प्रातः 11 बजे बंद पाया गया।

जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिछले लगभग दो माह से बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र पर तैनात सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) के पति का लगभग दो माह पूर्व निधन हो गया था, जिसके पश्चात वह ड्यूटी पर नहीं आ रही हैं और उसी समय से यह केंद्र बंद पड़ा है। इस गंभीर लापरवाही का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. हरिदत्त नेमी को मौके पर तत्काल पहुंचने तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर को अविलंब संचालित कराने के निर्देश दिए। विद्यालय कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात जिलाधिकारी पुनः आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सचेत करते हुए कहा कि 'इतनी महत्वपूर्ण शासन की योजना के बंद रहने की जानकारी आपको क्यों नहीं है ?जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य केंद्रों की पिछले दो माह की उपस्थिति का सत्यापन कराते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए।संबंधित नोडल अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा पर्यवेक्षण में हुई शिथिलता की जिम्मेदारी तय की जाए। क्षेत्र के एमओआईसी द्वारा समय रहते निरीक्षण एवं हस्तक्षेप न किए जाने के कारणों की जांच की जाए।साथ ही जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद के सभी संचालित चिकित्सालय एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर अपनी पूर्ण क्षमता के साथ नियमित रूप से संचालित रहें, ताकि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने लापरवाह सीएचओ के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रदान किए।

सभी न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

कानपुर देहात। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व जिलाधिकारी कपिल सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन विभिन्न न्यायालयों व कार्यालयों में आयोजित किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने न्यायालय में वादों को सुनकर निस्तारण किया गया। विभिन्न तहसीलों में भी में राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत वादों को सुनकर निस्तारित किया गया। जनपद के विभिन्न न्यायलयों में 126६135 बीएनएसएस, 129 बीएनएसएस, 33६39 सीआरपीसी, 116 यूपीआरसी, जनहित गारंटी अधिनियम, 176 रा०सं०, 2006, 229बी0 जेडएएलआरएक्ट आदि के अतिरिक्त जनहित गारंटी अधिनियम, न्यायालय तहसीलदार, न्या० नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक अविवादित वरासतध्री लिटीग्रेशन, रजिस्ट्रार,कानूनगो उदहरण खतौनी, बैंक,परिवहन अन्य प्रकरण के अंतर्गत वादों का निस्तारण किया गया।

निरंकारी मिशन ने दिया मानवता का संदेश

पायनियर संवाददाता। पुखरांया, कानपुर देहात

अमरोधा ब्लाक के अहरौली घाट गांव यमुना नदी किनारे बसे बीहड जंगल के गांव में निरंकारी मिशन द्वारा प्रेम एकता नम्रता का संदेश दिया गया। संत निरंकारी मिशन कानपुर जोन के महात्मा रामचंद्र ने कहा कि निरंकारी मिशन आज विश्व के 76 देश में मानवता की सिखलाई दे रहा है ।

मिल बर्तन आपसी प्रेम भाईचारा का संदेश दिया जा रहा है। अहरौली घाट में आयोजित निरंकारी संत समागम में दूर-दूर से ब्रह्म ज्ञानी महात्मा व बहनों ने पहुंचकर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का संदेश दिया। इस अवसर पर निरंकारी महात्मा रामचंद्र ने कहा कि निरंकारी मिशन इस निराकार ब्रह्म परमात्मा के दर्शन करा कर भक्ति करने की प्रेरणा दे रहा है। जब भक्त और भगवान आमने-सामने होते हैं तो भक्ति में आनंद आता है। हमें हर एक के अंदर रमे राम के दर्शन करना है चाहे घर का सदस्य हो पड़ोस का हो या गांव का हर एक के अंदर रमे राम के दर्शन कर उसका आदर सम्मान करना है। उसको सम्मान देना है ।निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी यही अपने भक्तों को संदेश दे रही है ।रामचंद्र ने आगे कहा कि हमें किसी से बैर इर्ष्या नफरत नहीं करनी है क्योंकि सभी इस परमपिता परमात्मा की बनाए हुए इंसान है। हर एक के अंदर रमे राम के दर्शन करना है क्योंकि परमात्मा का अंश आत्मा एक नूर हर एक के अंदर विराजमान है ।चाहे किसी धर्म चाहे किसी मजहब चाहे किसी जात बिरादरी का हो ।सभी में परमात्मा के दर्शन करना है ।हमें इंसान द्वारा बनाई हुई मूर्ति के बजाय परमात्मा द्वारा बनाई गई मूर्ति की पूजा करना है। क्योंकि रामचरितमानस में भी कहा गया है कि नर पूजा नारायण पूजा। उन्होंने निरंकारी मिशन का सुंदर सा संदेश आज अहरोली घाट में दिया ।जिससे पूरा गांव निरंकारी मिशन का उद्देश्य जानने के लिए भीड़ उमड पड़ी ।आज उन्होंने नवयुवकों को निरंकारी यूथ एन वाई एस में भाग लेकर सहभिगिति करने के लिए भी सभी नवयुवकों को आवाहन किया। संचालन निरंकारी महात्मा संतोष कुमार ने किया ।सत्संग के बाद लंगर का भी आयोजन किया गया।

नगर पंचायत ने जलवाये अलाव

पायनियर संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

चैयरमैन रामजी गुप्ता के निर्देशन में नगर पॅचायत ईओ मनीष कुमार, लिपिक सैनूर अहमद ने कस्बे के प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाये।

शनिवार की सुबह घने कोहरे की दस्तक के साथ लोगों को भीषण ठण्ड का अहसास हुआ। नगर पॅचायत ने ठण्ड को देखते हुये अलाव जलवाये जाने की व्यवस्था की। आपको बतातें चलें कि रूरा चैयरमैन रामजी मातृशोक के चलते मृत्योपरान्त संस्कारों में व्यस्तता के बावजूद अपने दायित्वों के निर्वहन में कोई कसर नहीं छोड रहे है। जैसे ही शनिवार को कोहरे ने कस्बे में दस्तक दी, उन्होंने नगर पॅचायतकर्मियों को सूखी लकडियॉ अलाव हेतु व्यवस्था के लिये निर्देश दिये।

रूरा पुलिस ने पेशेवर जमानतदारों को दबोचा

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

❖ रकम उगाही के लिये फर्जीवाडा कूटरचित दस्तावेजों के सहारे कई शातिर बाहरी अपराधियों की ले चुके है जमानत

रूरा पुलिस ने थानाध्यक्ष अमित शुक्ला के नेतृत्व में अपराधियों से रकम उगाही कर कूटरचित व फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमानत करवाने दो लोगों को दबोचने में सफलता पायी। पकडे गये दोनों शातिरों को एएसपी व सीओ अकबरपुर की उपस्थिति में प्रेस कॉफ्रेस कर मामले की जानकारी दी गयी तथा आरोपियों को जेल भेजा गया।

उपनिरीक्षक दुर्बीन सिंह माननीय न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकृत होने के पश्चात जमानतदारों मनोज कुमार पुत्र राम औतार ग्राम भिखनापुर थाना रूरा जनपद कानपुर देहात व बट्टन लाल पुत्र अनन्त निवासी ग्राम इकघरा थाना रूरा जनपद कानपुर देहात का सत्यापन करने गये । आम जनमानस से पता किया तो लोगों ने बताया कि यह दोनों लोग पेशेवर जमानतदार हैं और आर्थिक लाभ के लिए एक ही सम्पत्ति को बार बार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करके उस सम्पत्ति पर जमानतदार बनकर जमानत लेते हैं (जमानत देने वाले न्यायालय को यह सूचना नहीं देते है कि उस सम्पत्ति पर पूर्व में कितनी बार जमानत ली गई है ।) उक्त सम्बन्ध में उपनिरीक्षक दुर्बीन सिंह द्वारा बट्टन लाल पुत्र स्व0 अनन्त निवासी ग्राम इकघरा थाना रूरा व मनोज कुमार पुत्र रामऔतार ग्राम भिखनापुर थाना रूरा कानपुर देहात उम्र 32 वर्ष के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । अभियुक्त मनोज कुमार उपरोक्त द्वारा कुल 17 मुकदमों व अभियुक्त बट्टनलाल उपरोक्त द्वारा कुल 22 मुकदमों में आर्थिक लाभ लेकर बाहरी अपरिचित अभियुक्तगण से मिलकर षडयंत्र कर फर्जी तरीके से एक ही सम्पत्ति को बार बार छलपूर्वक मिथ्या रूप से प्रस्तुत कर जमानत ली गयी । मुकदमा उपरोक्त में कार्यवाही करते हुए थाना रुरा पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्तगणों को शनिवार को मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया। पकडे गये अभियुक्तों ने पूॅछतॉछ में बताया कि बट्टनलाल व उसका साथी मनोज कुमार पुत्र रामऔतार उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम भिखनापुर थाना रूरा कानपुर देहात के साथ मिलकर आर्थिक लाभ के लिए गैर जनपद व दूसरे प्रान्त के लोगों का एक ही जमीन के कागजात बार-बार लगाकर तथा कम जमीन को ज्यादा दर्शा कर,कूटरचित दस्तावेज न्यायालय को भ्रमित कर दुर्दान्त अपराधियों को जो जिला कारागार में काफी दिनों से बन्द है कूटरचित कागज लगाकर मोटी रकम प्राप्त कर जमानत लेने का काम काफी लम्बे समय से मैं और मेरा साथी करते चले आ रहे हैं। मेरे द्वारा अब तक अनगिनत दुर्दान्तध्शातिर अपराधियों की एक ही कागज को लगाकर न्यायालय को गुमराह कर जमानत ली गयी है। इसी तरह के अपराध में जेल मे बन्द अंशू सांसी(सिसौदिया) पुत्र दिनेश सांसी ग्राम तलैया थाना मुंगावली जिला अशोक नगर मध्यप्रदेश जो वर्तमान में माती कारागार मे बन्द है, की जमानत के लिए भी हम लोगों ने अपनी जमीन के कागजात लगा रखे हैं। यह कार्य करना हमारा पेशा है।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता 17 व 18 दिसंबर को होगी आयोजित

पायनियर, औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा प्राप्त निर्देशो के क्रम में युवा कल्याण विभाग औरैया द्वारा माननीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन जनपद की समस्त 3 विधान सभाओं में किया जाना हैं। विधान सभा बिधूना में उपजिलाधिकारी बिधूना की अध्यक्षता में हुई बैठक में उक्त खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 17 एवं 18 दिसंबर 2025 को खेल स्टेडियम बढ़िन एरवाकटरा में प्रातः 10 बजे से कराया जाना सुनिश्चित हुआ है। युवा कल्याण विभाग द्वारा पूर्व में जो विकास खंड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाती रही है उसके स्थान में इस वर्ष उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत माननीय विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन विधानसभा स्तर पर किया जाना है। उक्त खेल प्रतियोगिताएं प्रतिभागियों की उम्र के आधार पर तीन कैटेगरी सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक/बालिका वर्ग श्रेणी में आयोजित की जाएंगी जिसमें एथलेटिक्स, वालीबाल, कबड्डी, कुश्ती,भारोत्तोलन के साथ साथ खो खो खेलों का आयोजन दो दिवसीय प्रतियोगिता में किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी जो विधानसभा बिधूना के निवासी हो वो अपना पंजीकरण पोर्टल पर अनिवार्य रूप से करते हुए प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। साथ ही आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

अज्ञात वाहन की चपेट आने से बाइक चालक घायल

पायनियर,औरैया। सदर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को पूर्वाह्न एक अधेड़ अपने गांव बखरिया से बाइक द्वारा औरैया आ रहा था तभी कोतवाली क्षेत्र में अनियंत्रित वाहन की चपेट में आ जाने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलवस्था में उसे सरकारी एंबुलेंस के द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बखरिया निवासी राजेश 52 वर्ष पुत्र ओम प्रकाश शनिवार को पूर्वाह्न ने लगभग 11:00 बजे अपने गांव बखरिया से बाइक द्वारा औरैया आ रहा था, तभी कोतवाली क्षेत्र में उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घायलावस्था में उसे सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस के माध्यम से जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। अस्पताल में घायल अधेड़ का इलाज चल रहा था।

समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं शिकायतें, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

पायनियर, औरैया। जिलाधिकारी डॉ० इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने थाना अजीतमल में आयोजित समाधान दिवस में आए समस्या संबंधी आवेदन पत्र के आवेदकों से आवेदन लेते हुए उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया और संबंधित हल्का इन्चार्ज, लेखपाल को निर्देशित किया कि जो भी समस्या प्राप्त हुई है उसकी स्थलीय जांच करते हुए निर्धारित समय में नियमानुसार निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निस्तारण में यह प्रयास किया जाए कि दोनों पक्ष संतुष्ट हों जिससे समस्या का निस्तारण स्थाई हो सके। इस अवसर पर भूमि विवाद एवं अवैध कब्जा की शिकायतें प्राप्त हुई जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित थाना प्रभारी एवं लेखपाल को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण स्थलीय जांच कर किया जाएं तथा सम्बन्धित को भी अवगत कराया जाए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सकुशल संपन्न वर वधुओं को दिया आशीर्वाद

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनांतर्गत जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में आज दिनांक 13 दिसंबर 2025 को विकास खंड अकबरपुर, मैथा के कुल 79 जोड़ों का वैवाहिक कार्यक्रम शांति उपवन गेस्ट हाउस अकबरपुर में संपन्न कराया गया। जिसमे अनुसूचित जाति के 60 जोड़ों एवम अन्य पिछड़ा वर्ग के 19 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। साथ ही विकास खंड अमरौधा, मलासा एवम सर्वनखेड़ा के कुल 57 जोड़ों का वैवाहिक कार्यक्रम रामस्वरूप ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज ग्राउंड पुखरायां में संपन्न कराया गया, जिसमे अनुसूचित जाति के 53, अन्य पिछड़ा वर्ग के 03 एवम अल्पसंख्यक वर्ग के 01 जोड़े का वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराया गया। अकबरपुर में श्रीमती प्रतिभा शुक्ला मा0 राज्यमंत्री, महिला कल्याण एवम पुष्टाहार, श्रीमती नीरजरानी मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, मा0 अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत तथा पुखरायां में श्री राकेश सचान मा0 कैबिनेट मंत्री, मा0 अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत एवम अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा वर वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

मिशन शक्ति के अर्न्तगत चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में कानपुर देहात पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया गया । इस अभियान के अंतर्गत जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है, इस दौरान महिलाओं को 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई ।

पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण का हुआ सफल समापन

अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति के तत्वावधान में संपन्न हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। औरैया

अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति, औरैया द्वारा आयोजित लीडर महिलाओं का पाँच दिवसीय प्राकृतिक एवं जैविक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षक लाखन सिंह ने महिलाओं को प्राकृतिक खेती की आवश्यकता, उसके लाभ तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सत्र के दौरान रासायनिक, प्राकृतिक एवं जैविक खेती की तुलनात्मक जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसमें तीनों पद्धतियों की लागत, आय एवं व्यय का व्यावहारिक विश्लेषण किया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि प्राकृतिक खेती में लागत अत्यंत कम होती है, जिससे किसानों की वास्तविक आय में वृद्धि होती है और साथ ही मिट्टी,फ जल, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है। समापन सत्र में समिति सचिव रीना पांडेय ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाकर महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएँ अपने अनुभवों और सीख को गाँव की अन्य महिलाओं तक पहुँचाएँ, जिससे अधिक से अधिक लोग प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित हों। प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं पिंकी, मीना, रामबेटी, सावित्री, मुनिया, प्रभा, बबली , सरोज, उर्मिला , सोनी , विमला, आदि ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि प्राप्त जानकारी से उन्हें खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाने की स्पष्ट दिशा मिली है। समिति द्वारा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही गई।

20 लाख रुपए, कार की मांग पर अड़ा दूल्हा, बारात लौटी

❖ पुलिस ने दूल्हा समेत तीन को लिया हिरासत में

पायनियर संवाददाता। बरेली

कैंट थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक शादी उस समय टूट गई, जब फेरों से पहले दूल्हा और उसके परिजन ब्रेजा कार और 20 लाख रुपये नकद की मांग पर अड़ गए। काफी समझाने के बाद भी जब दूल्हा पक्ष नहीं माना तो हंगामा हो गया। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस ने दूल्हा, उसके पिता और जीजा को हिरासत में ले लिया।

पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी ।कैंट थाना क्षेत्र के सदर बाजार निवासी मुरली मनोहर की बेटी ज्योति की शादी नई बस्ती माधोबाड़ी (थाना प्रेमनगर) निवासी ऋषभ, पुत्र राम अवतार, के साथ करीब आठ माह पहले तय हुई थी। मई माह में शहर के एक बड़े होटल में सगाई हुई थी, जिस पर लड़की पक्ष ने करीब तीन लाख रुपये खर्च किए थे। सगाई के दौरान लड़के को सोने की अंगूठी, चेन और पांच लाख रुपये नकद दिए गए थे ।गुरुवार को लड़की पक्ष लग्न लेकर पहुंचा, जिसमें एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन के साथ शगुन के रूप में एक लाख बीस हजार रुपये नकद दिए गए। शुक्रवार देर रात बारात सदर बाजार स्थित युगवीणा मैरिज हॉल पहुंची, जहां धूमधाम से स्वागत किया गया ।शादी की रस्में चल रही थीं, तभी फेरों से ठीक पहले दूल्हा पक्ष ने 20 लाख रुपये नकद और ब्रेजा कार की अतिरिक्त मांग रख दी। आधी रात होने और कार उपलब्ध न होने की बात कहने पर दूल्हा पक्ष ने कार की कीमत के बराबर नकद रकम देने की मांग कर दी। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और बारात वापस लौटने लगी ।घटना की सूचना मिलने पर कैंट पुलिस मौके पर पहुंची और दूल्हा ऋषभ, उसके पिता राम अवतार और जीजा को हिरासत में ले लिया। लड़की पक्ष ने आरोप लगाया कि शादी तय कराने वाले सिकलापुर निवासी इंद्रपाल ने भी उन्हें लगातार गुमराह किया। लड़की पक्ष का कहना है कि शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और रस्मों के दौरान दूल्हा व उसके परिजनों को सोने की चेन, अंगूठियां और नकदी भी दी गई थी। कैंट थाना प्रभारी ने बताया कि लड़की पक्ष की तहरीर मिलने के बाद दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

22 लाख की अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 905 ग्राम अवैध अफीम, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 22 लाख रुपये बताई जा रही है, के साथ दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर 12/13 दिसंबर की रात थाना बारादरी पुलिस टीम ने होटल दा आर्च इन के पास स्थित खाली पड़ी जगह से अभियुक्तों को दबोच लिया ।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मुनीश कुमार उर्फ पुष्पेन्द्र (24) और मेहरबान (55), दोनों निवासी कुन्डरिया फैजुल्लापुर, थाना अलीगंज, जिला बरेली के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 905 ग्राम अफीम तथा तस्करी में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP25 DQ 7885) बरामद की गई।

26वीं दो दिवसीय गुलदाउदी प्रदर्शनी का उद्घाटन

पायनियर संवाददाता। बरेली

जीआरएम में वार्षिक दो दिवसीय गुलदाउदी प्रदर्शनी शनिवार को प्रारंभ हुई। 26वीं श्री नमो नारायण स्मृति गुलदाउदी प्रदर्शनी का उदघाटन डीआईजी बरेली रेंज आईपीएस अजय कुमार साहनी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री नमो नारायण अग्रवाल जी के चित्र पर पुष्प अर्पण किया जिनकी पावन स्मृति में प्रतिवर्ष यह गुलदाउदी प्रदर्शनी आयोजित की जाती है।

प्रदर्शनी का भ्रमण करने के पश्चात उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने जीआरएम को वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग एक भयावह खतरे के रूप में हमारे सामने खड़ा है, ऐसे में अगर सपूर्ण विश्व इस तरह के छोटे छोटे प्रयासों से लोगों में प्रकृति के प्रति प्रेम और सद्भाव जागृत करना प्रारंभ कर दे तो हम धरती के समक्ष संभावित खतरों को किंचित कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतों पर फूलों की घाटियों में उगने वाले पुष्प देव कृपा से ही उगते हैं और हम मनुष्य उन्हीं की कृपा से प्रकृति का संरक्षण कर पाने में सक्षम होते हैं। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए अनिवार्यतः प्रकृति को संरक्षित रखना ही होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी प्रकृति का सान्निध्य पाने वाले लोग ही स्वस्थ रहे, तो हमें समझ जाना चाहिए कि प्रकृति धरती के लिए कितनी आवश्यक है। विद्यालय प्रबंधक राजेश जौली एवम निदेशक त्रिजित अग्रवाल तथा पारुल अग्रवाल ने डीआईजी अजय जी एवं उनकी सहधर्मिणी का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश सरकार में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री डॉ अरुण कुमार, गुलशन आनंद एवम अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर जीआरएम के प्रयासों की सराहना की। प्रबंधक जौली एवम निदेशक त्रिजित अग्रवाल ने डीआईजी अजय साहनी को स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें सम्मानित कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस बार प्रदर्शनी में गुलदाउदी की लगभग 30 किस्मों के लगभग 967 गमले रखे गए हैं। संस्थागत तौर पर एसआरएमएस, केसीएमटी, आईवीआरआई, कैंट बोर्ड, गंगाशील स्कूल ऑफ नर्सिंग, बिशप स्कूल, केशलता इंटरनेशनल स्कूल, अल्मा मातेर डे बोर्डिंग स्कूल आदि की प्रविष्टियां प्राप्त हुई, वहीं व्यक्तिगत तौर पर देव मूर्ति, फादर रॉयल एंथनी, हरीश भल्ला, रजत खंडेलवाल, विनय खंडेलवाल, विभा वैद्य, श्रीमती शशि बाला राठी, नरेंद्र गुप्ता, पुनीत शर्मा, देव मूर्ति, रिचा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, श्रद्धा खंडेलवाल, आशा खंडेलवाल, आदि की प्रविष्टियां भी प्राप्त हुई हैं। इस प्रदर्शनी की निर्णायक डॉ आलोक खरे और पूजा अग्रवाल हैं। आज व्यक्तिगत व संस्थागत स्तर पर सभी ग्यारह कैटेगरी के अनुसार निर्णय ले लिया गया है। जीआरएम नैनीताल रोड ब्रांच के प्राचार्य रणवीर सिंह रावत, जीआरएम दोहरा ब्रांच के प्राचार्य शील सक्सेना एवम जीआरएम जूनियर विंग की कोऑर्डिनेटर डॉ विनीता सक्सेना जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कल 14 दिसंबर को पुरस्कार वितरण लगभग अपराह्न 1:00 बजे होगा। पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार में संसदीय कार्य एवं वन मंत्री सुबोध उनियाल जी होंगे।

डीएम ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। उरई (जालौन)

जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से देर रात जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्था, साफ-सफाई तथा स्टाफ की उपस्थिति की गहनता से जांच की। जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनके उपचार, दवाइयों की उपलब्धता में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने इमरजेंसी में तैनात चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इमरजेंसी वार्ड में आवश्यक दवाइयां, स्ट्रेचर एवं अन्य जीवन रक्षक उपकरण हर समय उपलब्ध रहें। डीएम ने अस्पताल परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में सहायक होता है। उन्होंने निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर उपचार मिले, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शीतलहर के दृष्टिगत अस्पताल परिसर में अलाव जलता मिला।

डीएम ने रैन बसेरा, कोंच बस स्टैंड, स्टेशन रोड का लिया जायजा: शीत ऋतु के दौरान आमजन, विशेषकर गरीब, निराश्रित एवं यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से देर रात जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने रैन बसेरा कोंच बस स्टैंड तथा स्टेशन रोड का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने रैन बसेरा में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिस्तर, कंबल एवं सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में रैन बसेरा में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित रहें। रैन बसेरों के पास अलाव जलता मिला। उन्होंने निर्देश दिए कि ठंड को देखते हुए अलाव नियमित रूप से जलाए जाएं तथा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

जनसमस्याओं के निस्तारण में न हो लापरवाही: डीएम

उरई (जालौन)। जनता की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में थाना डकोर परिसर में सम्पूर्ण समाधान थाना दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान थाना दिवस के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने एक-एक कर फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों ने निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान थाना दिवस का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि उनका स्थायी समाधान करना है। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि मामलों का निस्तारण शीघ्र हो सके। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने पुलिस से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए थाना स्तर पर ही अधिक से अधिक मामलों के समाधान पर जोर दिया।

12वें दिन भी जारी रहा सचिवों का आंदोलन साइकिल से पहुंचे पंचायत भवन

पायनियर संवाददाता। मौदहा, हमीरपुर

ग्राम पंचायत सचिवों ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए शुक्रवार को भी साइकिल सत्याग्रह का एक अनूठा तरीका अपनाया। सचिव अब शासन की ओर से दिए जाने वाले साइकिल भत्ते के अनुसार उससे ही सभी सरकारी कार्य फील्ड विजिट और गांवों में भ्रमण कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ और ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के आह्वान पर चलाए जा रहे शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन के तहत बुधवार से सभी ग्राम सचिवों ने निजी वाहनों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर दिया। सचिवों का कहना है कि जब उन्हें वाहन खर्च का उचित प्रावधान नहीं मिलता तो वे भी उसी अनुसार साइकिल का ही प्रयोग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे साइकिल सत्याग्रह के जरिये सीधे सरकार को संदेश देना चाहते हैं। ग्राम सचिवों की ओर से 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया गया है। सचिवों की मांग है कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली को तत्काल वापस लिया जाए। आंदोलन में नितेश चन्देल शिवमूरत सिंह नीरज पटेल हरी बाबू अरविन्द कुमार प्रियंका पटेल स्वाति शर्मा भूपेन्द्र कुमार अरविन्द पाल सहित काफी संख्या में ग्राम सचिवों ने एकजुटता दिखाई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा जिससे ग्रामीण विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है।

❖ संघ की चेतावनी: मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा

लापता भाजपा नेता लखनऊ से बरामद

❖ वृद्धाश्रम में सीसीटीबी के नजर में दो दारोगा व चार सिपाहियो की लगायी गयी ड्यूटी

पायनियर संवाददाता। हमीरपुर

जिले के राठ क्षेत्र से पचपन दिनों से लापता भाजपा नेता को पुलिस ने कल देर रात लखनऊ के दुबग्गा में घर से बरामद कर शनिवार को सुवह सीजेएम कोर्ट में पेश किया,आगामी सोलह दिसम्बर को हाईकोर्ट में पेश करने के मकसद से पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर भाजपा नेता को स्थानीय एक वृद्धाश्रम में पुलिस की निगरानी में रखा है।

वृद्धाश्रम में सीसीटीबी कैमरे की नजर में चौबीस घंटे दो दारोगा चार सिपाहियों की डियूटी लगा दी गयी है। पुलिस के मुताबिक करीब डेढ माह पहले राठ कस्वा स्थित भाजपा नेता प्रीतम सिंह किसान के पेट्रोल पंप व अन्य लोगो में पेट्रोल भरवाने के बाद मारपीट हो गयी थी इसके बाद राठ पुलिस ने भाजपा नेता को हिरासत में लेकर छह घंटे बाद कोतवाली से मुक्त कर दिया था मगर भाजपा नेता के परिवारीजनों का आरोप था कि उन्हे पुलिस ने गायब कर दिया है इसके बाद प्रीतम के भाई ने 28 अक्टूबर को हाईकोर्ट में उनके भाई बीर सिंह ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी। आठ दिसम्बर को हाईकोर्ट नें एसपी डा दीक्षा शर्मा व्यक्तिगत रुप से पेश हुई थी तब कोर्ट ने उनकी बात सुनने के बाद एक सप्ताह का और समय दिया था शुक्रवार को पुलिस टीम ने प्रीतम को लखनऊ के दुबग्गा स्थित एक आवास में धर दबोचा था। पुलिस ने सबसे पहले शनिवार को सुवह सीजेएम कोर्ट में पेश किया कोर्ट ने प्रीतम को किसी सुरक्षित स्थान में रखने का आदेश दिया है ताकि सोलह दिसम्बर को उन्हे हाईकोर्ट के सामने पेश किया जा सके।

कई जिलों में समय व्यतीत किया है भाजपा नेता ने

पचपन दिन गायब भाजपा नेता कई स्थानों में अज्ञातवास गुजारा है। कभी फतेहपुर कभी इलाहाबाद तो कभी लखनऊ में समय व्यतीत किया है। पुलिस का मानना है कि गायब भाजपा नेता के आरोप झूठे सावित हुये है मगर मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है इसलिये कोर्ट के आदेश से ही कोई कार्यवाही संभव हो सकेगी।

अलग-अलग मामलो में दो फरार वारंटी गिरफ्तार

मैगलगंज/पसगवां-खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे वांछित वारंटी मे क्षेत्रधिकारी मितौली यदुवेन्द्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक मैगलगंज इंद्रजीत सिंह चौहान के कुशल मार्गदर्शन मे मैगलगंज पुलिस टीम द्वारा शनिवार को दो नफ़र वारंटी अभियुक्त सीताराम पुत्र रुपलाल (37) निवासी औरंगाबाद,सूरज पुत्र रामचंदर उर्फ़ टाउ (28) निवासी अमरोलिया उक्त आरोपी मैगलगंज कोतबाली क्षेत्र के रहने बाले है और इनके विरुद्ध अलग अलग मामलो मे मुकदमे दर्ज थे। पुलिस द्वारा दोनों को हिरासत मे लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायलय मे पेश किया गया। पुलिस कि लगातार कार्यवाही से क्षेत्र मे अपराधियों के मनोबल पर लगाम कसने के साथ हि क़ानून व्यवस्था के प्रति भरोषा और मजबूत होता जा रहा है। गिरफ़्तारी करने वाली पुलिस टीम मे उपनिरीक्षक सुशील कुमार तिवारी, हेडकांस्टेबल समरेंद्र बहादुर, कांस्टेबल लोकेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

सामान्य निकाय की बैठक हुई आयोजित

पायनियर संवाददाता। बांकेगंज-खीरी

बांकेगंज सहकारी समिति परिसर में वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक की गई जिसमें समिति के प्रबंध निदेशक शिवपाल वर्मा ने उपस्थित सदस्यों के समक्ष आय व्यय का ब्यौरा रखा तथा दस किसानों को सम्मानित किया गया।

शनिवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति बी पैक्स लिमिटेड ग्रंट नंबर 10 बांकेगंज पर वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनार एवं बी पैक्स अध्यक्ष नौबत सिंह चंदेल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए जोत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद क्षेत्र के दस प्रगतिशील सदस्य सतनाम सिंह रामकुमार सुरेश कुमार रामनिवास कन्हैयालाल विपिन कुमार पलविंदर सिंह सुखदेव सिंह मुस्तफिक अंसारी हेमराज मौर्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक शिवपाल वर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों के समक्ष पूरे वर्ष का आय व्यय विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया अधिकतम 10 करोड़ 982 बीते वित्तीय वर्ष में समिति को 1349000 का लाभ हुआ है। किसानों ने मुख्य अतिथि के समक्ष खाद एवं ऋण से संबंधित समस्या एवं सुझाव रखा।

❖ समित के 10 सदस्य किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

पायनियर, तिकुनियां-खीरी। 70वीं वाहिनी कमांडेंट राजन कुमार श्रीवास्तव के दिशा निर्देशानुसार दिनांक 13/12/25 को एफ समवाय रामपुरवा 79 के अंतर्गत ग्राम पंचायत फ़कीरपुरी में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उपरोक्त आयोजन के दौरान 81 लोगों का निःशुल्क इलाज किया गया जिसमें पुरुष - 25 महिला 37 बच्चे 12 कुल 74 तथा नेपाल के लोग महिला 05 बच्चे 01 कुल 06 सभी लाभार्थियों को समस्त दवा निःशुल्क वितरित की गयी। इस आयोजन में नेपाली नागरिक तथा फ़कीरपुरी के ग्रामीणों ने इलाज करवा कर निःशुल्क दवा प्राप्त की। सशस्त्र सीमा बल द्वारा बॉर्डर क्षेत्र के गांवों में समय समय पर इस तरह के पशु चिकित्सा शिविर,मानव चिकित्सा शिविर, सामाजिक चेतना अभियान इत्यादि कार्यक्रम किये जाते रहे है। इस आयोजन के दौरान डॉ. दिनेश कुमार गौतम लखीमपुर खीरी, हिमांशु शेखर (सामवाय प्रभारी) मुख्य आरक्षी अजय कुमार आरक्षी सामान्य आशीष अन्य बलकर्मी तथा साथी ग्राम प्रधान, ग्राम प्रधान माधुरी सहित अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

पं. धीरेंद्र शास्त्री की श्री हनुमत कथा का होगा आयोजन

पायनियर, बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में आस्था का महाकुंभ लगने जा रहा है 16 जनवरी से लेकर 20 जनवरी तक बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के प्रवीण सिंह बागेश्वर धाम बालाजी महाराज के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की श्री हनुमत कथा का आयोजन होने जा रहा है पंडित धीरेंद्र शास्त्री जी ने कथा की परमिशन बांदा के मवई बाईपास के एक मैदान जो 100 भीघे का है इसमें उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश और लगभग 10 जनपदों से कथा श्रोतागण के आने की संभावना है संख्या लाखों में अनुमानित है इसको देखते हुए प्रवीण सिंह ने बताया की लगभग 1000 सेवादार व्यवस्था में रहेंगे और सफाई हेतु नगरपालिका से भी संपर्क किया गया है और सेवादार भी लगभग 2000 रहेंगे जो सफाई व्यवस्था को भी अंजाम देते रहेंगे सुरक्षा व्यवस्था पार्किंग व्यवस्था पुलिस भी देखेगी और सेवादार भी उसमें लगाए जाएंगे मवई बाईपास का मैदान रिंग रोड से जुड़ा हुआ है इससे कानपुर हमीरपुर महोबा इलाहाबाद बनारस दिल्ली बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे सभी रास्ते मिलते हैं हर व्यक्ति इस स्थान पर पहुंच सकता है बगैर किसी असुविधा के हालांकि स्थानीय प्रशासन स्थानीय पुलिस अपनी तैयारी लगातार पूरी कर रहा है।

सियार के हमले में दो घायल

पायनियर, मौदहा हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भवानी निवासी सुदामा और उसी क्षेत्र के अलीपुरा निवासी राकेश को खेतों में काम करते समय सियार ने हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां पर दोनों घायलों का इलाज किया गया फिलहाल दोनों को सामान्य चोटें बताई गई हैं।

महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

पायनियर, मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरौंदा निवासी काजल, 24 बालाराम ने अज्ञात कारणों के चलते चूहामार दवा खा ली जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां पर काजल को उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

प्लेटफार्म नम्बर दो पर सुविधाएं बढ़ाने की मांग

पायनियर, मौदहा, हमीरपुर। कस्बे के जाने माने सोशल वर्कर राजेंद्र मधुपिया ने मण्डल रेल प्रबंधकए रेलमंत्री सहित अन्य जिम्मेदारों को पंजीकृत डाक से भेजे पत्र में मांग की है किए रेलवे स्टेशन रागौल में प्लेटफार्म नम्बर दो पर पेयजलए शौचालयए टीनशेड जैसी बुनियादी सुविधाओं का आभाव है जबकि वृद्ध और बीमारों के लिए प्लेटफार्म नम्बर दो पर जाने के लिए कोई लिफ्ट नहीं है जबकि कानपुर से आने वाली ट्रेनों को प्लेटफार्म नम्बर दो पर लिया जाता है। साथ ही बताया किए भीमसेन जैसे व्यस्त स्टेशन में भी ट्रेनों को प्लेटफार्म नम्बर एक पर लिया जा रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि प्लेटफार्म नम्बर दो पर सुविधाएं बढाने और जब तक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं कानपुर से आने वाली ट्रेनों को प्लेटफार्म नम्बर एक पर लिया जाए।

मुकदमा दर्ज कराने के बाद महिला को मिल रहीं धमकियां

पायनियर, मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुसियारी निवासी हाल मुकाम दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपने रिश्तेरारों इसरार अहमद और यासीन खान उर्फ़ छोटे के विरुद्ध घर में घुसकर मारपीट गालीगलौज का मुकदमा दर्ज कराया था जिसके बाद से कनीज फातिमा को लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाकर धमकियां दी जा रही हैं उसी मामले को लेकर शनिवार को कनीज फातिमा ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है और कहा है कि यदि उसके या उसके परिवार के साथ कोई घटना घटती है तो आरोपी जिम्मेदार होंगे इतना ही नहीं पीडिता ने कल्लू साकरा सहित अन्य लोगों पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग जान से मारने की धमकी दे रहे है।

विधायक के प्रयासों से अटरिया-नसीरपुर सड़क स्वीकृत

पायनियर, उरई (जालौन)। कालपी व उरई विधानसभा क्षेत्र में फंसी अटरिया-नसीरपुर संपर्क मार्ग निर्माण की मांग को लेकर विधानसभा चुनाव का बहिष्कार ग्रामीणों द्वारा किया गया था लेकिन इसके बाद भी ढाई किमी की सड़क निर्माण को स्वीकृत नहीं मिल पायी थी। पिछले दिनों नसीरपुर के ग्रामीणों ने आंदोलन की घोषणा की थी इसके बाद उक्त सड़क निर्माण का मुद्दा फिर से गरमाने लगा था। इसी के बाद उरई विधानसभा में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा के द्वारा विगत वर्षो से अटरिया से नसीरपुर तक सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण की मांग को सरकार के समक्ष रखा। अटरिया से नसीरपुर तक सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण 2.5 किमी जिसकी लगभग लागत 1.91 लाख रुपये की स्वीकृत दे दी गयी है।

स्कूल में हुआ सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। ओयल-खीरी

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम गुडविल स्मार्ट स्कूल ओयल खीरी में आयोजित किया गया राष्ट्र सेवा का अद्भुत आयोजन गुडविल स्मार्ट स्कूल में आज सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्वाचृन के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉक्टर पायल राय प्रधानाचार्य कस्तूरबा आवासीय बालिका इंटर कॉलेज (निघासन खीरी) वक्ता श्रीमती प्रिया दीक्षित समाज सेविका एवं शिक्षिका (बेसिक शिक्षा विभाग) संचालक निधि अवस्थी शिक्षिका (पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज) कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉक्टर सुरचना द्विवेदी (प्रवक्ता और कन्या डिग्री कॉलेज) प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम आकांक्षा गुप्ता ने किया इस कार्यक्रम के सम्बंध में गुड विल स्मार्ट स्कूल की प्रधानाचार्य पूनम गुप्ता ने बताया कि नारियो में सप्त शक्तियां होती है अगर उनमे से एक भी शक्ति को नारियो में जागृत की जाए तो नारिया पुरुषो से कम नही है।

लोक अदालत में 18626 वादों का किया निस्तारण

हमीरपुर। स्थानीय जिला न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। जिसमे 18626 वादो का निस्तारण किया गया और न्यायालय व राजस्व बैंक ्दवारा 11 करोड 48 लाख 90,123 रुपये की धनराशि प्राप्त हुयी। जानकारी के मुताबिक इस मौके पर जनपद न्यायाधीश ने कहा कि हम न्याय समाज के सभी वर्गो के लिये सुलभ सुगमता पूर्वक न्याय प्रगति करने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेगे। सुलह समझौता के आधार पर जिला एवं सत्र न्यायधीश के कुल एक प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय से कुल 22,मोटर दुर्घटना दावा से कुल 50,अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम से कुल 90,विशेष न्यायाधीश से कुल तीन,सीजेएम से कुल 741, सिविल जज सीनिजर डिवीजन से कुल 108 एसीजेएम से 553,सिविल जज जूनियर डिवीजन कुल 103 राठ जूनियर डिवीजन 378 वादो का निस्तारण किया गया।

एसडीएम-तहसीलदार ने बूथों का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। कालपी (जालौन)

शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के तहत 220 कालपी विधानसभा क्षेत्र के बूथों में राजनीतिक दलों के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) तथा बीएलओ की मौजूदगी में विशेष प्रगाण पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया गया।

इस दौरान एसडीम व तहसीलदार अभिनव तिवारी के द्वारा बूथों का औचक निरीक्षण किया गया। तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी ने ग्राम छौंक के पोलिंग बूथ में औचक तरीके से पहुंचकर बीएलओ तथा बीएलए से भेंट की तथा एस आई आर की हकीकत जानी। इस दौरान पर्यवेक्षक लेखपाल राघवेंद्र सिंह सचान आदि लोग मौजूद रहे। तहसीलदार ने बी एल ओ व बी एल ए से कार्यों की हकीकत जानकर आवश्यक निर्देश दिए। उसरगांव में पर्यवेक्षक के तौर पर पर्यवेक्षक लेखपाल सत्येंद्र महान मौजूद रहे। इसी क्रम में कालपी नगर के परिषदीय विद्यालयों उदनपुरा कालपी बूथ संख्या 271 व 272 का तहसीलदार के द्वारा निरीक्षण किया गया।

लोक अदालत में 234166 मामलों का हुआ निस्तारण

उरई (जालौन)। शनिवार को जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित करते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन किया गया। जनपद की सभी तहसीलों मे स्थित दीवानी न्यायालयों में भी उक्त आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश एंव समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहें। लोक अदालत में 2 लाख 34 हजार 166 मामलों को निस्तारित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित वादों की जानकारी देते हुए सचिव अपर जिला जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारुल पंवार द्वारा बताया गया कि जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में माननीय जिला जज द्वारा 18 मुकदमों का निस्तारण किया गया एवं 6919013 रुपए की धनराशि पक्षकारों को दिलायी गयी।

बाघों की गणना के लिये लगाए गए कैमरे

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक वर्ष बाघों की गणना कराई जा रही है जिससे उनके संरक्षण व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कराई जा सके। हालांकि पिछले कई बर्षो से बाघों की गणना में काफी इजाफा देखने के लिये मिला है। वहीं दुगुनी गति से बाघों की बढोत्तरी हो रही है जिससे वन विभाग सहित वन्य व पशु प्रेमी काभी उत्साहित है। महेशपुर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी निर्भय सिंह शाही ने बताया कि महेशपुर रेंज के कुल वन्य भू भाग 6800 हेक्टेयर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वीटों जैसे आवलां, ककरहा देवीपुर, सहजनियां, महेशपुर सहित कुल 40 कैमरे लगाये गये हैं। जबकि गोला वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि हमारे यहां 1235 हेक्टेयर वन्य भू भाग पर कुल चार कैमरे सिकन्दरपुर बीट में लगाये गये हैं। जो कि विगत दस दिसम्बर से लेकर पंद्रह जनवरी यानि की पैतालिस दिनों में बाघों की गणना कराकर उसका डेटा सरकार के पास उपलब्ध कराना होगा।

पाइप लाइन से कनेक्शन कर धुले जा रहे हैं वाहन

पायनियर संवाददाता। कुरारा (हमीरपुर)

कस्बा कुरारा में वाहन धुलाई केंद्र संचालक द्वारा जल संस्थान की पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन कर वाहन धुले जा रहे है। तथा मेन सड़क में वाहन खड़ा करके धुलाई की जा रही है। बस स्टैंड के नजदीक संचालित वाहन धुलाई केंद्र में जल संस्थान की बड़ी पाइप लाइन में अवैध रूप से पानी का कनेक्शन कर वाहनों की धुलाई की जा रही है। पेयजल के लिये पानी नही मिल रहा है मगर रोजाना लाखो लीटर पानी बर्वाद हो रहा है. मेन सड़क में खड़ा करके धुलाई की जा रही है। जिससे आधी सड़क में इनका कब्जा रहता हैं। इससे वाहन निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क में पानी रहने से पैदल चलने वाले लोग फिसल कर गिर जाते है। जिससे लोग चोटिल हो रहे है। इस संबंध में जब जल संस्थान के लिपिक राजेंद्र कुमार से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि इसकी जांच कराकर इनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

समाधान दिवस पर शिकायतों का हुआ निस्तारण

पायनियर संवाददाता। माधौगढ़ (जालौन)

माधौगढ़ कोतवाली परिसर में सीओ अंबुज सिंह व तहसीलदार की अध्यक्षता में कोतवाली प्रभारी विकेश बाबू की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें फरियादियों ने अपनी अपनी समस्या से संबंधित प्रार्थना पत्र अधिकारियों के समक्ष रखकर उनके निस्तारण की मांग की जिस पर अधिकारियों द्वारा मौके पर प्रार्थना पत्रों का निस्तारण न हो सका और प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकरियों को सौंपते हुए उन्हें जल्द से जल्द निस्तारण का आदेश दिया।

इस दौरान तहसीलदार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए। जो भी शिकायतें आयी है इसका निस्तारण जल्द और पारदर्शिता के साथ किया जाए और जहां भी समस्या के निस्तारण में पुलिस बल की जरूरत है समय से पुलिस बल उपलब्ध कराया जायेगा ताकि समस्या का हल निकल सके। इस दौरान एसआई शिवकरन, एसआई रामऔतार सिंह, एसआई संतोष कुमार, एसआई महादेव सिंह, एसआई अदिल खान, इरशाद खान समस्त पुलिस स्टाफ,दीपक सिंह समस्त लेखपाल एवं ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

माधौगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार के निर्देशन में माधौगढ़ क्षेत्राधिकारी अंबुज सिंह ने वाहन चालकों को शक्ति दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वाहनों को धीमी गति में चलाएं सीट बेल्ट बांधे टू व्हीलर वाहनों में हेलमेट को लगाकर चलें कोतवाली प्रभारी विकेश बाबू की देखरेख में एसआई शिवकरन सिंह, एसआई महादेव सिंह, एसआई रामऔतार ने मछंड मोड़ रामपुरा तैराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया कि राज्सव वसूली पुलिस दलबल के साथ टू व्हीलर फोर व्हीलर वाहनों को चेक किया बिना हेलमेट दस्तावेज बिना सीट बेल्ट के वाहन चालकों के काटे चालान मौके पर सीओ अंबुज सिंह, कोतवाली प्रभारी विकेश बाबू, एसआई एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

एक शर्त की वजह से बलि चढ़ा अमृता-शास्त्री का रिश्ता

80 के दशक की लव स्टोरी का हुआ था दुखद अंत

पॉपुलर एक्ट्रेस अमृता सिंह का नाम 80 और 90 के दशक की उन अभिनेत्रियों में शुमार है जिनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग थी। इंडस्ट्री से भी कई एक्टर्स उनके दीवाने हुआ करते थे। अमृता सिंह अपने जमाने की बोल्ड एक्ट्रेस थीं जो जिंदगी अपनी शर्तों पर जीती थीं। फरवरी 1958 में दिल्ली में जन्मी अमृता ग्लैमर और राजनीतिक जगत की कुछ बड़ी हस्तियों से जुड़ी हैं। उनके पिता एक सेना अधिकारी थे और उनकी मां संजय गांधी की पॉलिटिकल एसोसिएट थीं। वह दिवंगत लेखक खुशवंत सिंह की पोती और राजनेता उज्ज्वल सिंह की परपोती हैं। अमृता ने साल 1983 में सनी देओल के अपोजिट फिल्म बेताब से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने मर्द, साहेब, चमेली की शादी, नाम, खुदगर्ज, वारिस जैसी कई फिल्मों में काम किया। एक सक्सेफुल करियर के अलावा अमृता सिंह अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहीं।

उन्होंने कई पॉपुलर सेलेब्स को डेट किया और उनके रिश्ते की कभी हैप्पी एडिंग नहीं हुई। इनमें से एक थे रवि शास्त्री। एक्ट्रेस और क्रिकेटर्स का रिश्ता कोई नई बात नहीं है। 80 के दशक में अमृता सिंह और रवि शास्त्री का रिश्ता खूब चर्चा में था। यहां तक कि उन्होंने सिने ब्लिट्ज पत्रिका के नवंबर 1986 के अंक में कवर पेज के लिए पोज भी दिया था, जिससे उनके अफेयर की अफवाहों को और हवा मिली। यह भी बताया गया कि दोनों लव बर्ड्स ने सगाई भी कर ली थी और बहुत जल्द शादी करने वाले थे।

> 1983 में सनी देओल के अपोजिट फिल्म बेताब से एक्टिंग किया था डेब्यू।

बेहद शर्मीले थे रवि शास्त्री

रिपोर्ट के अनुसार, रवि शास्त्री और अमृता सिंह की पहली मुलाकात मुंबई के एक रेस्टोरेंट में हुई थी। एक इंटरव्यू में रवि शास्त्री ने स्वीकार किया था कि वो बेहद शमीर्ले इंसान थे और अमृता से मिलते समय वो शुरू में 10 मिनट तक बात ही नहीं कर पाए। तब अमृता ने ही बात करना शुरू किया। लेकिन फिर जब सब अच्छा-अच्छा चल रहा था तो फिर रिश्ता टूटा क्यों।

क्या थी शास्त्री की शर्त

दरअसल उस समय एक इंटरव्यू में रवि शास्त्री ने साफ कर दिया था कि वह किसी एक्ट्रेस को अपनी पत्नी नहीं बनाना चाहते। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टनर की पहली प्राथमिकता उसका घर होना चाहिए। उस वक्त अमृता अपने करियर के पीक पर थीं और सुपरहिट फिल्म दे रही थीं। उनके पास ऑफर्स की लाइफ थी। अमता ने यह कहते हुए विरोध जताया कि वह अपने प्रोफेशन से यूं ही दूर नहीं जा सकतीं। हालांकि, उन पर तंज कसते उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ साल के बाद वह एक हाउसवाइफ बनकर जरूर रह सकती हैं और घर संभालने में ध्यान लगाएंगी।

जब तीन हीरो का रोल खा गया था अकेला खलनायक

हिंदी फिल्मों के इतिहास में कई ऐसी फिल्में हैं जो कारोबार के हिसाब से बेहद सफल नहीं हो सकीं, लेकिन कल्ट फिल्म के तौर पर याद की जाती हैं। ऐसी फिल्में अपने क्राफ्ट के कारण वर्षों बाद भी लोगों की जुबान पर होती हैं। 'जाने भी दो यारो', 'मेरा नाम जोकर' और 'लम्हे' कुछ ऐसी ही फिल्में हैं, जो आज भी बेहतरीन फिल्मों की सूची में शामिल हैं, लेकिन वो सफल फिल्मों की श्रेणी में नहीं आतीं। ऐसी ही एक और फिल्म है आज से 45 वर्ष पूर्व प्रदर्शित हुई 'शान'। फिल्म 'शोले' की सफलता के बाद रमेश सिप्पी एक शहरी और आधुनिक कहानी पर फिल्म बनाना चाहते थे। ऐसी फिल्म जिसमें नायक, नायिकाएं, खलनायक सभी शहरी हों और फिल्म का वातावरण भी आधुनिक लगे।

45 साल पुरानी फ्लॉप फिल्म आज बनी कल्ट

लेखक सलीम-जावेद की हिट जोड़ी उनके साथ थी। फिल्म 'शान' की कहानी तैयार हो गई, जिसमें इयान फ्लेमिंग के उपन्यासों और जेम्स बांड सीरीज की फिल्मों के खलनायक ब्लोफेल्ड पर आधारित एक खलचरित्र रचा गया। शाकाल नाम का ये पात्र गंजा है। 'शोले' की तरह ही इस फिल्म को मल्टीस्टारर बनाने की योजना बनी। रमेश सिप्पी चाहते थे कि फिल्म 'शोले' में काम करने वाले अभिनेता और अभिनेत्रियां फिल्म 'शान' में भी अलग -अलग भूमिका करें। शाकाल की भूमिका के लिए रमेश सिप्पी पहले संजीव कुमार को ही चाहते थे, लेकिन उनकी अन्यत्र व्यस्तता थी। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी भी 'शान' फिल्म के लिए समय नहीं निकाल सके तो शशि कपूर और बिंदिया गोस्वामी को भूमिकाएं दी गईं। कुछ दिनों पहले धर्मेंद्र ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वो चाहते थे कि फिल्म 'शान' में काम कर सकें, लेकिन उनके पास डेट्स नहीं थीं। जब 'शोले' बन रही थी, तब भी गब्बर सिंह के किरदार के लिए रमेश सिप्पी की पसंद संजीव कुमार थे। इस बात का उल्लेख कई पुस्तकों में मिलता है। फिल्म 'शोले' के प्रदर्शित होने के दो वर्ष बाद 'शान' का निर्माण आरंभ हो गया था। तीन वर्षों में ये फिल्म बनकर तैयार हुई। इस फिल्म पर निमार्ता ने काफी खर्च किया था।

फिल्म की आईकॉनिक स्टार कास्ट

करीब 45 वर्ष पूर्व एक द्वीप के अंदर तकनीक के तामझाम के साथ शूट करना कठिन था। कुलभूषण खरबंदा अभिनीत किरदार शाकाल जिस कुर्सी पर बैठता था, उसके सामने कई रंगों की जलती-बुझती बत्तियां और कई तरह के स्विच व लीवर एक शहरी खलनायक की ऐसी छवि

दर्शकों के समक्ष उपस्थित करते थे, जिसके मोहपाश में बंधने की संभावना थी। अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, शशि कपूर, जीनत अमान, राखी जैसे कलाकार फिल्म को हिट कराने के लिए काफी थे। शाकाल के गुर्गों की भूमिका भी बेहतरीन अभिनेताओं को दी गई। शोले में सांभा की भूमिका निभाने वाले मैकमोहन शाकाल के साथी जगमोहन की भूमिका में थे।

फ्लॉप के बावजूद बनी कल्ट

शान जबरदस्त हिट तो नहीं हो सकी, लेकिन इसके क्राफ्ट ने इसको कल्ट फिल्म बना दिया। रमेश सिप्पी ने सलीम-जावेद के लिखे किरदार शाकाल को इस तरह से पर्दे पर गढ़ा कि उसका गंजापन और संवाद अदायगी दर्शकों को पसंद आई। कुलभूषण खरबंदा ने पर्दे पर शाकाल को जीवंत कर दिया। फिल्म के अंतिम दृश्य में जब उसको गोली लगती है तो वो कहता है कि मुझे मालूम है कि मैं मरने वाला हूं, लेकिन तुम लोग भी बचोगे नहीं। ऐसा कहने से पहले शाकाल एक हैंडल को नीचे की ओर झुका देता है, जिससे उसका ठिकाना धमाके में नष्ट हो जाए। कुलभूषण खरबंदा की संवाद अदायगी बढ़िया थी। इस फिल्म में एक गाना है यम्मा यम्मा। इसको आर. डी. बर्मन और मोहम्मद रफी ने साथ मिलकर गाया है। दोनों का साथ गाया यह एकमात्र गाना है।

25 साल पहले रही नेशनल क्रश

44 की उम्र में एक्ट्रेस की ब्यूटी के आगे फेल नई हसीनाएं

एक्ट्रेस ने साल 2000 में एक सुपरहिट फिल्म के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। लेकिन इससे पहले वह मॉडलिंग में भारत का नाम रोशन कर चुकी थी। बीते 25 साल से ये अदाकारा एक्टिंग की दुनिया में अपनी शानदार अदाकारी का लोहा मनवा रही है। इतना ही नहीं अपने वक्त में ये अभिनेत्री हिंदी सिनेमा की नेशनल क्रश मानी जाती थी। आलम ये है कि 44 साल की उम्र में इस एक्ट्रेस की ब्यूटी के आगे बी टाउन की नई हसीनाएं भी फेल हैं। हिंदी सिनेमा की जिस अदाकारा के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसने दो शादियां रचाई हैं। पहली शादी 5 साल चली और इससे उनको एक बेटी भी हुई। इसके बाद 2021 में इस हसीना ने दूसरी बार शादी की और उससे उनका एक बेटा है।

> पहली शादी 5 साल चली और इससे उनको एक बेटी भी हुई। इसके बाद 2021 में इस हसीना ने दूसरी बार शादी की और उससे उनका एक बेटा है। फिल्मों में कमाल की अदाकारी और बेबाक खूबसूरती के लिए इन्हें खूब जाना जाता है।

फिल्मों में कमाल की अदाकारी और बेबाक खूबसूरती के लिए इन्हें खूब जाना जाता है। चलिए आपका सस्पेंस खत्म करते हुए बता दें कि यहां बात अभिनेत्री दीया मिर्जा की जा रही है। अभिनेता आर माधवन की फिल्म रहना है तेरे दिल में से बॉलीवुड में एंट्री मारी। इससे पहले दीया ने मॉडलिंग करियर में खूब शोहरत हासिल की। वह साल 2000 में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में दूसरी रनर-अप रहीं और फिर इसके तुरंत बाद मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल 2000 में उन्होंने जीत का परचम लहराकर देश का नाम रोशन किया। दीया मिर्जा की हॉटनेस और नेचुरल ब्यूटी का अंदाजा आप उनकी इन फोटो को देखकर आसानी से लगा सकते हैं। फैंस को दीया सादगी भरा काफी पसंद आता है और वे उनकी फोटोज पर बेशुमार प्यार बरसाते हैं।

शबाना आजमी ने दिखाई कॉलेज के दिनों की झलक

> शबाना आजमी जया बच्चन की एक्टिंग को देखकर इस कदर मंत्रमुग्ध हो गई थीं कि उन्होंने भी फिल्म में आने का फैसला ले लिया।

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा शबाना आजमी ने अपने कॉलेज के दिनों की एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। ये तस्वीर उन दिनों की है जब वो फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, पुणे में थीं और वहां उनका पहला साल था वहां। शबाना ने अपनी ये ब्लैक एंड वाइट तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। बताया जाता है कि शबाना आजमी जया बच्चन (तब जया भादुड़ी) की एक्टिंग को देखकर इस कदर मंत्रमुग्ध हो गई थीं कि उन्होंने भी फिल्म में आने का फैसला ले लिया। हालांकि, पिता का भी सपोर्ट रहा और फाइनली उन्होंने एक्टिंग सीखने के लिए फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे में एडमिशन लिया।

शबाना ने इस तस्वीर को शेयर कर बस इतना ही लिखा है कि ये भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के फर्स्ट इयर की है। इस तस्वीर को देखकर लोगों ने कहा है- तभी से एक्टिंग इनकी आखों से ही छलकती थी। कुछ ने इनोसेंट लुक कहा है तो किसी ने डेलिकेट और एलिगेंट भी कहा है उन्हें। बता दें कि आजमी का जन्म 18 सितंबर 1950 को हैदराबाद में हुआ था। पिता कवि और गीतकार कैफी आजमी और रंगमंच कलाकार शौकत आजमी के घर हुआ था। शुरू में शबाना को उनके माता-पिता मुन्नी ही कहकर बुलाया करते थे। वहीं आजमी का बचपन उनके घर पर होने वाली अनगिनत महफिलों का गवाह रहा है जहां उनके माता-पिता के साथ बड़े-बड़े लोग उनकी कविताएं सुनने आया करते।

पिता भी निभाया करते थे बच्चों के देखभाल की जिम्मेदारी

जब उनकी मां पृथ्वी थिएटर के दौरे पर जाया करतीं तो उनके पिता कैफी आजमी उनकी और उनके भाई की देखभाल करते थे। वे शौकत को उनके नए नाटक या फिल्म के लिए तैयारी करने में भी मदद करते थे। उनका मानना था कि एक परिवार के रूप में यह उनका कर्तव्य है कि वो उनके (शौकत) लिए यह संभव बनाएं कि वे जितनी बार चाहें उतनी बार अपनी लाइनों का अभ्यास कर सकें।

माता-पिता के साथ मुशायरों में भी जातीं

अपने एक इंटरव्यू में शाबाना ने बताया था, 'मैं ध्यानमग्न होकर बैठ जाती, उन्हें आधा भी समझ नहीं पाती थी कि वे क्या पढ़ रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें सुनने के लिए उत्साहित रहती थी। उनके खूबसूरत शब्द मेरे नन्हे कानों पर किसी संगीत की तरह पड़ते थे।' शबाना ने बताया था कि वह अपने माता-पिता के साथ मुशायरों में भी जाती थीं और साहिर लुधियानवी और अली सरदार जाफरी की नज्में सुनती थीं ।

गल्फ देशों में बैन धुरंधर का फैन हुआ पाकिस्तान

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर तारीफ-कमाई के साथ-साथ आलोचना भी झेल रही है। फिल्म को लेकर दुनियाभर में बवाल मचा हुआ है। कुछ देशों में तो इसे बैन भी कर दिया गया है। यहां तक कि फिल्म को 'एंटी-पाकिस्तानी मूवी' बताया जा रहा है। इस बीच पाकिस्तान ही फिल्म की तारीफ कर रहा है।

जी हां, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई धुरंधर की तारीफ हो रही है, वो भी पाकिस्तान में। रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों से सजी फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से खूब सराहा जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान में लोग इसकी सराहना कर रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तान फिल्म में दिखाए गए ल्यारी क्षेत्र को देख हैरान है। दरअसल, धुरंधर में दिखाया गया ल्यारी क्षेत्र को वास्तव में पंजाब के लुधियाना स्थित खेड़ा गांव में शूट किया गया है, लेकिन फिल्म देख लगता है कि यह असली ल्यारी क्षेत्र है। फिल्म में दिखाए गए ल्यारी क्षेत्र को देख पाकिस्तान हैरान है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्टियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन : 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: डॉ. देवेन्द्र सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

अधिकांश खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार हैं : तिलक

धर्मशाला। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला फिलहाल 1.1 से बराबरी पर है । तीसरा मैच रविवार को यहां खेला

जायेगा।अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है। तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा,सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा ,हर टीम को लगता है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिये जाते हैं। उन्होंने कहा, एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है।

ओडिशा मास्टर्स: हुड्डा और ईशारानी और जॉर्ज फाइनल में

कटक। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और हमवतन ईशारानी बरुआ शनिवार को यहां ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सेमीफाइनल जीतकर महिला एकल फाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी जबकि दूसरे वरीय किरण जॉर्ज पुरुष एकल खिताब के लिए इंडोनेशिया के मोहम्मद यूसुफ के सामने होंगे। अठारह वर्षीय हुड्डा टूर्नामेंट के 2022 चरण और 2023 अबुधाबी मास्टर्स की विजेता रह चुकी हैं। उन्हें पूर्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तसनीम मीर ने कड़ी चुनौती दी। लेकिन हुड्डा एक घंटे तक चले मुकाबले में 18-21, 21-16, 21-16 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं। दूसरे सेमीफाइनल में असम की ईशारानी ने शानदार वापसी करते हुए तन्वी हेमंत को 18-21, 21-7, 21-7 से हराया। जॉर्ज ने 53 मिनट तक चले सेमीफाइनल में रौनक चौहान को 21-19, 8-21, 21-18 से हराकर पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। वहीं मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भारत के एस कनापुरम और आर उथयसूरियन को इंडोनेशिया के देजान फर्डिनान्स्याह और बी वर्डाना की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 16-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। अश्विनी भट और शिखा गौतम महिला युगल के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गईं।

त्सिगानकोव के दो गोल से गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गयी। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स पर आठ विकेट से हराया

दुबई। खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिये, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गये। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाये। इससे पहले नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के आये लियाम डॉसन ने 14 गेंद में तीन चौके और इतने ही छक्के की मदद से नाबाद 38 रन की पारी खेली जिससे गल्फ जायंट्स की टीम 157 रन तक पहुंचने में सफल रही।

राष्ट्रीय निशानेबाजी : ओलंपियन रेइजा ढिल्लों को स्कीट में दो स्वर्ण

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं के सीनियर और जूनियर दोनों वर्गों में स्कीट में स्वर्ण पदक जीता। 21 वर्ष की इस निशानेबाज ने महिलाओं के फाइनल में 56 स्कोर करके यशस्वी राठौड़ को हराया जिसने 55 अंक के साथ रजत पदक जीता ।ओलंपियन गनीमत सेखों को कांस्य पदक मिला। इससे पहले क्वालीफिकेशन में यशस्वी ने 118 अंक लेकर शीर्ष स्थान पाया था जबकि गनीमत और रेइजा के 116 अंक थे। शूटआफ में रेइजा दूसरे और गनीमत तीसरे स्थान पर रही। महिला टीम वर्ग में राजस्थान को स्वर्ण पदक मिला। यशस्वी दर्शना और ओलंपियन माहेश्वरी चौहान ने 343 अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग में रेइजा को स्वर्ण, वंशिका तिवारी को रजत और मानसी रघुवंशी को कांस्य पदक मिला। जूनियर टीम वर्ग में मध्यप्रदेश पहले, राजस्थान दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा टी20 आज रात 7 बजे से,सीरीज 1-1 की बराबरी पर

गिल की बल्लेबाजी पर होंगी नजरें

एजेंसी। धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी जो इस प्रारूप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे है।गिल को श्रृंखला के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है। धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है और बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं।

तीसरे टी20 मैच से पूर्व अभ्यास में जुटे शुभमन गिल

संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। टीम ने श्रृंखला के शुरुआती मैच में बड़ी हार का सामना करने के बाद दूसरे मैच में दमदार वापसी कर भारत को हर विभाग में पछाड़ दिया। श्रृंखला अब 1-1 से बराबरी पर है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते बल्लेबाजों में भूमिका की कमी दिखी: उथप्पा

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को मुल्लनपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गयी। इस 51 रन की हार के साथ पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गयी।

उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्हों 'जियो हॉटस्टार' पर कहा,शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकरे अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके। उथप्पा का मानना था कि अक्षर की धीमी गति से खेली गई 21 रनों की पारी दबाव कम करने में विफल रही, जिससे उनके आसपास विकेट गिरने लगे और रणनीति में बदलाव करना पड़ा। इससे लक्ष्य का पीछा करना और धीमा हो गया। उन्होंने कहा,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्लेबाजों को अपनी भूमिकाओं और पारी को आगे बढ़ाने के तरीके के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा,पहले छह से आठ ओवरों के बाद बल्लेबाजों की रणनीति में लचीलापन ठीक है, लेकिन बड़े स्कोर का पीछा करने से पहले एक मजबूत नींव की जरूरत होती है। बिना मजबूत आधार के गगनचुंबी इमारत नहीं खड़ी की जा सकती।उन्होंने कहा,खिलाड़ियों से एक ही मैच में कई भूमिकाएं निभाने की उम्मीद करना चीजों को जटिल बना देता है और भारत यहीं चूक कर रहा है।

सौरव के शतक से रूद्रांश क्लब की 135 रन की शानदार जीत

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

मैन ऑफ द मैच सौरव (103 रन, 101 गेंद, 14 चौके) की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 21वीं बीबीडी सी डिवीजन क्रिकेट लीग में रूद्रांश क्रिकेट क्लब ने गुजराल क्रिकेट क्लब को 135 रनों से करारी शिकस्त दी।

मैन ऑफ द मैच सौरव (103 रन, 101 गेंद, 14 चौके)।

जीजीएस स्पोर्ट्स कॉलेज मैदान पर खेले गए मुकाबले में रूद्रांश क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 290 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज गौरव चौहान (8) और शौर्य भट्ट (9) जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद क्रीज पर उतरे विकास यादव और सौरव ने पारी को मजबूती दी। दोनों के बीच दमदार साझेदारी हुई। विकास यादव ने 54 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 68 रन बनाए,जबकि दूसरे छोर पर सौरव ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 101 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 103 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। इसके अलावा दिव्यांशु स्वरूप ने 24 और शौर्य प्रताप सिंह ने 38 रन का योगदान दिया। गुजराल क्रिकेट क्लब की ओर से तुषार राजदूत और अंशुमन मिश्रा ने दो-दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजराल की टीम रूद्रांश के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सकी और 40 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना पाई। राज द्विवेदी (14), एके रंजन (34) और देवराज बघेल (35) ही कुछ देर टिक सके। रूद्रांश क्लब से आदित्य यादव, अशु गुप्ता और सत्यम सिंह ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत को आसान बना दिया।

हिमाचल,हैदराबाद व झारखंड का जीत से आगाज

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

वीमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी

वीमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-सी के मुकाबलों में शनिवार को झारखंड, हैदराबाद और हिमाचल प्रदेश ने जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले गए मैच में झारखंड ने जम्मू एंड कश्मीर को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। वहीं,जीसीआरजी ग्राउंड पर हैदराबाद ने मुंबई को छह विकेट से मात दी। स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने चंडीगढ़ को 106 रनों के बड़े अंतर से हराया।

अहाना के शतक हिमाचल प्रदेश ने चंडीगढ़ 106 रनों से रौंदा: हिमाचल प्रदेश को चंडीगढ़ को हराने के लिए अधिक मेहनत नही करनी पड़ी। हिमाचल प्रदेश ने 50 ओवर में पांच विकेट खोकर 291 रनों का स्कोर बनाया। जवाब में चंडीगढ़ की टीम 185 रनों के योग पर सिमट गई। हिमांचल प्रदेश की ओर से अहाना शर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाजी की और 80 गेंदों में 18 चौके और चार छक्के की बदौलत 120 रन बनाये। पल्लवी ठाकुर ने तीन और अहाना ने दो विकेट लेकर चंडीगढ़ को सस्ते में समेट दिया।

हैदराबाद ने मुंबई को छह विकेट से दी मात : हैदराबाद और मुंबई के बीच खेला गया मुकाबला भी एकतरफा रहा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई को हैदराबाद के गेंदबाजों ने 94 रनों के योग पर रोक दिया। मुंबई की जीया ने सबसे अधिक 38 रन बनाये। हैदराबाद की ओर से जैजमिन गिल ने 10 ओवर में पांच मेडन और 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये। जवाब में हैदराबाद ने चार विकेट खोकर 16वें ओवर में जीत हासिल कर ली।

झारखंड ने जम्मू-कश्मीर को नौ विकेट से हराया : लीग के अन्य मुकाबले में झारखंड के 118 रनों के जवाब में झारखंड ने मात्र एक विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। झारखंड की ओर से कुमारी पलक ने तीन और भूमिका ने दो विकेट चटकाये। आरुषी ने नाबाद अर्धशतक जड़ा और गुरुलीन कौर ने नाबाद 49 रनों की पारी खेली।

तमिलनाडु, असम के खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

माध्यमिक शिक्षा विभाग की देखरेख में अंडर-17 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं की 69वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ शनिवार को कुर्सी रोड स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के एथलेटिक्स स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि कृषि उत्पादन आयुक्त एवं एसजीएफआई के अध्यक्ष दीपक कुमार ने ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर प्रतिभागी टीमों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा तथा खेल सचिव सुहास एलवाई उपस्थित रहे।

मीडिया कॉर्डिनेटर डॉ. दिनेश कुमार के अनुसार पहले दिन बालक एवं बालिका वर्ग में 3000 मीटर, 100 मीटर और 800 मीटर दौड़ के साथ शॉटपुट के प्रथम चरण एवं क्वालिफिकेशन राउंड आयोजित किए गए। कुछ स्पधाओं के फाइनल मुकाबले भी खेले गए। पहले दिन की प्रतियोगिताओं में तमिलनाडु और असम के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कर्नाटक और

ऊंची कूद प्रतियोगिता में जंप लगाती एथलीट।

उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने रजत, जबकि दिल्ली और केरल के खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीते। पूर्व खेल निदेशक विजय सिंह चौहान ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेंद्र देव, सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह, निदेशक एससीईआरटी गणेश कुमार, संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार, अपर राज्य परियोजना निदेशक वीके पांडेय, उप शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल रेखा दिवाकर, वरिष्ठ विशेषज्ञ समग्र शिक्षा (माध्यमिक) मुकेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक समग्र शिक्षा राजकुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार तथा स्पोर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य अतुल सिन्हा मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन: इससे पहले खेल सद्भावना बनाए रखने को प्रतीक मशाल को मुख्य अतिथि के साथ ही राष्ट्रीय पदक विजेता खुशी कुमारी, ऋषभ तोमर एवं काजल ने प्रज्वलित किया। स्पोर्ट्स कॉलेज के राष्ट्रीय पदक विजेता अतुल यादव ने खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाई। इसके बाद बाल निकुंज इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत स्वर्णिम भारत, श्री राम एकेडमी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने खेल थीम एवं पायनियर मोंटेसरी इंटर स्कूल ने मोटिवेशनल थीम पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी। प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को लखनऊ और आसपास के पर्यटन स्थलों के भ्रमण की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि विभिन्न प्रांतो से आए हुए सभी प्रतिभागी लखनऊ की खूबसूरती का लुत्फ उठाएं और खेल भावना को बनाएं रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जीत से आगाज

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

कप्तान मयूर शुक्ला (4 विकेट, 49 रन) के आलराउंड प्रदर्शन से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने एसबीआई कप लखनऊ मीडिया प्रीमियर लीग (एलएमपीएल) 2025 के उद्घाटन मैच में हिंदुस्तान टाइम्स को 6 विकेट से हराकर विजयी शुरूआत की। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एलएसजेए) के तत्वावधान में आयोजित लीग में दूसरे मैच में एलएसजेए एकादश ने मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश को 75 रन से शिकस्त दी।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शुरू हुई लीग का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पीयूष सिंह चौहान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत एलएसएजेए के सचिव एसएम अरशद ने किया। पहले मैच में पिछली विजेता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने हिंदुस्तान टाइम्स को 6 विकेट से पराजित किया। हिंदुस्तान टाइम्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 123 रन बनाए। जवाब में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस मैच में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री व पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा और आज समाचार पत्र के संपादक हरिंदर सिंह साहनी ने मयूर शुक्ला को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

मीडिया लीग के उद्घाटन के बाद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पीयूष सिंह चौहान

एलएसजेए ने मान्यता प्राप्त को 75 रन से हराया : दूसरे मैच में एलएसजेए एकादश ने मैन ऑफ द मैच नदीम खान (4 विकेट) की गेंदबाजी से मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश को 75 रन से हराया। एलएसजेए एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 118 रन बनाए। जवाब में मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश 10.4 ओवर में 43 रन ही बना सका।

मेस्सी के खुमार में कोलकाता,आधी रात को स्वागत को पहुंचे हजारों प्रशंसक

एजेंसी। कोलकाता

दिसंबर की सर्दी के बावजूद हजारों की संख्या में प्रशंसक आधी रात को अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियानेल मेस्सी का स्वागत करने पहुंचे जो भारत में तीन दिन के भीतर चार शहरों के 'जीओएटी भारत दौरा 2025' के लिये यहां पहुंचे। बार्सीलोना के सुपरस्टार मेस्सी शनिवार को तड़के दो बजकर 26 मिनट पर यहां पहुंच गए और अपने फुटबॉल प्रेम के लिये मशहूर पूरा शहर मेस्सी के खुमार में डूब गया है। अंतरराष्ट्रीय आगमन द्वार पर उनके नाम की गूंज, अर्जेंटीना के झंडे और फोन की फ्लैश लाइट देखी जा सकती थी।

प्रशंसक एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे के बीच दौड़ते रहे ताकि अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक पा सकें। कइयों ने बच्चों को कंधों पर उठा रखा था। भारी सुरक्षा के बीच मेस्सी वीआईपी गेट से बाहर निकल गए। एक बड़े काफिले के साथ वह होटल तक पहुंचे जहां भी सैकड़ों प्रशंसक मौजूद थे। जगह जगह बैरीकेड लगाये हुए थे और

भारी तादाद में पुलिस बल भी तैनात था । मेस्सी के साथ लंबे समय से उनके साथी स्ट्राइकर रहे लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के साथी रौद्रिगो डि पॉल भी पहुंचे हैं। वह अगले 72 घंटे में कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली जायेंगे जहां मुख्यमंत्रियों, कारपोरेट दिग्गजों, बॉलीवुड कलाकारों और सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलेंगे। देर रात तक जागने के बावजूद कई प्रशंसकों को निराशा हाथ लगी क्योंकि वे मेस्सी की झलक नहीं देख सके। भारी सुरक्षा के बीच मेस्सी को हवाई अड्डे से निकाला गया और वह रात साढे तीन बजे पीछे के दरवाजे से होटल पहुंचे।

इससे होटल के मुख्य द्वारा पर जमा सैकड़ों प्रशंसकों को मायूसी ही मिली। हवाई अड्डे पर स्टाफ ही अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार को देख सका जब वह निजी गल्फस्ट्रीम वी से उतरे। सफेद टी शर्ट के ऊपर काला सूट पहने मेस्सी को सीधे वहां से सुरक्षा घेरे में ले जाया गया। हयात रीजेंसी होटल की लॉबी में प्रशंसक गलियारे में दौड़ते दिखे ।देर रात से तड़के तक 'मेस्सी मेस्सी' का शोर गूंजता रहा। होटल की लॉबी अर्जेंटीना फैन क्लब की तरह लग रही थी जिसके आसमानी जर्सी, स्कार्फ और झंडे ही नजर आ रहे थे। दुधमुंहे बच्चों को सीने से लगाये मां, छोटे बच्चे और उम्रदराज प्रशंसक लॉबी में सोफे पर बैठे हुए थे। मेस्सी कमरा नंबर 730 में गए और पूरा सातवां फ्लोर उनके लिये आरक्षित कर दिया गया था । भारी सुरक्षा के बीच कुछ प्रशंसक होटल में कमरा बुक करने में कामयाब रहे ताकि मेस्सी के करीब रह सकें। न्यू अलीपुर से एक परिवार एक दिन पहले ही होटल में आ गया था ताकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो का प्रशंसक उनका बेटा कृष गुप्ता मेस्सी को देख सके। बिड़ला हाई स्कूल में नौवी कक्षा के छात्र कृष ने कहा ,मैं रोनाल्डो का प्रशंसक हूं। तो क्या हुआ। उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मेरे शहर में है और मैं यह मौका चूक नहीं सकता।

मेस्सी ने नबी और दिपेंदु की जर्सी पर दिये आटोग्राफ

कोलकाता। लियोनेल मेस्सी का जीओएटी दौरा साल्ट लेक स्टेडियम पर अफरा तफरी और अराजकता के बीच शुरू हुआ लेकिन भारत के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों दिपेंदु विश्वास और सैयद रहीम नबी के लिये यह दिन यादगार बन गया। डायमंड हार्बर मेस्सी एकादश के खिलाफ मोहन बागान मेस्सी एकादश के लिये नुमाइशी मैच खेलने वाले विश्वास ने कहा कि मेस्सी ने मेरी जर्सी के बायीं ओर, सुआरेज ने दाई ओर और रौड्रिगो डि पॉल ने बीच में आटोग्राफ दिये। मेस्सी से दस साल बड़े विश्वास ने कहा ,वह मुस्कुरा रहे थे। उसका चमत्कारिक बायां पैर छूने का मौका मिलना वरदान से कम नहीं था। इससे पहले डिएगो माराडोना और पेले से जर्सी पर आटोग्राफ ले चुके विश्वास ने कहा कि विश्व चैम्पियन टीम का कप्तान, इतना बड़ा खिलाड़ी। ऐसा मौका जीवन में एक बार मिलता है। वह जितनी देर मैदान पर थे, मुस्कुराते रहे। मैदान पर हुई अफरा तफरी के बारे में उन्होंने कहा कि मैने इतने साल फुटबॉल खेली है। माराडोना और पेले भी यहां आये लेकिन दर्शकों को ऐसा बर्ताव करते कभी नहीं देखा। मेरा मानना है कि मेस्सी को खुली जीप में लाना चाहिये था, जैसे माराडोना को लाया गया था।

पायनियर द्वारा गाजियाबाद के होटल रैडिसन ब्लू में ''कैकेयी के राम'' के विमोचन की झलकियां

अयोध्या के राम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तक

डॉ. देवेंद्र सिंह
प्रधान संपादक

राज पथ से विमुख होकर राम के वन पथ गमन के पीछे माता कैकेयी के मंतव्य को समझने और समझाने की कृति है कैकेयी के राम। इसमें राम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम होने की कथा है और एक मां के मार्मिक ममतत्व की व्यथा भी। सदियों से माता कैकेयी को लेकर चल रही सामाजिक सोच की असल सच्चाई को सार्थक ढंग से परिभाषित करने की यह पोथी हम सबके राम के भगवान श्रीराम होने के हर प्रसंग को सलीके से दर्शाने की एक अहम कोशिश है। यह बताने की भी पहल है कि पीढ़ियों बाद सूर्यवंश में राम के अवतरित होने का महत्व क्या है और सृष्टि से सृजित इस दैवीय रचना के वास्तविक रचनाकार कौन हैं। अब इस कृति के आकार लेने के पहलू को भी समझना होगा। बाल्मीकि रामायण से उपजी अवधारणा से रूपांतरित यह रचना बताती है कि राम कोई चमत्कार दिखाने नहीं आए थे, राम पुरुषार्थ के लिए आए थे और जो कुछ उन्होंने संसार के समक्ष रखा यह सब उनके पुरुषार्थ का प्रतिफल था।

डॉ रहीस सिंह की पुस्तक कैकई के राम मझली माँ कैकेयी के कारण दशरथ कुमार कैसे मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम बने कथा का सार तत्व है। यह एक औपन्यासिक कृति है जिसके केन्द्र में अहम सवाल भी है कि इस यात्रा की पाथेय राम की मझली माँ कैकेयी थीं और ऐसा नहीं कि राम इससे अनभिज्ञ थे। राम को इस कहानी की पूरी पटकथा ज्ञात थी। लेकिन सांसारिक सोच इसके विपरीत रही और बनी हुई है। कैकेयी के राम इस भेद को भेदने की एक सफल कोशिश है। वैसे तो सबके अपने-अपने राम हैं और सबकी अपनी-अपनी व्याख्या भी। यह भी सच है कि राम कथा के विभिन्न पात्रों को लेकर भी अलग-अलग दृष्टिकोण रहे हैं। आज के युग में भी यह कार्य अनवरत जारी है। कुल मिलाकर इस कृति के जरिए आम जनमानस में कैकेई की नकारात्मक छवि को नूतन दृष्टि देने का प्रयास हुआ है। लोकमानस में धारणा है कि कैकई ने मंथरा के उकसाने पर ही अपने पुत्र भरत को राजपाट दिलाने के लिए राम को वन प्रवास दिलाया।

भरत को भी अपनी माता कैकेई का यह कृत्य इस कदर अखरा कि उनका भरोसा मां की ममता से उठ गया। जबकि सच्चाई यही है कि राम ने मझली मां को सदैव अपना शुभचिंतक और पथ प्रदर्शक ही माना। बावजूद इसके समाज ने प्रथम दृष्टया राम के वनवास के लिए कैकेयी को ही दोषी माना। कैकेयी के राम की कहानी युगों से समाज में चली आ रही कैकेई के प्रति पारंपरिक धारणा की परिभाषा को नए सिरे से परिभाषित करने की एक सार्थक परिकल्पना है।

'कैकेई के राम' वन के हैं, राजघराने के नहीं। इसीलिए वनवासियों और गिरिवासियों के लिए उनके मन में अगाध प्रेम और सम्मान है। जब लक्ष्मण राम से प्रश्न करते हैं कि वह सामान्य वनवासी शबरी की कुटिया में क्यों जाना चाहते हैं, तो राम इस प्रश्न का वह उत्तर देते हैं जो आज के समय में भी प्रासंगिक है। लक्ष्मण से राम कहते हैं,किसी भी व्यक्ति की महत्ता और उपादेयता इस बात पर निर्भर नहीं होती कि वह झोपड़ी में रहता है अथवा राजमहल में, वह वन में रहता है अथवा किसी विशाल नगर में, वह पर्वतों पर रहता है अथवा घाटियों में, उसकी महत्ता तो 'मनसा, वाचा, कर्मणा' होनी चाहिए।...... केवल शबरी ही नहीं अपितु प्रत्येक वनवासी राष्ट्र, धर्म, संस्कृति और प्रकृति के साथ-साथ वाह्य व आंतरिक सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण होता है। संपूर्ण आटविक बल और आटविक अर्थव्यवस्था इन्हीं से बनती है जो राष्ट्र को सशक्त बनाने में नींव के पत्थर की तरह काम करती है।

राम के विराट स्वरूप की झलक दर्शाती रचना में गुरु वशिष्ठ और माता कैकेई की लोक हितकारी सोच और नजरिए का पुट भी है। राम कथा में यही वह छिपा तथ्य है जिसने आम जनमानस की सोच को नकारात्मक सांचे में ढाल दिया। वशिष्ठ के लिए राष्ट्र प्रथम था। इसलिए वह राम को राजा तब बनाना चाहते थे जब वह इस अग्निपरीक्षा में खरे उतर जाएं। क्योंकि राजमहल के दीवारों में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कोई जगह नहीं थी। उधर कैकई की भी इच्छा थी कि राजकुल का न होकर उनका राम लोकहित में अपने पराक्रम और पुरुषार्थ को लगाए। कैकेई का मंतव्य था राष्ट्रहित की संस्थापना और इसी के चलते उन्होंने कलंक और अपयश को स्वीकारा। कैकेई के राम एक ऐसी अनूठी साहित्यिक - सांस्कृतिक कृति है, जो राम कथा को इस नए परिवेश में नया आयाम और आकार देगी।

इस रचना में मन ही मन माता कैकेई से संवाद करते राम की पंक्तियां नए परिवेश में कथा को लेकर नई सोच की सार्थकता को साफ दर्शाती हैं।

(धन्य हो मझली मां! आपने अपने समस्त सत्कर्मों का पुण्य मुझे आशीर्वाद में दे दिया और स्वयं पाप की भागीदार कहलाने लगीं। समस्त संसार का यश मेरे हिस्से में कर दिया और सारा कलंक अपने सिर ले लिया। यह संभव है कि यह संसार आपको कभी समझ ना पाए। परंतु मैं समझ गया। मैं समझ गया माता!)

(कैकेयी कहती हैं कि हे राम मेरा जो भी था वह मैंने राम बनाने में तुम्हें अर्पित कर दिया है। यह संसार मुझे कैसे सोचेगा यह मुझे नहीं इस संसार को सोचना है।)

'अयोध्या के राज सिंहासन पर तो कोई तपस्वी ही आरूढ़ हो, ऐसी ही मेरी भी इच्छा थी। आज वह पूर्ण हो रही है। मेरा पाथेय मर्यादा पुरुषोत्तम बनें, इसी में मेरी सिद्ध थी और राष्ट्र का यश। चूंकि इस हेतु महारानी कैकेई बनीं, इसलिए हम सभी को उनका ऋणी होना चाहिए।' (राम के राज्याभिषेक के समय गुरु वशिष्ठ का स्वयं से संवाद)

'...आपने शबरी के झूठे बेर खाकर उन सारे विभेदों की समाप्ति का संदेश संपूर्ण राष्ट्र को दिया जो न जाने कब से मनुष्य- मनुष्य में भेद की खाई गहरी करते चले आ रहे थे, ऐसी खाई जिसमें संवेदनाएं गिरकर अपना दम तोड़ रही थीं। आपने सुग्रीव का साथ देकर यह बता दिया कि आप प्रत्येक निर्बल का संबल हैं।' (राम से गुरु वशिष्ठ का संवाद)

रिपुंजय ! हमारा लक्ष्य कालजयी था, अतः बहुत कुछ समय के गर्भ में रहना ही उचित था और अपेक्षित भी। बस इतना ही कहना समीचीन होगा कि मैं यह स्वीकार नहीं कर सकता था कि आप अयोध्या के राजमहल की सरस परिधियों के पीछे अपने जीवन के सार को तिरोहित कर दें। जबकि आपकी मझली माता कैकेयी इससे बहुत आगे की सोच रही थीं। वे आपके जीवन के हर अध्याय में आपकी जय लिखी हुई देखना चाहती थीं। वे अल्पविरामों में बँधी हुई उपलब्धियों और विरामों में उलझी यशगाथाओं को आपके जीवन में कोई स्थान देना नहीं चाहती थीं।''

(कैकेयी के विषय में राम से बताते हुए गुरु वशिष्ठ)

माता ! यदि आप ने मुझे वन जाने का आदेश पिताश्री के माध्यम से न दिया होता तो मुझे यह पता ही नहीं चलता कि इस राष्ट्र की रक्षा सैनिक ही नहीं आटविक भी करते हैं, योद्धा ही नहीं ऋषि भी करते हैं, अंतेवासी ही नहीं वनवासी भी करते हैं। इसके समृद्ध और सुदीर्घ होने की कामना केवल राजसिंहासन पर विराजे हुए राजा ही नहीं करते हैं अपितु उस देश की सीमाओं के भीतर रहने वाली वन्य जातियाँ और पशु-पक्षी भी करते हैं। हमारी विजय, हमारे यश और हमारी समृद्धि में उनका भी योगदान होता है। बस वे कभी अपना भाग आपसे माँगने नहीं आते, वे तो परमार्थ को ही अपना पुरुषार्थ समझते हैं।

(माता कैकेयी को वनवास का अभिप्राय बताते हुए राम)